Samyak

An Institute For Civil Services

करेंट अफेयर्स

मासिक समसामयिकी

सितंबर - 2023

विशेष आकर्षण

- अंतर्राष्ट्रीय घटनाचक्र
- राष्ट्रीय घटनाचक्र
- राजस्थान घटनाचक्र
- योजना / कुरुक्षेत्र सार
- रक्षा/विज्ञान प्रौद्योगिकी
- आर्थिक घटनाचक्र
- खेल जगत

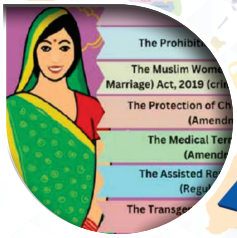

सभी प्रतियोगी परीक्षाओ के लिए उपयोगी

INDEX

		पेज नं.
1	अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य	1 – 5
2	राष्ट्रीय परिदृश्य	6 – 10
3	आर्थिक परिदृश्य	11
4	राजस्थान परिदृश्य	12 – 15
5	रक्षा विज्ञान एवं तकनीकी	16 – 18
6	इंडेक्स एवं रिपोर्ट	19
7	चर्चित स्थल	19
8	चर्चित व्यक्तित्व	20
9	खेल	21 – 22
10	पुरस्कार, पुस्तकें एवं नियुक्तियाँ	23 – 26
11	निधन	26 – 27
12	प्रमुख दिवस एवं सप्ताह	28
13	जिस्ट : योजना (सितंबर, 2023) कुरूक्षेत्र	29 – 52
14	आलेख/संपादकीय	53 – 63
15	मॉडल प्रश्न पत्र	64 – 67

मासिक करेंट अफेयर्स

सितंबर : 2023

1. अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

नई दिल्ली जी-20 शिखर सम्मेलन

- **जी-20 क्या है?** :- जी-20 (G-20) एक अन्त: सरकारी मंच है जिसमें 19 सम्प्रभु (Sovereign) राज्य, अफ्रीकीय संघ और यूरोपीय संघ शामिल है। यह वैश्विक अर्थव्यवस्था से संबंधित प्रमुख मुद्दों को संबोधित करने के लिए काम करता है। यह 1999 में स्थापित हुआ था।
- पहला संस्करण-2008, वॉशिंगटन, यू.एस.ए.।
- 17वां संस्करण-बाली, इंडोनेशिया, 2021
- **मेजबान**-भारत दिनांक-9-10 सितंबर, 2023 (संस्करण-18वां)।
- 19वां संस्करण-रियो डी जनेरियो, ब्राजील, 2024
- **स्थान**-'भारत मंडपम्' (अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी-कन्वेंशन सेंटर)।
- **थीम**-'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' एवं ''वसुधैव कुटुम्बकम'' (महा उपनिषद)।

उद्देश्य-'जी-20 भारत में जी-20 वार्ता में भारत के छह प्राथमिक उद्देश्य'।

1. हरित विकास, जलवायु वित्त और LiFE (Life Style For Environmet)
2. त्वरित, समावेशी और लचीला विकास।
3. सतत विकास लक्ष्यों (SDG's) पर प्रगति में तेजी लाना।
4. तकनीकी परिवर्तन और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना।
5. 21वीं सदी के लिए बहुपक्षीय संस्थाएँ।
6. महिला नेतृत्व वाला विकास।

- **सम्मेलन में शामिल सदस्य**:- अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इण्डोनेशिया, इटली, जापान, मैक्सिको, कोरिया गणराज्य, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्किए, यूनाईटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ।
- **आमंत्रित सदस्य**-बांग्लादेश, मिस्त्र, मॉरीशस, नीदरलैण्ड, नाइजीरिया, ओमान, सिंगापुर, स्पेन व संयुक्त अरब अमीरात।
- अफ्रीकी संघ (African Union -AU) को जी-20 के स्थायी सदस्य के रूप में शामिल किया गया।
- आईएमईसी (IMEC)-भारत मध्य-पूर्व-यूरोप कॉरीडोर (India- Middle East-Europe-Economic Corridor) पारित किया गया।
- IMEC में रेलवे, जहाज, पारगमन एवं सडक परिवहन मार्ग शामिल है जो भारत को खाड़ी क्षेत्र से ईस्टर्न कॉरीडोर और खाडी को यूरोप से नॉर्दन कोरिडोर को जोड़ेगा।

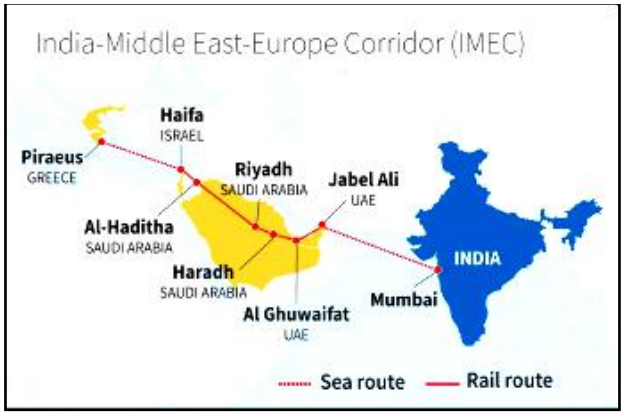

वैश्विक जैव-ईंधन गठबंधन GBA - (Global Biofuel Alliance) की घोषणा

- **जैव ईंधन क्या है?** ये ईंधन ऐसे ईंधन है जो जीवित रही सामग्री से बने होते है। इन्हें बार-बार उगाई जाने वाली पौधों या वनस्पति फसलों से निर्मित किया जाता है और इसलिए इन्हें नवीकरणीय ऊर्जा के रूप में जाना जाता है।
- GBA का शुभारंभ 9 सितंबर, 2023 को हुआ था और इसका मुख्य उद्देश्य ''जैव ईंधन का विकास और जैव ईंधन का ऊर्जा ट्रांसमिशन की कुंजी के रूप में स्थापित करते हुए उपभोक्ताओं और उत्पादों को एक साथ लाना।''
- दिल्ली घोषणा पत्र के अंतर्गत वैश्विक मुद्दो पर चर्चा की।
- महिला सशक्तिकरण के लिए एक कार्य समूह के गठन को मंजूरी जिसकी पहली बैठक ब्राजील की जी-20 अध्यक्षता के दौरान होगी।
- SDG को हासिल करने के लिए पर्यटन में 'गोवा रोडमैप' और ''ट्रैवल फॉर लाइफ'' कार्यक्रम का समर्थन किया।

G-20 में प्रदर्शित प्रमुख हस्तकला, शिल्पकला और सांस्कृतिक वस्तुएँ

- भगवान नटराज की 28 फीट ऊँची कांस्य प्रतिमा (चोलशैली)
- ओडिशा के सूर्य मंदिर का कोणार्क चक्र और नालंदा विश्वविद्यालय की छवि।
- तंजावुर पेंटिंग
- ढोकरा कला
- बोधि वृक्ष के नीचे स्थापित भगवान बुद्ध की पीतल की मूर्ति।
- विविध संगीत विरासत (हिंदुस्तानी, लोक संगीत, कर्नाटक, भक्ति)
- 29 देशों की 29 भाषाओं में ''वसुधैव कुटुम्बकम्'' लिखा गया है।
- लोंगपी पॉटरी (मणिपुर)
- छत्तीसगढ़ पवन बाँसुरी
- गोंड पेंटिंग्स
- गुजरात हैंगिंग्स
- भेड़ ऊन के स्टोल (हिमाचल प्रदेश), जम्मू कश्मीर
- अराकू वैली कॉफी (आंध्र प्रदेश)
- राजस्थानी मोजेक लैप, अम्बाबाड़ी, मेटलवर्क और मीनाकारी शिल्प।
- पिथौरा कला (परेशभाई जयंतीभाई राठवा)

राजस्थान में आयोजित G-20 सम्मेलन

1. 4-7 दिसंबर, 2022-G-20 शेरपा-उदयपुर
2. 2-4 फरवरी, 2023-G-20 डेलिगेट्स रोजगार सम्मेलन-जोधपुर
3. मार्च, 2023-G-20 -सस्टेनेबल फाइनेंस वर्किंग ग्रुप-उदयपुर
4. 13-14 अप्रैल, 2023 W-20 (महिला फोरम), जयपुर
5. 23-25, अप्रैल, 2023-G-20 पर्यटन एक्सपो , जयपुर

भारत-सऊदी अरब ऊर्जा समझौता ज्ञापन:-

- 10 सितंबर, 2023 को भारत-सऊदी अरब के मध्य ऊर्जा क्षेत्र के सहयोग समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए।
- इस दौरान 'भारत-सऊदी अरब स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप कॉउन्सिल' की पहली बैठक के तहत प्रस्तावित रत्नगिरि 3. (महाराष्ट्र) 'वेस्ट कोस्ट रिफाइनरी परियोजना' पर कार्य सुगम बनाने और तेजी लाने के लिए सहमति व्यक्त की।

मोदी-बाइडेन की द्विपक्षीय वार्ता

- जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने के उद्देश्य से आए यू.एस.ए के राष्ट्रपति जो बाईडेन और भारतीय प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी के बीच हुई द्वीपक्षीय वार्ता।

इस वार्ता के प्रमुख बिंदु

- अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 2028-29 में गैर स्थायी सीट में भारत की उम्मीदवारी का समर्थन किया।
- वैश्विक सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखलाओं के निर्माण के लिए अपना समर्थन दोहराया।
- अमरीकी कांग्रेस द्वारा जीई-एफ-414 फाइटर ईंजन के भारत से समझौते को मंजूरी दी जिससे इस ईंजन का भारत में बनाने की प्रक्रिया सरल हो गई। इस समझौते के तहत हिन्दुस्तान एयरोनोटिक्स लिमिटेड (HAL) और जीई एयरोस्पेस (GE Aerospace) इस प्रोजेक्टर पर संयुक्त कार्य करेंगे और इसके अंतर्गत तकनीक हस्तातंरण जेट ईंजन का भारत में निर्माण व लाइसेंसिग को शामिल किया गया।
- इसके अतिरिक्त भारत ने 'यूएस रिप एण्ड रिप्लेस प्रोग्राम' में रूचि दिखाई अथवा दोनों देशों ने क्वांटम एटैंगलमेंट एक्सचेंज (Quantum Entanglement Exchange) के माध्यम से मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता दोहराई।
- प्रौद्योगिकी एवं अनुसंधान से संबंधित दोनों देशों के मध्य 'ओपन रैन' (Open RAN) तथा 5जी एवं 6जी के विकास हेतु दो संयुक्त कार्यों पर समझौता किया।

लिप्टाको-गौरमा चार्टर (Liptako-Gourma Charter)

- 16 सितंबर, 2023 को अफ्रीकी महाद्वीपीय के तीन साहेल देश (माली, नाइजर और बुर्किना फासो) ने 'लिप्टाको गौरमा चार्टर' पर हस्ताक्षर किए जिसके तहत 'साहेल गठबंधन' की स्थापना की जाएगी।
- इस चार्टर के तहत सम्मिलित देशों में से किसी एक पर हमला हुआ तो दूसरे देशों को सैन्य सहायता करनी पड़ेगी।

साहेल क्या है

- साहेल राजनीतिक एवं भौगोलिक स्थितियों से बना हुआ एक अर्ध शुष्क क्षेत्र है जो सहारा रेगिस्तान और सवाना भूमि के मध्य में स्थित है। साहेल में कई देश शामिल है-जैसे की माली, चैड, नाइजर, बुर्किना फासो और सेनेगल इत्यादि।
- लिप्टाको-गौरमा का एक विवादास्पद क्षेत्र है जो जहा माली, बुर्कीना फासो और नाइजर की सीमाएं मिलती है जो कि सशस्त्र विद्रोहियों से त्रस्त रहा है।
- माली, नाईजर, बुर्किना फासो, चाड और मारिटानिया के साथ एक समय पर फ्रांसीसियों के अधीन थे और उसके तहत ये पाँच साहेल (अफ्रीकी) देश फ्रांस समर्थित जी-5 साहेल गठबंधन संयुक्त बल के सदस्य थे। इस समूह का गठन 2017 में अलकायदा और आईएसआईएस से जुड़े सशस्त्र बलों से मुकाबला करने के लिए हुआ था।
- वर्ष 2020 के बाद नाईजर, माली और बुर्किना फासो में तख्तापलट हुआ और हाल ही में नाइजर में तख्तापलट हुआ है जहाँ सैनिकों ने राष्ट्रपति मोहम्मद बजौम को जुलाई, 2023 में उखाड़ फेंका था।

I2U2 ने की अंतरिक्ष उद्यम की घोषणा

- आई 2 यू 2 (I2U2) देशों की बढ़ती भागीदारी और नवाचार के तहत नई संयुक्त अंतरिक्ष उद्यम की घोषणा 22 सितंबर को की गई जिसका प्रमुख उद्देश्य संस्थानों, नीति निर्माताओं और उद्यमियों के लिए एक महत्वपूर्ण अंतरिक्ष आधारित उपकरण विकसित करना है और मानवता के कल्याण3ा हेतु अंतरिक्ष संसाधनों और डाटा का इस्तेमाल करना।

I2U2 देशों के अंतरिक्ष संगठन

- **I2U2** - India, Israel, United States of America, United Arab Emirates-
- **इजराइल**-इजराइल स्पेस एजेंसी (ISA-Israel Space Agency)
- **इंडिया (भारत)**-इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (ISRO-Indian Space Research Organisation)
- **यू.एस.ए. (USA)**-नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (National Aeronaives and Space Administration)
- **यू.ए.ई. (UAE)**.यनाइटेड अरब अमिरात स्पेस एजेंसी (UAESA-United Arab Emirates Space Agency)

43वाँ आसियान शिखर सम्मेलन, 2023

- Association of South East Asian Nation
- स्थापना-8 अगस्त, 1967 को थाईलैण्ड, बैकॉक में।
- दिनांक-5-7 सितंबर, 2023
- स्थल-जकार्ता (Jakarta), (इण्डोनेशिया)
- थीम-आसियान महत्वपूर्ण है विकास का केन्द्र बिंदु (ASEAN Matter Epicentrum of Growth)

आसियान देश (ASEAN Countries)

1. ब्रूनेई दारुसलाम
2. कंबोडिया
3. इंडोनेशिया
4. लाओस
5. मलेशिया
6. म्यांमार
7. फीलीपींस
8. सिंगापुर
9. थाईलैंड
10. वियतनाम

- ASEAN देशों ने 43वें शिखर सम्मेलन के तहत कार्यान्वयन और सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और संस्कृति-समाज के तीनों महत्वपूर्ण क्षेत्रों का मंथन 'आसियान समुदाय विज़न-2025' (ASEAN Community Vision-2025) के तहत कर ब्लूप्रिंट जारी किया।

- इसके अतिरिक्त 2021 में म्यांमार में हुए तख्तापलट से गहराए संकट पर भी चर्चा हुई। इस तख्तापलट के चलते ASEAN समूह ने 2026 में क्षेत्रीय समूह की अध्यक्षता से भी वंचित कर दिया है।

आसियान-भारत शिखर सम्मेलन (ASEAN-India Summit)

- आसियान शिखर सम्मेलन के समानांतर '20वे आसियान-भारत शिखर सम्मेलन' एवं '18वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन' का आयोजन इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता (Jakarta) में 7 सितंबर, 2023 को हुआ।
- दोनों उपर्युक्त आयोजनों में भारतीय प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी ने शिरकत दी।

20वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में चर्चित मुद्दे निम्नलिखित है।

- तिमोर-लेस्ते में एक भारतीय दूतावास खोलने की घोषणा।
- भारत की बढ़ती तकनीकी उड़ान के परिणामस्वरूप 'डिजिटल पब्लिक इफ्रास्ट्रक्चर स्टैक' (Digital Public Infrasturcture Stack) को साझा करने की पेशकश।
- दक्षिण-पूर्व एशिया भारत-पश्चिम एशिया यूरोप को जोड़ने वाली मल्टी मॉडल कनेक्टिवीटी और आर्थिक गलियारे की स्थापना।
- डिजिटल भविष्य के लिए आसियान-भारत कोष की घोषणा।
- आसियान और पूर्वी एशिया के आर्थिक और अनुसंधान संस्थान EIERA-East Asia Economic and Research Agency के पुनः स्थापना को समर्थन की घोषणा।
- आसियान देशों को भारत में डब्ल्यूएचओ (WHO) द्वारा स्थापित किए जा रहे 'ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन' Global Centre for Tradition Medicine में शामिल हाने का आह्वान।

  'GCTM' का एक सुलभ, पर्यावरण अनुकूल और इंटरेक्टिव (Interactive) सुविधा है जो पारंपरिक दवा और चिकित्सा में पारंपरिक और आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रगति का उपयोग करेगी। भारत में ऐसा वैश्विक केन्द्र जामनगर, गुजरात में स्थित है।
- मिशन लाइफ (Mission LiFE) Lifestyle for the Environment में एक जुट काम करने का आमंत्रण।

संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा सतत विकास लक्ष्यों पर पारित राजनैतिक घोषणा पत्र

- संयुक्त राष्ट्र महासभा में विश्व नेताओं ने 17 सतत विकास लक्ष्यों (SDG- Sustainable Development Goals) को लागू करने की प्रक्रिया में तेज़ी लाने के लिए 18 सितंबर, 2023 को एक अभूतपूर्वक राजनैतिक घोषणा पत्र को अपनाया है।

17 सतत विकास लक्ष्य निम्नलिखित हैं-

1. कोई गरीबी नहीं
2. शून्य भूख
3. अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण
4. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा
5. लैंगिक समानता
6. स्वच्छ पानी और स्वच्छता
7. सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा
8. सभ्य कार्य और आर्थिक विकास
9. उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचा
10. असमानताओं में कमी
11. टिकाऊ शहर और समुदाय
12. जिम्मेदार उपभोग और उत्पादन
13. जलवायु कार्रवाई
14. पानी के नीचे जीवन
15. भूमि पर जीवन
16. शांति, न्याय और मजबूत संस्थान
17. लक्ष्यों के लिए साझेदारी

विविधः-

- ग्रीस के एपिरस में माउंट पिंडस पर जागोरोचोरिया या जागोरी के गाँव जो की पारंपरिक, सुरम्य गाँवों का एक समूह है, उन्हें UNESCO को विश्व विरासत सूची में शामिल कर लिया गया है।
- **डेनियल तूफानः-**
  - **प्रभावित देशः**-लिबिया (उत्तरी अफ्रीका)
  - **कबः**-10 सितंबर, 2023
  - **प्रभावित क्षेत्रः**-बेनगाजी, सुसा, बायदा, अज-मर्ज, डेरना शहर आदि।
- 'भारत-लैटिन अमेरिका सांस्कृतिक फिल्मोतसव' का चौथा संस्करण 'भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद्' द्वारा 28 सितम्बर 2023 को नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

- भारत एवं अमेरिका के मध्य 7वीं 2 + 2 मंत्रीस्तरीय वार्ता का आयोजन वाशिंगटन में किया गया।
- कामी रीता शेरपा ने 42वी बार 8000 फीट ऊँचाई की चढ़ाई कर निम्स पुर्जा का विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया है।
- कमल मेंधरजानी को 15 लोग सहित 'व्हाइट हाउस फेलो' की 2023-24 (कैंसर चिकित्सक) की श्रेणी के लिए सितंबर, 2023 में चयनित किया गया।
- इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर मैनेजमेंट डेवलपमेंट (International Institute for Management Development) के द्वारा जारी की गई 'विश्व प्रतिभा रैंकिंग, 2023 में स्विट्जरलैण्ड शीर्ष स्थान पर रहा एवं भारत की रैंक 56वी रही (2022 में 52वी थी)।
- ब्रिटेन में ब्रुसेला कैनिस (Brucella Canis) नामक एक रहस्यमयी जीवाणु संक्रमण जनित दुर्लभ बीमारी कुत्तों से इंसान में फैल रही है।
- वर्ष 1951 में इंडिया लीग द्वारा स्थापित 'इंडिया क्लब' जो की यूके में भारतीय समुदाय के लिए सामाजिक समारोह, सांस्कृतिक और भारतीय व्यंजनों के चर्चित था, उसे 17 सितंबर, 2023 को स्थायी रूप से बंद कर दिया गया। संस्थापक सदस्यों में वीके कृष्ण मेनन नेतृतव के अतिरिक्त लेडी माउंटबेटन और जवाहरलाल नेहरू शामिल थे।
- आर्मेनिया और अजरबैजान के मध्य में सैन्य संघर्ष का कारण 'नगोर्नो काराबाख' (Nagorno Karabakh) रहा, जो कॉकेरास (Caucosus) के पूर्वी भाग में पूर्वी यूरोप ओर मध्य एशिया में स्थित है।
- यूनाइटेड किंगडम ने यूरोपीय संघ के 'हॉराइजन साइंस रिचर्स प्रोग्राम' Horizon science research Program में पुनः शामिल होने का निर्णय 7 सितंबर, 2023 को लिया।
- वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार के लिए यूरोपीय संघ का प्रमुख वित्त पोषण कार्यक्रम है। जिसके पाँच मुख्य मिशन है-
  - जलवायु परिवर्तन के अनुकूल ढलना।
  - जलवायु तटस्थ शहर बनाना।
  - कैंसर से लड़ना।
  - महासागरों को बहाल करना।
  - मिट्टी का संरक्षण करना।
- 'इंडिया ग्लोबल फोरम' ने 'वर्ल्ड गवर्नमेंट समिट' के सितंबर 2023 में उभरती अर्थव्यवस्था कार्यक्रम विकसित करने के लिए आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए।
- बांग्लादेश सरकार ने लगभग 4000 मीट्रिक टन, हिल्सा मछलियों को अपने व्यापारियों को भारत को बेचने की अनुपति दी।
- 31 अगस्त, 2023 को राम सेवक शर्मा (TRAI के पूर्व अध्यक्ष) की अध्यक्षता में भारत-अमेरिका के मध्य इलेक्ट्रॉनिक्स व्यापार को 100 अरब डॉलर तक बढ़ाने के लक्ष्य को लेकर एक टास्क फोर्स का गठन किया गया।
- जॉर्जिया अमेरिका का पहला राज्य बना जिसने अक्टूबर को हिन्दू विरासत माह आधिकारिक तौर से मनाने की घोषणा की।

2. राष्ट्रीय परिदृश्य

106वाँ संविधान संशोधन अधिनियम

- नारी शक्ति वंदन अधिनियम शीर्षक वाले 128वें संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में 20 सितम्बर, 2023 तथा 21 सितम्बर, 2023 को राज्यसभा द्वारा पारित किया गया जिसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 29 सितम्बर को अपनी मंजूरी दे दी। यह विधेयक महिला आरक्षण से सम्बन्धित है परंतु इसका लाभ जनगणना और परिसीमन के बाद मिलेगा। यह 106वाँ संविधान संशोधन अधिनियम होगा। (आरक्षण राज्यसभा और विधान परिषद पर लागू नहीं होगा।)
- नए संसद भवन में पारित होने वाला यह पहला विधेयक है।

विधेयक के प्रावधान

1. 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और दिल्ली विधानसभा में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण प्रदान करता है।'
2. कानून लागू होने के बाद लोकसभा में महिला सदस्यों की संख्या 181 हो जाएगी (कुल 543)।
3. वर्तमान में आरक्षण 15 वर्ष के लिए रहेगा और संसद के पास इसको आगे बढ़ाने का प्रावधान रहेगा।
4. SC, ST की महिलाओं को आरक्षण को SC, ST कोटे से ही मिलेगा
   (वर्तमान SC, ST सीट-131 जिसका एक तिहाई 44 सीटे होगी)
5. इस विधेयक में OBC महिला आरक्षण के लिए प्रावधान नहीं है।
   संविधान में 73वें ओर 74वें संविधान संशोधन द्वारा ग्रामीण और शहरी स्थानीय निकायो में महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण अनिवार्य किया गया है।

- **भारत संसद का विशेष सत्र:**-पुरानी संसद का नामकरण 'संविधान सदन' किया गया।
- भारतीय संसद का छठा विशेष सत्र 18-22 सितंबर, 2023 को बुलाया गया जिसके तहत लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रधानमंत्री के संसद भवन का नाम 'संविधान सदन' करे जाने के लिए प्रस्ताव स्वीकार किया।
- इस बदलाव की पुष्टि लोकसभा सचिवालय द्वारा एक अधिकारिक अधिसूचना के माध्यम से औपचारिक रूप दिया गया।

संसद के 8 विशेष सत्र

- **पहला**-14-15 अगस्त, 1947 (स्वतंत्रता के समय)
- **दूसरा**- नवंबर 1962 (भारत-चीन युद्ध की स्थिति पर चर्चा करना)
- **तीसरा**- 14-15 अगस्त, 1972 भारत की स्वतंत्रता के 25 वर्ष के उपलक्ष्य में
- **चौथा**- 9 अगस्त, 1992 (भारत छोड़ो आंदोलन की 50वीं वर्षगांठ)
- **पाचवां**- 14-15 अगस्त, 1997 (स्वतंत्रता के 50 साल पूरे)
- **छठा**- 26-27 नवबंर, 2015 (डॉ.बी.आर अंबेडकर की 125वीं जयंती)
- **सातवां**- 30 जून 2017 वस्तु एवं सेवा कर (GST)
- **आठवां**- 18-22 सितंबर, 2023 (नए संसद भवन में प्रवेश व नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित करने हेतु)

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग को वैश्विक मान्यता

- WFME (World Federation For Medical Education) ने दस वर्षों के उल्लेखनीय कार्यकाल के लिए राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (NMC-National Medical Commission) को वैश्विक मान्यता प्रदान की।
- **परिणामस्वरूप**-भारत में सभी 706 मौजूदा मेडिकल कॉलेजों को WFME से मान्यता प्राप्त हो जाएगी अथवा आगामी 10 वर्ष में स्थापित होने वाले नए मेडिकल कॉलेज को स्वत: मान्यता प्राप्त हो जाएगी।
- भारत मेडिकल स्नातक अब अमेरिका कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैण्ड जैसे देशों में स्नातकोत्तर और अभ्यास कर सकते है।
- 'राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग' (NMC) भारत का प्रमुख नियामक निकाय है जो चिकित्सा (शिक्षा और अभ्यास) का निरीक्षण करता है।

शांति निकेतन और होयसल मंदिर समूह यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल में शामिल

- रियाद, सऊदी अरब में सितंबर, 2023 में आयोजित यूनेस्को के विश्व धरोहर सूची के 45वे सत्र में पं. बंगाल के 'शांति निकेतन' और कर्नाटक के प्रसिद्ध होयसल मंदिरों के समूह यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल सूची में शामिल।

मुख्य तथ्य

- वर्तमान में भारत अपने चौथे कार्यकाल (2021-25) के लिए समिति के सदस्य है।7
- भारत के विश्व विरासत सूची में 42 स्थल शामिल है ओर भारत का विश्व में छठा स्थान है। (कुल 42-34 सांस्कृतिक, 7 प्राकृतिक और एक मिश्रित है।)

होयसल मंदिर समूह, हलेबिड

- निर्माण-12वीं से 13वीं शताब्दी के मध्य।
- होयसालेश्वर मंदिर का निर्माण केतुमल्ला सेट्टी (राजा विष्णुवर्धन का अधिकारी)।
- यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है।

केदारेश्वर मंदिर

- निर्माण-1173-1228 ई. में राजा वीरा बल्लाल-II द्वारा अपनी रानी केतला देवी के लिए करवाया गया था।
- यह मंदिर सोप स्टोन से निर्मित है और भगवान विष्णु और उनके अवतारों को समर्पित है।

बेल्लूर मंदिर समूह

- चन्नकेश्वर मंदिर
- निर्माण-राजा विष्णुवर्धन द्वारा 1104-1117 ई. के बीच कराया गया।

केशव मंदिर मैसूर

- स्थापित- सोमनाथपुरा, मैसूर
- निर्माण-1268 ई. में सोमदन्नायक (राजा नरसिम्हा III के मंत्री)

शांति निकेतन-

- देवेन्द्रनाथ टैगोर (रविन्द्रनाथ टैगोर के पिता) ने वीरभूमि जिले के बोलपुर में 1863 में शांति निकेतन आश्रम की स्थापना की। वर्तमान में यह 'विश्व भारतीय विश्वविद्यालय' के रूप में विख्यात है।

यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक संगठन)

- संस्था का गठन (16 नवंबर, 1945), लंदन में
- मुख्यालय- पेरिस (फ्रांस)
- वर्तमान प्रमुख आंद्रे अजोले (महानिदेशक)
- 194 सदस्य देश

2023 टाइम्स 100 नेक्स्ट:

- द इमर्जिंग लीडर्स शेपिंग द वर्ल्ड की सूची में 3 भारतीय शामिल।
- 13 सितंबर को जारी सूची में 3 भारतीय शामिल
- हरमनप्रीत कौर-भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान
- नंदिता वेंकटेशन - समाज सुधारक
- वीनू डेनियल-समाज सुधारक एवं शिक्षक

एनसीईआरटी को मिला डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा

- एनसीईआरटी (NCERT-National Council of Educational Research and Training) को संस्थान के 63वें स्थापना दिवस (1, सितंबर 2023) को शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान द्वारा डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा दिया गया, अब वह ग्रेजुएशन, पोस्टग्रेजुएशन और डाक्टरेट के कोर्स शुरू कर सकेगा।
- इसके अतिरिक्त NCERT कई तरह के एग्जाम, विभिन्न परिक्षाओं के लिए सिलेबस एग्जाम पैटर्न आदि डिजाइन करने का जिम्मा भी सौपा जा सकता है।
- **एनसीईआरटी (NCERT)**
  - स्थापना-27 जुलाई, 1961
  - ध्येय वाक्य-विद्ययया अमृतमश्नुते
  - वर्तमान निदेशक-डॉ.दिनेश प्रसाद सकलानी

विश्व के पहले पोर्टेबल अस्पताल का अनावरण

- प्रोजेक्ट भीष्म (BHISHM-Bharat Health Initiative for Sahyog Hita and Maitri) के अंतर्गत भारत ने विश्व के पहले पोर्टेबल आपदा अस्पताल का अनवारण सितंबर में किया। इस पोर्टेबल अस्पताल को 'आरोग्य मैत्री' (Aarogya Maitri Cube) नाम दिया गया है।

वीरांगना दुर्गावती बना मध्य प्रदेश का 7वाँ बाघ अभ्यारण्य

- मध्य प्रदेश सरकार ने 22 सितम्बर, 2023 नोटिफिकेशन जारी कर 'वीरांगना दुर्गावती' (नौराहदेही अभ्यारण्य-पूर्व नाम) को प्रदेश का 7वाँ बाघ अभ्यारण्य घोषित किया।

- सागर, दमोह और नरसिंहपुर में विस्तृत यह अभयारण्य लगभग 1414 वर्ग किमी. के कोर क्षेत्र और 925.12 वर्ग किमी बफर जोन में शामिल किया गया।
- **मध्य प्रदेश के अन्य अभयारण्य:**-कान्हा, बांधवगढ़, सतपुरा, पेंच, पन्ना और संजय डुबरी है।
- सबसे अधिक बाघो की संख्या देश में मध्यप्रदेश में है।

यशोभूमि

- माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश को 'यशोभूमि' का पहला चरण 17 सितंबर, 2023 को राष्ट्र को समर्पित किया।
- 'यशोभूमि' एक अंतराष्ट्रीय सम्मेलन और एक्पो केन्द्र है।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना

- भारत के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के कारीगरों और शिल्पकारों को सहायता प्रदान करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द मोदी ने विश्वकर्मा जयंती (17 सितम्बर, 2023) को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना को लॉन्च किया।
- इस योजना के पहले चरण में-बढ़ई, नौका निर्माता, शस्त्रसमाज, लोहार, हथोड़ा और टूल किट निर्माता, इत्यादि (कुल 18 क्षेत्रों को शामिल किया गया है।)
- इस योजना को केन्द्र सरकार ने 13,000 करोड़ रुपये राशि से पूर्ण रूप से वित्त पोषित किया है।
- प्रशिक्षण के दौरान रुपये 500 प्रतिदिन भत्ता।
- आधुनिक उपकरणों और टूलकिट के लिए रुपये 15000 का वाउचर।
- 5% की ब्याज दर पर रुपये 1 लाख (पहली किश्त) और रुपये 2 लाख (दूसरी किश्त) तक सपार्श्विक मुक्त (Collateral free) ऋण सहायता

स्टेच्यू ऑफ वननेस

- 21 सितंबर, 2023 को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने माधाता पर्वत पर ओंकारेश्वर में जगतगुरु 'आदि शंकाराचाय' की 108 फीट ऊँची प्रतिमा 'स्टेच्यू ऑफ वननेस' (Statue of Oneness) का अनावरण किया।
- इसके अलावा 'अद्वैत लोक' नाम से एक संग्राहलय और आचार्य शंकर अद्वैत वेदांत संस्थान भी बनाया गया है।

आदि शंकराचार्य:

- 8वीं शताब्दी के महान दार्शनिक एवं धर्म प्रवर्तक थे।
- अद्वैत वेदांत को ठोस आधार प्रदान किया।
- कृति: बृह्मसूत्रभाष्य।

2nd कलिंग साहित्य उत्सव:-

- **आयो**जन:- 1 सितम्बर से 3 सितम्बर, 2023
- **आयोजन स्थल**- काठमांडू (नेपाल)
- उद्देश्य:-भारत, नेपाल संबंधों को मजबूत करते हुए गौतम बुद्ध की शिक्षाओं का प्रचार-प्रसार करना।
- **आयोजनकर्त्ता:**-KLF एवं यशस्वी प्रज्ञा प्रतिष्ठान (ओडिसा)।
- **विषय:**- 'शक्ति एवं भक्ति सभ्यागत संबंध:-वैश्विक विचार केन्द्र के रूप में नेपाल'

''आयुष्मान भव:'' अभियान:-

- **उद्**घाटन:-13 सितम्बर, 2023 को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू द्वारा।
- **आयोजक:**-केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (भारत सरकार)।
- उद्देश्य:-देश के प्रत्येक गांव एवं कस्बे तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित करना।

एक राष्ट्र, एक चुनाव

- **रामनाथ कोविंद (पूर्व राष्ट्रपति) की अध्यक्षता** में केन्द्र सरकार ने **'एक राष्ट्र, एक चुनाव' योजना** की व्यवहार्यता का पता लगाने के लिए **एक उच्चस्तरीय समिति** का गठन '2 सितंबर, 2023' को किया गया।

उच्चस्तरीय समिति:-रामनाथ कोविंद (अध्यक्ष)

1. श्री अमित शाह, केन्द्रीय गृहमंत्री और सहकारिता मंत्री
2. श्री गुलाब नबी आज़ाद, पूर्व नेता विपक्ष, राज्यसभा
3. श्री अर्जुन मेघवाल, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कानून और न्याय मंत्रालय
4. श्री एन.के. सिंह, पूर्व अध्यक्ष, वित्त आयोग (15वीं)
5. डॉ. सुभाष, सी कश्यप, लोकसभा के पूर्व महासचिव
6. श्री हरिश साल्वे, वरिष्ठ अधिवक्ता
7. श्री संजय कोठारी, पूर्व मुख्य सतर्कता आयुक्त

- **सचिव** - श्री नितेन चंद्रा

प्रमुख पोर्टल (राष्ट्रीय)

1. **UPAg पोर्टल (Unified portal for Agricultural Statistics)**
   - **प्रारंभ** – 15 सितम्बर 2023।
   - **प्रारंभकर्त्ता:**-प्रोफेसर रमेश चंद [सदस्य, नीति आयोग]
   - **उद्देश्य**-कृषि क्षेत्र से जुड़ी जटिल प्रशासनिक समस्याओं का समाधान करना एवं डेटा प्रबंधन करना।

2. **स्किल इंडिया डिजिटल प्लेटफॉर्म**
   - **प्रारंभ:**- 13 सितम्बर 2023।
   - **प्रारंभकर्त्ता**-केन्द्रीय शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री 'धर्मेन्द्र प्रधान'।
   - **उद्देश्य**-भारत में कौशल, शिक्षा, रोजगार और उद्यमिता का डिजिटल रूपांतरण करना।
   - यह एक अत्याधुनिक डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर हैं जो सभी कौशल पहलों को संयुक्त रूप में एकत्रित करता हैं।

प्रमुख सम्मेलन और बैठकें

1. **14वाँ विश्व कौशल शिखर सम्मेलन:-**
   - **प्रारंभ:**- 20 सितम्बर (दिल्ली)।
   - **विषय:**- युवाओं को सशक्त बनाकर उनके भविष्य का निर्माण करना।
   - **उद्देश्य:**-देशों में उद्योग आधारित कौशल संबंधित पारिस्थितिको तंत्र को सुदृढ़ कने पर ध्यान केन्द्रित करना।
   - **आयोजनकर्त्ता:**- FICCI (Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry)

2. **अंतर्राष्ट्रीय अधिवक्ता सम्मेलन-2023**
   - **आयोजन:**- 23- 24 सितम्बर, 2023 (नई दिल्ली)।
   - **विषय:**- 'न्याय वितरण प्रणाली में उभरती चुनौतियाँ'।
   - **आयोजनकर्त्ता:**- भारतीय अधिवक्ता परिषद्।
   - **उद्घाटन:**-प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा।

उद्देश्य:-

(i) राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न कानूनी मुद्दों पर विचार हेतु मंच प्रदान करना।

(ii) कानूनी मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय कानूनों से सहयोग प्राप्त कर कानूनी समझ का दृढ़ करना।

3. **बांध सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन-2023**
   - **आयोजन:**- 14-15 सितम्बर।
   - **आयोजन स्थल:**- राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (झालाना, जयपुर)।
   - **आयोजनकर्त्ता:**-जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग (जलशक्ति मंत्रालय, भारत सरकार)।
   - **विषय:**-सुदृढ़ एवं सुरक्षित बांध सुनिश्चित करे राष्ट्र समृद्धि।

राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (RIC)

- **स्थापना:**- 17 अप्रैल, 2023।
- **इंडिया** इंटरनेशनल सेंटर एवं इंडिया हैबिटेट सेंटर की तर्ज पर बना।
- **उद्देश्य:**-राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय एवं अन्य महत्त्वपूर्ण उच्च स्तरीय बैठकों का आयोजन सुदृढ़ एवं सफलतापूर्वक किया जा सके।

4. **ग्रीन हाइड्रोजन पायलट सम्मेलन:-2023**
   - **आयोजन:**- 5 सितम्बर
   - **आयोजन स्थल:**- नई दिल्ली
   - **आयोजनकर्त्ता**- NTPC Ltd.
   - जी-20 शिखर सम्मेलन की श्रृंखला के रूप में आयोजित हुआ।

NTPC (नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन)

- **भारत** की सबसे बड़ी विद्युत उत्पादक कंपनी है।
- 7 **नवम्बर** 1975 को स्थापित हुई।
- 1997 में नवरत्न का दर्जा प्राप्त हुआ।

5. **अंतर्राष्ट्रीय एयरोस्पेस सम्मेलन 2023:-**
   - **आयोजन**- 1- 2 सितम्बर, 2023
   - **आयोजन स्थल**- ग्वालियर **(M.P.)**
   - **आयोजनकर्त्ता**-भारतीय उद्योग परिसंघ एवं नागर विमानन मंत्रालय (भारत सरकार) संयुक्त रूप से।
   - **विषय**-समावेशी वैश्विक मूल्य श्रृंखला की ओर बढ़ते कदम।

विविध:-

- भारतीय वायुसेना ने सितंबर 2023 में पहला (छह में से) डोर्नियर-228 (हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा निर्मित) शामिल कर लिया गया।
- नागालैण्ड और अरुणाचल प्रदेश में केन्द्र सरकार ने 'शस्त्र बल विशेषाधिकार अधिनियम' (AFSPA-Armed Forces Special Powers Act) को 1 अक्टूबर, 2023 से छह माह के लिए बढ़ा दिया है।
- उत्तर प्रदेश ने स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के दूसरे चरण के तहत 100% ओडीएफ + (ODF-Open Defecation Free Plus) का दर्जा प्राप्त कर लिया है।
- भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने पुलो और अन्य संरचनाओं के डिजाइन तथा निर्माण को मजबूत करने के लिए 20 सितंबर, 2023 को दिल्ली मेट्रो रेल निगम के साथ समझौता किया।
- केन्द्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह ने ऊधमपुर से 'श्री माता वैष्णो देवी नारायण हेल्थकेयर (एमएमवीडी) टीबी मुक्त एक्सप्रेस' को 17 सिंतबर, 2023 को हरी झंडी दिखाई।
- केन्द्र सरकार ने 2025 तक भारत को 'टीबी मुक्त' बनाने का लक्ष्य रखा है।
- भारतीय नौसेना ने भारतीय विज्ञान संस्थान (IISC Bengaluru), बेगलुरु के साथ तकनीकी सहयोग और संयुक्त
  अनुसंधान एवं विकास के लिए समझौता ज्ञापन पर 22 सितंबर, 2023 को हस्ताक्षर किया।
- सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत अखिल विश्व गायत्री परिवार के साथ 22 सितंबर, 2023 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- गुजरात विधानसभा में 13 सितंबर, 2023 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 'राष्ट्रीय ई-विधान एप्लिकेशन' (National e- Vidhan Application NEVA) का उद्घाटन किया गया।
- उज्जवला योजना के तहत केन्द्र सरकार ने 75 लाख महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन देने का निर्णय लिया।
- 'स्किल इंडिया मिशन' को बढ़ावा देने के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 17 सितंबर, 2023 को स्किल ऑन व्हील्स बसों को हरी झंडी दिखाई।
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC-University Grants Commission) के द्वारा संचालित मानव संसाधन विकास केन्द्र को अब मदन मोहन मालवीय शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र के रूप में जाना जाएगा।
- इंडियन ऑयल कार्पोरेशन (IOCL) द्वारा संचालित देश की पहली हाइड्रोजन चलित बस को 25 सितंबर 2023 को केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने नई दिल्ली में हरी झंडी दिखाई।
- जम्मू-कश्मीर के उधमपुर रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर 'शहीद कैप्टन तुषार महाजन' रेलवे स्टेशन कर दिया गया है।
- भारतीय वायुसेना (IAF) एवं ड्रोन फैडरेशन ऑफ इंडिया (DFI) द्वारा 'भारतीय ड्रोन शक्ति प्रदर्शन-2023' का आयोजन हिंडन वायुसेना स्टेशन (गाजियाबाद, UP) में किया गया।
- मलयालम फिल्म '2018' को 96वें अकादमी पुरस्कार-2024 के लिए नामित किया तथा बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म कैटेगरी में ऑस्कर अवार्ड में नामांकन हेतु भेजा गया है। यह फिल्म 2018 में आयी 'बाढ़' से हुई तबाही पर आधारित है।
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 23 सितम्बर, 2023 को 'वाराणसी' में 'अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम' का शिलान्यास किया गया।
- 'प्रथम अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शिनी' का उद्घाटन राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू द्वारा ग्रेटर नोएडा (उत्तरप्रदेश) में किया गया।
- नुआखाई उत्सव का आयोजन 'ओडिशा' में किया गया। यह उड़ीसा का पारंपरिक त्यौहार हैं।
- भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) द्वारा 'मिथुन' नामक खाद्य पशु को अर्द्ध पालतु गौ जातीय पशु के रूप में मान्यता प्रदान की।

3. आर्थिक परिदृश्य

1. अफीम पोस्त की लाइसेंसिंग नीति

- 14 सितंबर, 2023 को केन्द्र सरकार ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तरप्रदेश के किसानों के लिए 2023-24 के लिए अफीम पोस्त की खेती संबंधित वार्षिक लाइसेसिंग नीति की घोषणा की।
- अफीम पोस्त के औषधो11य रूपी (फार्मास्युटीकल) इस्तेमाल की बढ़ती माँग के चलते हुए यह कदम उठाया गया है।

2. शक्तिकांत दास को शीर्ष केन्द्रीय बैंकर का दर्जा

- भारतीय रिजर्व बैंक (RBI- Reserve Bank of India) के गवर्नर शक्तिकांत दास को अमेरिकी पत्रिका 'ग्लोबल फाइनेंस' (Global Finance) द्वारा शीर्ष केन्द्रीय बैंकर का दर्जा दिया गया है और उन्हें ए प्लस रेटिंग दी गई।
- इनके बाद स्विटज्रलैण्ड के यामस जो जॉर्डन (Thomas J Jordan) और वियतनाम के गुयेन शी होंग (छहनलमद thi hong) को इस सूची में स्थान दिया गया है।

3. कृषि ऋण ओर फसल बीमा पर केन्द्रित पहलों का अनावरण

- 19 सितंबर, 2023 को केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कृषि ऋण और फसल बीमा पर आधारित कुछ पहलों का शुभारंभ किया।
- किसान केडिट कार्ड (KCC-Kisan Credit Card) घर-घर अभियान
- किसान ऋण पोर्टल (KRN-Kisan Rin Portal)
- मौसम सूचना नेटवर्क डेटा सिस्टम (WINDS-Weather Information Network Data System) का मैनुअल

4. काकरापार परमाणु ऊर्जा सयंत्र-देश का पहला स्वदेशी परमाणु सयंत्र शुरू

- 31 अगस्त, 2023 से गुजरात में देश के सबसे बड़े स्वदेशी (700 मेगावाट) परमाणु संयंत्र (काकरापार) की यूनिट-3 ने पूरी क्षमता पर परिचालन शुरू किया। (अब तक यह अपनी 90% क्षमता पर कार्य करता था)

5. 20वीं 'भारत-यूके' आर्थिक एवं वित्तीय वार्ता

- भारत-यूके इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस ब्रिज पहल की घोषणा दिनांक 11 सितंबर, 2023 को 12वीं 'भारत-यूके' आर्थिक एवं विकास वार्ता में की गई।
- यह इस नीति आयोग एवं सिटी ऑफ लंदन के सहयोग से सह-नेतृत्व में एक उद्यम होगा।
- इसका प्रमुख उद्देश्य बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं की योजना बनाने और लागू करना।

4. राजस्थान परिदृश्य

धौलपुर कम्बाइंड गैस विद्युत परियोजना:-

चर्चा में क्यों?

- 21 सितम्बर, 2023 को धौलपुर कम्बाइंड गैस विद्युत परियोजना की द्वितीय इकाई को प्रारंभ किया गया है।

परियोजना के तथ्य:-

- यह परियोजना 'राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम' द्वारा धौलपुर जिले में स्थापित की गई।
- यहाँ 110 मेगावाट की 3 इकाई स्थापित होनी हैं।
- इसकी क्षमता 7.92 मिलियन यूनिट प्रति दिन है।
- यहाँ 1 मार्च, 2018 से उत्पादन प्रारंभ हुआ था।

राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम:-

- इसका गठन राजस्थान सरकार कंपनी अधिनियम-1956 के तहत 19 जुलाई, 2000 को किया गया था।

2. राजस्थान ग्रीन हाईड्रोजन नीति 2023

- 16 सितम्बर, 2023 को मंत्रिमण्डल द्वारा मंजूरी।
- ग्रीन हाइड्रोजन सेक्टर 'राजस्थान निवेश प्रोत्साहन नीति-2022' के तहत थ्रस्ट सेक्टर में शामिल।

लक्ष्य:-

(i) 2030 तक 2000 KTPA (Kilo Tonnes per Annum) ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य।
(ii) इसमें अक्षय ऊर्जा एवं हाइड्रोजन उत्पादन-700 KTPA

- 24 घंटे उत्पादन RTC पॉवर द्वारा-800 KTPA
- RVPN द्वारा उत्पादन - 500 KTPA

अन्य प्रावधान:-

(i) विद्युत संयंत्रों के लिए व्हीलिंग एवं ट्रांसमिशन शुल्क में 100% छूट/प्रतिपूर्ति
(ii) खारे पानी से ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन हेतु अनुसंधान केन्द्र स्थापना पर 30% या अधिकतम 5 करोड़ अनुदान देय।

- **ग्रीन हाइड्रोजन:**-यह अक्षय ऊर्जा का एक रूप है जिसे जल के इलेक्ट्रोलाईसिस द्वारा प्राप्त किया जाता हैं।
- राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन नीति-2022 के तहत वर्ष 2030 तक 50 लाख टन ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन लक्षित हैं।

ग्रीन हाइड्रोजन के उपयोग:-

(i) 'ग्रीन हाउस प्रभाव' को कम करने हेतु उपयुक्त वैकल्पिक ईंधन में उपयोगी।
(ii) जीवाश्म ईंधन से संचालित वाहनों के लिए बेहतर वैकल्पिक हाइड्रोजन वाहन हैं।
(iii) ग्रिड ऊर्जा भण्डारण सहज एवं कम खर्चीला।

राजस्थान बायोमास एवं वेस्ट टू एनर्जी नीति- 2023

- जारी-20 सितम्बर, 2023
- **उद्देश्य:**-बायोमास एवं वेस्ट से ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि करने तथा थर्मल पावर प्लांट में बायोमास की को-फायरिंग को बढ़ावा देने हेतु यह नीति जारी की गई।

लाभ:-

(i) बायोमास एवं वेस्ट से विद्युत उतपादन को प्रोत्साहन मिलेगा।
(ii) बायोमास एवं ठोस कचरे का उचित प्रबंधन से सकेगा।

अन्य तथ्य:-

(i) राजस्थान में प्रथम जैव ईंधन नीति-2010 में आयी।
(ii) राजस्थान में बायोमास की स्थापित क्षमता 120.45 मेगावाट हैं।
(iii) बायोमास के 13 संयंत्र स्थापित है।

इंदिरा रसोई योजना (ग्रामीण)

- **शुरूआत**-10 सितम्बर, 2023 [झिलाय (निवाई, टोंक)]
- **लक्ष्य**-पूरे प्रदेश में 1000 ग्रामीण रसोई स्थापित की जाएगी।

अन्य तथ्य-

(i) वर्तमान में 400 ग्रामीण इंदिरा रसोईयों का शुभारंभ किया गया हैं।
(ii) यह योजना 5000 से अधिक आबादी वाले ग्रामीण कस्बों में प्रारंभ।

उद्देश्य:-

- सतत् विकास गोल-2 [भुखमरी का अंत] को प्राप्त करने के उपलक्ष्य में तथा ग्रामीण जनसंख्या में पोषण स्तर में वृद्धि कर कुपोषण को कम करना है।

मुख्यमंत्री कामधेनु पशु बीमा योजना-

- **प्रारंभ**-6 सितम्बर, 2023 (भीलवाड़ा से)
- **उद्देश्य**-पशुपालकों के दुधारू पशुओं (गाय/भैंस आदि) के अकाल मृत्यु पर पशुपालक को आर्थिक संबल प्रदान करना और वित्तीय संकट में सहायता प्रदान करना।
- **लाभ**-पशुपालक के प्रति परिवार 2-2 दुधारू गौ/भैंस वंश के पशुओं का अधिकतम 40 हजार तक का नि:शुल्क बीमा।
- **नोडल विभाग:**- पशुपालन विभाग, राजस्थान सरकार

639वाँ बाबा रामदेव मेला:-

- **आयोजन तिथि**-भाद्रपद शुक्ल द्वितीया से भाद्रपद शुक्ल एकादशी
- **आयोजन स्थल**-रामदेवरा (जैसलमेर)
- **संज्ञा**-पश्चिमी राजस्थान का महाकुंभ

बाबा रामदेव:-

- **जन्म**-भाद्रपद शुक्ल द्वितीय विक्रम संवत् 1409 (रणिया, जैसलमेर)
- पश्चिमी राजस्थान एवं सम्पूर्ण राजस्थान के प्रसिद्ध लोकदेवता एवं पंचपीरों में शामिल।
- **अन्य नाम**-रामसापीर, पीरो के पीर
- हिंदु-मुस्लिम दोनों में लोकप्रिय
- समाधि-भाद्रपद शुक्ल एकादशी विक्रम संवत् 1442 को रामदेवरा (जैसलमेर) में देह त्याग।

खेलो इंडिया वुमन लीग:-

- **आयोजनकर्त्ता:**-राजस्थान एथलेटिक्स संघ
- **आयोजनस्थल**-सवाई मानसिंह स्टेडियम (जयपुर)
- **खेल:**-100 मीटर दौड-Ist डोना (जयपुर)
  2nd सुमन कुमारी (चुरु)
  3rd आयशा खान (कोटा)

200 मीटर दौड:- Ist डोना धाकड़
2nd अर्चना शर्मा
3rd हिमांशी राजावत

डोलमेला:-

- **आयोजन स्थल**-हाडौती (बाराँ)।
- **आयोजन तिथि:**-भाद्रपद शुक्ल एकादशी (जलझूलनी एकादशी)।
- **अन्य नाम:**-'श्री जी का मेला'।
- राधा-कृष्ण की दिव्य जोड़ी को समर्पित मेला हैं।

चुनाव आयोग द्वारा 'होम वोटिंग' सुविधा:-

- **सुविधा के लाभार्थी**-
  (i) वरिष्ठ नागरिक (आयु 80 +)
  (ii) विशेष योगयजन (दिव्यांगता 40% +)
- 12 D फार्म द्वारा होम वोटिंग के विकल्प का चयन।
- मतदान दल द्वारा पोस्टल बैलेट द्वारा मतदान करवाया जायेगा।

भारतीय चुनाव आयोग

- संवैधानिक निकाय अनुच्छेद 340 के अंतर्गत
- 1950 में गठन
- मुख्य चुनाव आयुक्त - श्री राजीव कुमार (IAS)

राज्य में मिले 'लाईम स्टोन' के भण्डार:-

- खींवसर (नागौर) से 163.77 मिलियन टन के नए जमाव प्राप्त हुए।
- खींवसर तहसील के हरिपुरा, जोरावरपुरा, खोड़वा आदि में 51 ब्लॉक बनाए गए हैं।
- इससे पूर्व नागौर और देह तहसील में भी 335 लाख मिलियन टन लाईम स्टोन भण्डार मिल चुके हैं।
- **लाईम स्टोन:**-यह एक अवसादी चट्टान हैं जो कैल्शियम कार्बोनेट ($CaCo_3$) के भिन्न-भिन्न क्रिस्टलीय रूपों यथा-कैल्साईट आदि से बनी होती है।

उपयोग-

(i) सीमेंट उद्योग में।
(ii) कपड़ा उद्योग में।
(iii) चीनी, कागज एवं चमड़ा उद्योग में।
(iv) जल उपचार (शुद्धिकरण) में।

चूना के प्रकार

- स्टील ग्रेड
- केमिकल ग्रेड
- सीमेंट ग्रेड

6वाँ वित्त आयोग:-

- **स्थापना**- 12 अप्रैल, 2021
- **संवैधानिक प्रावधान**-अनुच्छेद 243 (I & Y)
- **संरचना**-अध्यक्ष - प्रद्युम्न सिंह
  सदस्य- (i) अशोक लाहोटी
  (ii) लक्ष्मण सिंह रावत
- **पहला राज्य वित्त आयोग:**- श्री कृष्ण कुमार गोयल की अध्यक्षता में स्थापित।
- **पांचवा राज्य वित्त आयोग:**-डॉ. ज्योति किरण की अध्यक्षता में स्थापित।

विमुक्ति जनजातीय मुक्ति दिवस:-

- **प्रारम्भकर्त्ता:**-राजस्थान सरकार
- **आयोजन तिथि:**-31 अगस्त
- 72वें राजस्तरीय मुक्ति दिवस समारोह में घोषणा हुई।
- **कारण**-ब्रिटिश कालीन 'आपराधिक जनजातीय अधिनियम-1871' के 31 अगस्त, 1952 को समाप्त होने के उपलक्ष्य में 31 अगस्त को दिवस की घोषणा।

13. राजस्थान स्टेट फैकल्टी डवलपमेंट एकेडमी (RSFDA):

- **स्थापना**-सितम्बर, 2023 (जयपुर)
- **उद्देश्य**-उच्च शिक्षा के शैक्षणिक स्तर में सुधार एवं गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण द्वारा शिक्षकों के स्तर में सुधार।
- इसके द्वारा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित प्रशिक्षण संस्थाओं से MOU करा जायेगा।

14. राजस्थान के पैनोरमा

(I) राजा बूंदा मीणा का पैनोरमा:-

- **स्थल**-ग्राम बंदी (बूंदी)
- बूंदा मीणा को बूंदी की स्थापनाकर्त्ता के रूप में जाना जाता है।

(II) महर्षि नवल का पैनोरमा:-

- **स्थल**-केरु ग्राम (जोधपुर)
- **महर्षि नवल**-ये दलितों के उत्थान एवं निचली जाति के पीड़ित व्यक्तियों में एकता की अलख जगाने के लिए याद किये जाते हैं।

(III) अन्य प्रमुख पैनोरमा

i. देवराज जी पैनोरमा - शेरगढ़ (जोधपुर)
ii. संत ईश्वर दास जी पैनोरमा - जालीपा(बाड़मेर)
iii. वीरमदेव कान्हड पैनोरमा - जालौर
iv. बीकाजी सोलंकी पैनोरमा - देसूरी (पाली)
v. कैला देवी पैनोरमा - करौली
vi. राजा हेमू का पैनोरमा - माचाड़ी(अलवर)
vii. सत्यव्रत राव चूंडा पैनोरमा - बस्सी(चित्तौड़गढ)

iStart इनोवेशन स्कूल हब:-

- **स्थापना**- बीकानेर
- **निर्माणकर्त्ता**-सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग (राजस्थान)
- **इसका** निर्माण 'फिनटेक डिजीटल यूनिवर्सिटी (जोधपुर)' की तर्ज पर किया जायेगा।

राज्य सरकार पटेल बोर्ड:-

- **गठन**-सितम्बर, 2023
- **गठनकर्त्ता**-राजस्थान सरकार
- **बोर्ड संरचना**- 1. अध्यक्ष - 1
  2. उपाध्यक्ष-1
  3. सदस्य -5

'गुड टच बैड टच' अभियान 'वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्डस' में दर्ज

- राज्य सरकार की 'असुरक्षित स्पर्श' पर जागरूकता कार्यक्रम में 58 लाख से अधिक विद्यार्थियों के साथ शामिल होने पर इसे 'वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्डस' में शामिल किया गया।
- सरकार द्वारा 26 अगस्त को 65122 सरकारी विद्यालयों में 'नो बैग डे' पर यह जागरूकता कार्यक्रम किया गया।
- यह कार्यक्रम 'स्कूल शिक्षा विभाग' द्वारा संचालित हैं।
- राज्यमंत्री जाहिदा खान द्वारा रिकॉर्ड का सर्टिफिकेट प्राप्त किया गया।

विविध-

(i) राजस्थान की 'प्रथम खनन यूनिवर्सिटी' सिसवाली (बारां) में स्थापित की जाएगी।
(ii) धीरेन्द्र चौधरी (भरतपुर) को 'राजस्थान बॉक्सिंग संघ' का अध्यक्ष चुना गया।
(iii) देश का 37वाँ और राजस्थान का दूसरा 'पासपोर्ट कार्यालय' कोटा में स्थापित किया गया।
(iv) उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा गुढ़ामलाणी

(बाड़मेर) में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) के 'क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केन्द्र' का शिलान्यास किया गया।

(v) गुरुनानक देव सिक्ख कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष पद पर परमजीत सिंह रंधावा और उपाध्यक्ष पद हरपाल सिंह राणा ने पदभार ग्रहण किया।

(vi) जोबनेर (जयपुर) में राज्य का द्वितीय 'पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय' स्थापित किया गया।

(vii) MBM यूनिवर्सिटी जोधपुर में 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर नॉन कन्वेंशनल एनर्जी' खोला गया।

(viii) केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत द्वारा अखिल भारतीय स्वच्छता पखवाडा–'स्वच्छता ही सेवा' अभियान की शुरूआत जयपुर (राजस्थान) से की गई।

(ix) राज्य स्तरीय 'राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलंपिक' खलों का आयोजन 'जोधपुर' में किया गया।

(x) राजस्थान सरकार द्वारा चाकसू (जयपुर) में 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन पंचकर्म' की स्थापना की गई।

(xi) हनुमानमल ढ़ाका को राजफैड (RAJFED) का प्रबंधक निदेशक (MD) बनाया गया।

(xii) डॉ. इकराम राजस्थानी को 'राजस्थान वक्फ विकास परिषद' का उपाध्यक्ष मनोनित किया गया।

(xiii) कोटा में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट विकसित करने की घोषणा हुई।

(xiv) मुख्यमंत्री द्वारा 'मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर' का लोकार्पण जोधपुर में किया गया।

(xv) मुख्यमंत्री द्वारा 'सुरपुरा एम्यूजमेंट पार्क' का लोकार्पण जोधपुर में किया गया।

5. रक्षा, विज्ञान एवं तकनीकी

अन्तरिक्ष प्रौद्योगिकी

भारत का पहला सौर मिशन 'आदित्य-एल 1' का सफलतापूर्वक लॉन्च

- लॉन्च तिथि-2, अगस्त, 2023
- **स्थल**-सतीश धवन स्पेस सेन्टर, श्री हरिकोटा, आन्ध्र प्रदेश
- **रॉकेट**-पीएसएलवी-एक्सएल/सी-57 (PSLV-XL/C-57)
- 'आदित्य एल-1' का मुख्य उद्देश्य वातावरण में सूर्य की सतह पर कोरोनल मास इंजेक्शन (ME-Coronal Mass Ejection), सूर्य के धधकने संबंधित गतिविधियां, सूर्य के परिमंडल की गर्मी, सौर वातावरण में गतिशीलता और पृथ्वी के करीब अंतरिक्ष में मौसम संबंधित समस्याओं को समझना है।
- पेलोड (payload)- 'आदित्य-एल1' अपने साथ सात पेलोड लेकर गया है जिनमें से चार सूर्य के प्रकाश का निरीक्षण करेंगे। सात पेलोड निम्नवत हैं-
  - **वीईएलसी:** Visible Emission Line Coronagraph (VELC)
  - **स्यूट:** Solar Ultraviolet Imaging Telescope (SUIT)
  - **सोलेक्स:** Solar Low Energy X-ray Spectrometer (SoLEXS)
  - **हेलिओस:** Hight Energy L1 Orbiting X-ray Spectrometer (HELIOS)
  - **एसपेक्स:** Aditya Solar wind Particle Experiment (ASPEX)
  - **पापा:** Plasma Analyser Package For Aditya (PAPA) और उन्नत-त्रि-अक्षीय उच्च रिजॉल्यूशन डिजिटल मैग्नेटोमीटर (Advanced Tri-axial High Resolution Digital Magnetometers)

ISRO (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन)

- **गठन:** 15 अगस्त, 1969 विक्रम साराभाई द्वारा।
- **मुख्यालय:** बेंगलुरु भारत
- भारत की राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी।
- **चेयरमैन:** एस.पी. सोमनाथ

मून स्नाइपर मिशन लॉन्च

- जापान की अंतरिक्ष एजेंसी जाक्सा (JAXA-Japan Aerospace Exploration Agency) ने अपना चन्द्र मिशन 'Moon Sniper' लॉन्च किया।
- दिनांक-7, सितंबर, 2023
- रॉकेट- H-IIA
- **लैंडर**-'स्लिम' (SLIM- Smart Lander for Investigating Moon)
- **पेलोड**-एक्स रे इमेजिंग एण्ड स्पेक्ट्रोस्कोपी मिशन (X-Ray Imaging and spectroscopy Mission-XRISM)

अंतरिक्ष प्रवास का अमेरिकन रिकॉर्ड

- अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री-फ्रैंक रूबियो/फ्रांसिस्को रूबियो
- अंतरिक्ष में प्रवास-371 दिन (एक बार में)
- एजेंसी-नासा
- मिशन की शुरूआत 12 सितम्बर, 2022 को हुई। उस प्रवास के दौरान इन्होंने पृथ्वी की लगभग 5,436 परिक्रमाएं की।
- अंतरिक्ष में सबसे ज्यादा दिन-बिताने का रिकॉर्ड रूसी एस्ट्रॉनॉट वलेरी पॉलियाकॉव (Valery Polyakov) के नाम है। जिनहोंने कुल 437 दिन अंतरिक्ष में बिताएं है।
- रूबियो का प्रारम्भिक मिशन सिर्फ 180 दिन का था परन्तु उनके यान में खराबी के चलते उनका वापिस लौटना स्थगित होता रहा। अंततः वह सोयूज MS-23 (Soyuz MS-23) स्पेस्क्राफ्ट से 27 सितम्बर, 2023 को वापिस लौट पाये।
- **NASA:** राष्ट्रीय वैमानिकी और अंतरिक्ष प्रबंधन (अमेरिका की राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी)
  गठन: 29 जुलाई, 1958 संयुक्त राज्य अमेरिका (ड्वाइट डो. आइजनहावर द्वारा)

रक्षा प्रौद्योगिकी

हीरो किम कुन ओके

- उत्तर कोरिया ने हाल ही में 6, सितंबर, 2023 को 'हीरो किम कुन ओके' (Hero Kim Kun Ok) नामक 'सामरिक परमाणु हमला पनडुब्बी लॉन्च की है।'

महेन्द्रगिरी

- मझगाँव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (Mazaon Docks Ship builder limited ने प्रोजेक्ट 17 ए (Project 17A) के सातवें स्टील्थ फ्रीगेट (Stealth Frigate) महेन्द्रगिरी को 1 सितंबर, 2023 को लॉन्च किया।

सी-295 विमान

- यूरोपीय कम्पनी एयरबस डिफेंस एण्ड स्पेस से भारतीय वायु सेना को उनका पहला सी-295 (C-295, Millitary Transport Aircraft) एयरफ्राफ्ट मिल चुका है।
- शेष 40 सी-295 विमानों का निर्माण प्रमुख यूरोपीय विमानन कंपनी एयरबस और टाटा के बीच साझेदारी में भारत में किया जाएगा।

सिम्बेक्स (SIMBEX)-2023:-

- **भारत:**-सिंगापुर के मध्य द्विपक्षीय नौसेना युद्धाभ्यास हैं।
- **आयोजन स्थल:-**
  1. **प्रथम चरण:**-सिंगापुर-चांगी नेवल बेस (21-24 सितम्बर)
  2. **द्वितीय चरण:**-दक्षिणी चीन के दक्षिण में (25-28 सितम्बर)
- **तथ्य:**-1994 से आयोजित किया जा रहा है।
- भारत की ओर से राजपूत क्लास डिस्ट्रायर INS रणविजय, INS कवरत्ती (कमोर्टा-क्लास कार्वेट) शामिल हुए।
- सिंगापुर की ओर से RSS स्टालवर्ट और RSS टेनशियस शामिल हुए।

भारत-इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया प्रथम त्रिपक्षीय युद्धाभ्यास:-

- **आयोजन:**-20-21 सितम्बर
- **उद्देश्य:**-भारत, इंडोनेशिया और ऑस्ट्रेलिया के मध्य सुरक्षित एवं मजबूत रक्षा संबंध स्थापित करना।
- भारत की तरफ से INS सह्याद्री ने भाग लिया।

INS सह्याद्री:-

- यह स्वदेशी भारतीय नौसेना युद्धपोत है।
- यह प्रोजेक्ट-17 शृंखला का मल्टीरोल स्टील्थ फ्रिगेट्स श्रेणी का तीसरा युद्धपोत हैं।
- इसका निर्माण मझगांव लिमिटेड (मुम्बई) द्वारा किया गया।

ऑपरेशन 'सजग':-

- **आयोजन:**- 18 सितम्बर, 2023
- **आयोजनकर्त्ता:**- भारतीय तटीय सुरक्षा बल
- **उद्देश्य:**-तटीय सुरक्षा को बढ़ावा देने वाले समस्त हितधारकों को शामिल करते हुए तटीय सुरक्षा तंत्र का पुनर्मूल्यांकन करना एवं मछुआरों को जागरूक करना।

तथ्य:-

(i) मछुआरों को बायोमैट्रिक कार्ड जारी किये गये।
(ii) राज्यवार मछुआरों की नावों का कलर कोड निश्चित किया गया।
(iii) 118 जहाजों (गश्ती जहाजों) द्वारा नौकाओं और जहाजों एवं उनके चालक दलों के आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई।

21वाँ वरुण युद्धाभ्यास:-

- **प्रारंभ:**- प्रथम चरण - 16-20 जनवरी, 2023
  दूसरा चरण - सितम्बर, 2023
- भारत एवं फ्रांस के मध्य तीन दिवसीय द्विपक्षीय युद्धाभ्यास हैं।
- इस अभ्यास में संयुक्त संचालन, पुनर्गठन और विभिन्न सामरिक युद्धाभ्यास सम्मिलित थे।
- यह अरब सागर में आयोजित हुआ।
- 20वाँ संस्करण 30 मार्च से 3 अप्रैल, 2022 को अरब सागर में आयोजित हुआ।
- यह युद्धाभ्यास 1993 में प्रारंभ हुआ था।
- 2001 में 'वरुण' नाम से प्रारंभ हुआ।

19वाँ एक्सरसाइज युद्धाभ्यास:-

- **आयोजन:**-25 सितम्बर-8 अक्टूबर, 2023
- **आयोजन स्थल**-फोर्ट वेनराइट (अलास्का, अमेरिका)
- भारत और अमेरिका के मध्य वार्षिक सैन्य युद्धाभ्यास हैं।
- भारत की ओर से मराठा लाईट इन्फेंट्री रेजीमेंट तथा अमेरिका की ओर से Ist ब्रिगेड कॉम्बैट टीम की 1-24 इंफेंट्री बटालियन ने भाग लिया।
- इसका संस्करण नवम्बर 2022 में ओली (उत्तराखण्ड) में आयोजित किया गया।

भारत में वैनेडियम धातु की खोज:-

- भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI) द्वारा खोजा गया।
- **खोज स्थल**-खंभात की खाड़ी (गुजरात)

तथ्य:-

(i) वैनेड़ियम मुख्य रूप में उन 55 खनिजों में शामिल हैं जिसे शुद्ध रूप में निकालना लगभग चुनौतीपूर्ण एवं खर्चीला होता हैं।

(ii) GSI द्वारा इसकी पहचान टिटानो मैग्नेटाईट के भीतर की गई।

(iii) ब्राजील इसका सबसे बड़ा निर्यातक देश हैं तथा चीन का भण्डारण में प्रथम स्थान हैं।

उपयोग:-

(i) स्टील मिश्र धातु उत्पादन में,

(ii) ऊर्जा भण्डारण में,

(iii) इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों के कलपुर्जे बनाने में,

(iv) बैटरी निर्माण में,

(v) रक्षा एवं एयरोस्पेस में

टिटानो मैग्नेटाईट:-

- यह एक प्रकार का खनिज हैं जो गर्म लावा के तेजी से ठंड़ा होने के कारण बनता हैं।

भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI)

- **स्थापना:**-1851
- **कार्य:**-विभिन्न वैज्ञानिक तथ्यों एवं सूचनाओं की खोज, जांच एवं सत्यापन करना।

6. इंडेक्स एवं रिपोर्टस्

ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में भारत का 40वाँ स्थान

- विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (World Intellectual Property Organisation WIPO) द्वारा प्रकाशित ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स (GII-Global Innovation Index) में भारत ने 132 अर्थव्यवस्थाओं में 40वीं रैंक हासिल की है।
- वर्ष 2015 में भारत ने 81वीं रैंक हासिल की थी ओर तब से निरंतर सुधार कर रहा है।
- **GII:-** यह WIPO द्वारा प्रकाशित सूचकांक है जो 132 अर्थव्यवस्थाओं में नवीनतम वैश्विक नवाचार के रूझानों को और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के प्रदर्शन को ट्रेक करता है।

GII 2023 में शीर्ष 5 देश

1. स्विट्जरलैण्ड
2. स्वीडन
3. संयुक्त राज्य अमेरिका
4. यूनाइटेड किंगडम
5. सिंगापुर

देश में एलीफेंट कॉरिडोर की संख्या 150 हुई

- 'भारत के हाथी गलियारे' (Elephant corridors of India) शीर्षक वाली रिपोर्ट के केन्द्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा तहत देश में कम से कम 150 हाथी गलियारे है जो 15 रेंज-राज्यों में फैले हुए है।

स्टेट ऑफ द राइनो रिपोर्ट, 2023

- 'राइनो स्थिति रिपोर्ट-2023' अमेरिका स्थित इंटरनेशनल राइनो फाउंडेशन (Internation Rhino Foundation) द्वारा 20 सितंबर को जारी की गई।
- 'विश्व गैंडा दिवस' प्रतिवर्ष 22 सितंबर को गैंडो की 5 प्रजातिओं और उनके संरक्षण हेतु समर्पित ह।
- इस रिपोर्ट के तहत भारत के पर्यावरण और वन्यजीव प्रेमियों के लिए खुशखबरी है की भारत में एक सींग वाले गैंडो की संख्या बढ़ रही है।
- भारत में एक सींग वाले गैंडे मुख्य रूप से भारत-नेपाल तराई के मैदान, पं. बंगाल के उत्तरी भाग और असम में पाए जाते है।

7. चर्चित स्थल

- 'विश्वनाथ घाट' (सोनितपुर, असम) को पर्यटन मंत्रालय द्वारा 'भारत के सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गाँव-2023' के रूप में चयनित किया गया। अन्य नाम-गुप्त काशी।
- सांची नगर को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने देश की पहली 'सोलर सिटी' का लोकार्पण 6 सितंबर, 2023 को किया।
- आई.आई. टी कानुपर और नवीनीकरणीय विभाग के मध्य सांची को नेट जीरो सिटी बनाने के करारनामे पर हस्ताक्षर किया गया।
- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 12 सितंबर, 2023 को सीमा सडक संगठन (BRO- Border Road Organization) द्वारा न्यौमा क्षेत्र, लद्दाख में बनाए जा रहे विश्व के सबसे ऊँचे हवाई अड्डे (14,000 फीट) की आधारशिला रखी।
- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा जम्मू-कश्मीर के बिश्नाह-कौलपुर-फुलपुर रोड़ पर देवक पुल (अत्याधुनिक 422.9 मी. लम्बा) का उद्घाटन 12 सितंबर, 2023 को किया गया है।
- हरियाणा के झज्जर जिले के कार्तिक ने Chat-GPT के देशी संस्करण रघुराई बोट बनाया है।

8. चर्चित व्यक्तित्व

1. **जया वर्मा**-रेलवे बोर्ड की प्रथम महिला चेयरपर्सन बनी।
2. **मनिंदर सिंह बग्गा**-राज्य सरकार द्वारा मनिंदर सिंह बग्गा को राजस्थान पंजाब भाषा अकादमी का अध्यक्ष मनोनित किया गया।
3. **दिव्याकृति सिंह:-**
   - एशियन गेम्स-2023 में स्वर्णपदक।
   - खेल-घुड़सवारी
   - जयपुर (राजस्थान) की निवासी
4. **दिव्यांश सिंह पंवार:-**
   - **एशियन गेम्स**-2023 में भारत के लिए प्रथम गोल्ड मेडल प्राप्त किया।
   - **खेल**-10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट
5. **राजमाता स्वरूपा देवी:-**
   - झालावाड़ राजपरिवार की राजमाता थी।
   - महाराज राणा चंद्रजीत सिंह की माता थी।
   - **इनका जन्म:** टिहरी गढ़वाल (उत्तराखण्ड) राजवंश के पूर्व नरेश कर्नल मानवेंद्र शाह के घर हुआ।
6. **घनश्याम गुर्जर:-**
   - भैसेडा (पहाड़ी, भरतपुर) से संबंधित हैं।
   - **खेल**- रेसलिंग (मूकबधिर कैटेगिरी)
   - वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप (बिश्केक, किर्गिस्तान) में 'कांस्य पदक' प्राप्त किया।
7. **प्रियन सेन:-**
   - सीकर (राजस्थान) की निवासी
   - 'मिस अर्थ इंडिया-2023' का खिताब जीता।
   - राजस्थान से खिताब जीतने वाली प्रथम सुन्दरी है।
   - 'इंटरनेशनल ब्यूटी पीजेंट मिस अर्थ-2023' में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी।
8. **प्रवीणा आँजना-**
   - छोटी सादड़ी (प्रतापगढ़) से संबंधित है।
   - 'मिस डिवाईन ब्यूटी-2023' के तहत 'मिस इंटरनेशनल इंड़िया-2023' का खिताब जीता।
   - जापान में 'मिस इंटरनेशनल 2023' का भारत का प्रतिनिधित्व करेगी।
9. **वीनू गुप्ता-**
   - ये वरिष्ठ IAS हैं जिन्हें RERA का चेयरपर्सन नियुक्त किया गया।
   - कार्यकाल-5 वर्ष या 65 वर्ष जो भी पहले हो।

RERA:-

- राजस्थान रियल स्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी
- स्थापना-6 मार्च, 2019
- कार्य-राज्य की रियल स्टेट से जुड़ी सभी शिकायत दर्ज कर उनका निवारण करना।

10. **स्वाति नायक**
    - अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (IRRI), 'मनीला (फिलीपींस) की शीर्ष वैज्ञानिक हैं।'
    - IRRI में बीज प्रणाली और उत्पाद प्रबंधन की दक्षिण एशियाई प्रमुख है।
    - इस सम्मान से सम्मानित तृतीय भारतीय वैज्ञानिक हैं।

    इनसे पूर्व- (i) अदिती मुखर्जी (2012)
    (ii) डॉ. महालिंगम् गोविंदराज (2022)

9. खेल

1. 19वें एशियाई खेल-2022:-

- **आयोजन** - 23 सितम्बर- 8 अक्टूबर
- **आयोजन स्थल**- होंगझाऊ (चीन)
- **आयोजनकर्त्ता**-एशियाई ओलंपिक परिषद्
- चीन में एशियाई खलों का तीसरी बार आयोजन किया जा रहा है।
- कोविड के कारण यह खेल 1 वर्ष बाद आयोजित हो रहे हैं।
- 45 देशों के खिलाड़ियों ने भाग लिया।

भारतीय टीम के ध्वज वाहक:-

(i) हरमनप्रीत सिंह (हॉकी)
(ii) लवलीना बोरगोहेन (मुक्केबाजी)

- **शुभंकर:**-'मेमोरी ऑफ जियांगन'
  इसमें चेन्चेन, कांगकॉन्ग व लियालियन शामिल हैं।
- **प्रारंभ**- 1982 (दिल्ली)
- चार वर्षीय आयोजन।
- **आयोजनकर्त्ता**-अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक परिषद् के पर्यवेक्षण में 'एशिाई ओलंपिक परिषद' द्वारा।
- 2018 संस्करण जकार्ता (इंडोनेशिया) में सम्पन्न हुआ।

2. 16वाँ क्रिक्रेट एशिया कप

- **मेजबानी** - श्रीलंका एवं पाकिस्तान
- **आयोजन** - 30 अगस्त- 17 सितम्बर
- **विजेता** - भारत (8वीं बार)
- **उपविजेता** - श्रीलंका
- **प्लेयर ऑफ द सीरीज** - कुलदीप यादव
- **प्लेयर ऑफ द मैच (फाईनल)**- मोहम्मद सिराज

3. अमेरिकी टेनिस ओपन-2023

- **आयोजन** - 28 अगस्त - 10 सितम्बर
- **आयोजन स्थल** - न्यूयॉर्क (अमेरिका)
- **पुरुष एकल - विजेता** - नोवाक जोकोविच (सर्बिया)
  उपविजेता - डेनियल मेदवेदेव (रूस)
- **महिला एकल:-**
  विजेता - कोको गॉफ (अमेरिका)
  उपविजेता - एलेना सबालेंका (बेलारूस)
- **पुरुष युगल:-**
  विजेता- राजीवराम (अमेरिका) और सेलिसबरी (ब्रिटेन)
  उपविजेता- रोहन बोपन्ना (भारत) और मैथ्यू एबडेन (ऑस्ट्रेलिया)
- **महिला युगल:**-विजेता-गैबरीला डेबरोब्स्की (कनाडा) एवं इरीना रौटलीफे (न्यूजीलैण्ड)
  उपविजेता-लौरा सिगेमंड (जर्मनी) एवं वेरा ज्वोनेरेवा (रूस)

4. इंडोनेशिया बैड़मिंटन मास्टर्स:-

- **आयोजन स्थल**- मेड़ान (इण्डोनेशिया)
- सुपर 100 बैड़मिंटन चैंपियनशिप के विजेता- किरण जॉर्ज (भारत)
  उपविजेता-कू ताकाहाशी (जापान)

5. डूरंड कप 2023:-

- **आयोजन**- 3 अगस्त - 3 सितम्बर
- **आयोजन स्थल**- कोलकाता, गुवाहाटी और कोकराझार
- **विजेता**- मोहन बागान (17वाँ खिताब) - 60 लाख रुपये
  उपविजेता - ईस्ट बंगाल - 30 लाख रुपये

प्रमुख अवॉर्ड

- **गोल्डन ग्लब्स अवॉर्ड:**- विशाल कैथ (मोहन बागान)
- **गोल्डन बूट अवॉर्ड:**- डेविड लालह्लानसंगा (मोहम्मडन एस सी)
- **गोल्डन बॉल पुरस्कार:**-नंदकुमार शेखर (ईस्ट बंगाल एफ सी)

डूरंड कप:-

- **प्रारंभ:- 1888 (शिमला)**
- **भारत का घरेलू फुटबॉल टूर्नामेंट**
- एशियाई फुटबॉल कॉन्फेडरेशन (AFC से मान्यता प्राप्त)

6. पुरुष हॉकी फाइव्स एशिया कप 2023:-

- **आयोजन**- 29 अगस्त से 2 सितम्बर
- **आयोजन स्थल**-सलालह (ओमन)
- **विजेता** - भारत
- **उपविजेता** - पाकिस्तान
- भारत ने हॉकी विश्व कप 2024 में प्रवेश किया।

7. इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्टस फैडरेशन-2023:-

- **आयोजन** - 12 सितम्बर से 19 सितम्बर
- **आयोजन स्थल**- रियो - डि-जेनेरियो (ब्राजील)
- **प्रथम स्थान** - चीन (28 पदक), 15 स्वर्ण, 7 रजत, 6 कांस्य
- **भारत की रैंक**- 5th [1 स्वर्ण एवं 1 रजत]
- **स्वर्ण पदक**- इलावेनिल वलारिवन [10 मीटर एयर राइफल स्पर्द्धा]
- **स्वर्ण पदक**- निश्चल [50 मीटर राइफल]

इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट्स फैडरेशन (ISSF):-

- **गठन**- 1907
- शूटिंग खेल के लिए अंतर्राष्ट्रीय संस्था हैं।
- प्रथम शूटिंग वर्ल्ड कप 1947 में आयोजित हुआ।
- **वर्तमान अध्यक्ष:**- लुसियानो रॉसी

8. 19th फीफा बास्केटबॉल विश्व कप-2023

- **आयोजन:**- 25 अगस्त से 10 सितम्बर
- **आयोजनस्थल**-फिलीपींस, जापान और इंडोनेशिया

फाइनल गेम:-

- **स्थल:**- पसाय (फिलीपींस)
- **विजेता**- जर्मनी (प्रथम खिताब)
  उपविजेता- सर्बिया
- **मोस्ट वेल्युएबल प्लेयर ऑफ टूर्नामेंट** :- डेनिस श्रोडर (जर्मनी)

9. मोटो जीपी भारत-2023:-

- **आयोजन** - 22- 24 सितम्बर
- **आयोजन स्थल**-बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट (ग्रेटर नोएडा)

तथ्य:-

i. 5.01 किलोमीटर लम्बे ट्रैक पर 120.24 किलोमीटर की रेस हुई।
ii. विश्व की 41 टीमों के 82 राइडर्स ने भाग लिया।
iii. मोटो जीपी का आयोजन भारत में प्रथम बार किया गया।

विजेता

- **मोटो जीपी**- मार्को बेजेची (इटली)
- **मोटो- 2**- जॉर्ज मार्टिन (स्पेन)
- **मोटो-3**- फैबियो क्वार्टारो (फ्रांस)

विविध:-

1. प्रथमेश जावकर ने तीरंदाजी विश्वकप फाइनल-2023 में रजत पदक प्राप्त किया। माथियास फुलर्टन (डेनमार्क) ने स्वर्ण पदक जीता।
2. विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में 'कांस्य पदक' जीतकर अमित पंघाल (53 किग्रा) ने पेरिस ओलंपिक 2024 का कोटा प्राप्त किया।
3. डायमंड लीग-2023 में भारतीय जेवलिन को प्लेयर 'नीरज चोपड़ा' ने रजत पदक प्राप्त किया। ये इस लीग के प्रथम भारतीय पदक प्राप्तकर्ता हैं।
4. मैक्स वर्सटाप्पेन (नीदरलैण्ड) ने रेडबुल रेसिंग होंडा टीम की ओर से 'जापानीज ग्रांड प्रिक्स फॉर्मूला-1 रेस' जीती।
5. फरारी की तरफ से कार्लोस सेंज (स्पेन) द्वारा 'सिंगापुर ग्रांड प्रिक्स फॉर्मूला-1 रेस' में विजय प्राप्त की।
6. मैक्स वर्सटाप्पेन (नीदरलैण्ड) द्वारा 'इटेलियन ग्रांड प्रिक्स फॉर्मूला-1 रेस' में विजय प्राप्त की।
7. स्नूकर खिलाड़ी रोनी ओ सुल्विवान (इंग्लैण्ड) ने लुका ब्रेसेल (बेल्जियम) को हराकर शंघाई मास्टर्स का खिताब जीता।
8. आर्मंड डुप्लांटिस (स्वीडन) ने यूजीन (अमेरिका) में आयोजित डायमंड लीग फाइनल में पोल्ट वॉल्ट में 6. 23 मीटर की ऊँचाई तय कर विश्व रिकॉर्ड तोड़ा।

10. पुरस्कार/पुस्तकें/नियुक्तियाँ

राजस्थान साहित्य अकादमी पुरस्कार		
पुरस्कार	**प्राप्तकर्ता**	**कृति**
मीरां पुरस्कार	रत्नकुमार सांभरिया (जयपुर)	उपन्यास 'सांप'
साहित्य-मनीषी	वेद व्यास	–
अकादमी द्वारा 70 वर्षों में अब तक कुल 17 लोगों को यह पुरस्कार दिया गया है, जिनमें डॉ. संपूर्णानंद, रामधारी सिंह दिनकर, जर्नादन राय नगर, कन्हैयालाल सेठिया, डॉ. रामानंद तिवारी 'भारती नंदन' जैसे वरिष्ठ और लब्धप्रतिष्ठि साहित्यकार शामिल हैं।		
जनार्दनराय नागर सम्मान	**डॉ. रणजीत**	–
सुधींद्र पुरस्कार	चेतन औदिच्य (उदयपुर)	पानी (कविता संग्रह)
रांगेय राघव पुरस्कार	पुरुषोत्तम पोमल (जालौर)	पाषाण पुत्री क्षत्राणी हीरा-दे (उपन्यास)
देवराज उपाध्याय पुरस्कार	हरीश बी. शर्मा (बीकानेर)	प्रस्थान बिंदु
कन्हैयालाल सहल पुरस्कार	राघवेंद्र रावत (जयपुर)	मारक लहरों के बीच (डायरी)
देवीलाल सामर पुरस्कार (नाटक विधा)	रासबिहारी गौड़ (अजमेर)	गांधी जिंदा है
शंभूदयाल सक्सेना पुरस्कार बाल साहित्य	रोचिका अरुण शर्मा (कोटा मूल की चेन्नई निवासी)	किताबों से बातें (कथाकृति)
सुमनेश जोशी पुरस्कार (प्रथम कृति)	बिलाल पठान (उदयपुर)	अब पेड़ फल बेचेंगे

पुरस्कार सम्मान राशि

- **मीरां पुरस्कार :** रु. 75 हजार
- **सुमनेश जोशी पुरस्कार:** रु. 21 हजार
- **साहित्य मनीषी :** 2.5 लाख
- **जनार्दनराय नागर सम्मान:** रु. 1 लाख
- **अन्य पुरस्कार :** रु 31 हजार

53वाँ दादा साहेब फाल्के पुरस्कार-2023

- **पुरस्कृत**-वहीदा रहमान (85 वर्षीय अभिनेत्री)
- **घोषणा**-अनुराग ठाकुर (सूचना एवं प्रसारण मंत्री)द्वारा।

वहीदा रहमान

- **जन्म**- 3 फरवरी, 1938 (चेन्नई)
- **कार्यस्थल**- तमिल फिल्म इंडस्ट्री
- **सम्मान**- पद्मभूषण (2011), पद्म श्री (1975)

दादा साहेब फाल्के पुरस्कार

- भारत सरकार द्वारा प्रदत्त वार्षिक पुरस्कार
- प्रारंभ-1969(दादा साहब फाल्के की जन्म शताब्दी)
- प्रथम पुरस्कृत-देविका रानी (1969)
- देश में फिल्म जगत का सर्वोच्च पुरसकार हैं।

नोर्मन बोरलॉग फील्ड अवॉर्ड-2023

- **आयोजन** - अमेरिका
- **पुरस्कृत** - डॉ. स्वाति नायक [10 हजार डॉलर + डिप्लोमा]
- **प्रदाता** - रॉकफेलर फाउंडेशन एवं वर्ल्ड फूड प्राईज फाउण्डेशन
- **उद्देश्य**- खाद्य एवं पोषण सुरक्षा तथा भूखमरी उन्मूलन के क्षेत्र में काम करने वाले 40 वर्ष से कम उम्र के असाधारण वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करना।

रेमन मैग्सेसे पुरस्कार 2023:-

- **वितरण:**-31 अगस्त (रेमन मैग्सेसे जयंती)
- **पुरस्कृत:**- 4 लोग पुरस्कृत
  (i) डॉ रवि कन्नन आर. (भारत)
  [असम में कैंसर उपचार में क्रांति लाने का श्रेय]
  (ii) कोरवी रक्षंद (बांगलदेश)
  (iii) यूजेनियो लेमोस (तिमोर-लेस्ते)
  (iv) मरियम कोरोनेल फेरर (फिलीपींस)

रेमन मैग्सेसे पुरसकार:-

- **प्रारंभ**- 1957
- एशिया का सर्वोच्च सम्मान
- एशिया का नोबेल पुरस्कार
- रेमन मैगसेसे फिलीपींस के तृतीय राष्ट्रपति थे।
- यह पुरस्कार जनकेन्द्रित व समाजसेवी कार्यों हेतु प्रदान किया जाता है।

राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार:-

- **प्रारंभ:**-21 सितंबर, 2023
- **प्रारंभकर्त्ता**-भारत सरकार
- **कार्य क्षेत्र**-विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में नवाचार
- **उद्देश्य**-विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के नवाचारों व अनुसंधानों में वृद्धि करना।
- **श्रेणियाँ**- उक्त पुरस्कार की 4 श्रेणियों है-
  (i) विज्ञान रत्न पुरस्कार
  (ii) विज्ञान श्री पुरस्कार
  (iii) विज्ञान युवा शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार
  (iv) विज्ञान टीम पुरस्कार
- **घोषणा तिथि**-11 मई (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस)
- **वितरण तिथि**-23 अगस्त (राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस)

शांतिस्वरूप भटनागर पुरस्कार-2022:-

- **प्रदाता**-भारतीय वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR)
- **क्षेत्र**-विज्ञान के विभिन्न क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हेतु 7 विषयों में।
- **पुरस्कृत वैज्ञानिक:**-12 वैज्ञानिक पुरस्कृत हुए।
  (i) **जीव विज्ञान**- (a) अश्विनी कुमार (माइक्रो-बायोलॉजिस्ट, चंडीगढ़)
  (b) मद्दिका सुब्बा रेड्डी (सेंटर फॉर डीएनए फिंगर प्रिंटिंग डायग्नोस्टिक हैदराबाद)
  (ii) रसायन विज्ञान:- (A) अक्कट्टू टी बीजू (भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलुरु)
  (B) देवव्रत माटी (IIT बॉम्बे)
  iii) पृथ्वी, वातावरण, समुद्र एवं खगोल विज्ञान:-
  (A) विमल मिश्रा (IIT गांधीनगर)
  iv) इंजीनियरिंग विज्ञान:- (A) दीप्ती साहू (IIT दिल्ली) (B) रजनीश कुमार (IIT मद्रास)
  (v) चिकित्सा विज्ञान:- (A) दिप्यमान गांगुली (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कैमिकल बायलॉजी, कोलकत्ता)
  (vi) भौतिक विज्ञान:- (A) अनिन्दया दास (भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलुरु)
  (vii) गणितीय विज्ञान - (A) अपूर्वा खरे (भारतीय विज्ञान, संस्थान, बैंगलुरु) (B) नीरज कायल (माइक्रो सॉफ्ट रिसर्च लैब इंडिया)

शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार:-

- 1958 से प्रारंभ
- **पात्रता:**-विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के अनुसंधान में प्रयासरत् 45 वर्ष तक की आयु वाले नागरिक।
- **पुरस्कार**-
  (i) 1 प्रशस्ति पत्र, 5 लाख रुपये (6300 US $)
  (ii) 65 वर्ष की आयु तक 15000 रु प्रति माह

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2023:-

- **पुरस्कार तिथि**- 5 सितम्बर (राष्ट्रीय शिक्षक दिवस)
- **पुरस्कार स्थल**- विज्ञान भवन (नई दिल्ली)
- **75 शिक्षक** सम्मानित **हुए**-
  [A] स्कूल शिक्षा से - 50 शिक्षक
  [B] उच्च शिक्षा से - 13 शिक्षक
  [C] कौशल विकास एवं मंत्रालय से 12 शिक्षक
- **राष्ट्रीय शिक्षक दिवस:**-
  भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् के जन्मदिवस के अवसर पर प्रतिवर्ष 5 सितम्बर को यह मनाया जाता है।
- **पुरस्कार** का **उद्देश्य:**-
  शिक्षा, शिक्षक व विद्यार्थियों के मध्य सकारात्मक वातावरण तैयार करना।

संगीत नाटक अकादमी अमृत पुरस्कार-2023:-

- यह प्रदर्शन कला के क्षेत्र का राष्ट्रीय पुरस्कार हैं।
- यह 75 वर्ष से अधिक आयु के कलाकारों को प्रदान किया जाता हैं।
- अमृत महोत्सव के अवसर पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ द्वारा 84 कलाकारों के ये पुरस्कार प्रदान किये गये।
- 84 कलाकारों में 70 पुरुष व 14 महिलाएँ शामिल है।

राजस्थान से सम्मानित-

(i) सरतज नारायण माथुर (थियेटर)
(ii) भारत रत्न भार्गव (थियेटर)
(iii) थोथे खान (अलगोजा वादक)
(iv) हाकिम खान (लोक संगीत)
(v) गिरधारी महाराज (कत्थक)

पुरस्कार- 1 लाख रुपये एवं ताम्रपत्र।

ग्रामीण पर्यटन ग्राम पुरस्कार-2023:-

- 27 सितम्बर (विश्व पर्यटन दिवस) के अवसर पर
- केन्द्रीय पर्यटन मंत्रालय द्वारा
- देश के 35 पर्यटन ग्राम शामिल
- राजस्थान से 2 ग्राम शामिल-
  (a) मीनल गाँव (चित्तौड़गढ़) - रजत पदक
  (b) नौरंगाबाद (अलवर) - कांस्य पदक

स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा जारी वैज्ञानिक सूची में राजस्थान

- स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा विश्व के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों की सूची जारी की।
- इसमें जोधपुर के 7 वैज्ञानिक शामिल हुए

नाम	रैंक	क्षेत्र	संस्थान
डॉ. तनुज कंचन	73	फोरेंसिक मेडिसिन	एम्स जोधपुर
डॉ. जेसी तरफदार	992	कृषि विज्ञान	काजरी जोधपुर
डॉ. एनएम नाहर	2721	ऊर्जा	काजरी जोधपुर
डॉ. दिलीप जैन	1042	खाद्य विज्ञान	काजरी जोधपुर
प्रो. राकेश के शर्मा	1860	कार्बनिक रसायन	IIT जोधपुर
प्रो. भगवती पी. कश्यप	1987	मेटेरियल्स	IIT जोधपुर
प्रो. गौरव भटनागर	4206	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस	IIT जोधपुर

राजस्थान उद्योग रत्न पुरस्कार-

- MSME दिवस (17 सितंबर) पर वर्ष 2022-23 हेतु प्रदान किया गया।
- इसमें 9 उद्यमियों को 'राजस्थान उद्योग रत्न पुरस्कार' प्रदान किया गया।

श्रेष्ठ बुनकर पुरस्कार
(i) जेबुनिशा (कैथून, कोटा)
(ii) मोहम्मद यासीन (बाराँ)

हस्तशिल्प रत्न पुरस्कार- इन्दर सिंह कुदरत (जयपुर)

- **MSME क्या है**-इससे तात्पर्य सूक्ष्म, लघु एवं माध्यम उद्यमों से हैं, जिनका प्रबंधन सूक्ष्म, लघु, और मध्यम उद्यम मंत्रालय (MOMSME) द्वारा किया जाता है।

राज्य स्तरीय संस्कृत विद्वान समारोह-

- **आयोजन**-29 अगस्त, 2023 (बिड़ला ऑडिटोरियम, जयपुर)
- संस्कृत भाषा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले विद्वान व संस्थान भी सम्मानित हुए, वे हैं-

(I) संस्कृत साधना शिखर सम्मान-पं. सांबरमल शर्मा

(II) संस्कृत साधना सम्मान- (i) डॉ. दीरघराम रामस्नेही (ii) डॉ. गजानन मिश्र

(III) संस्कृत विद्वत्सम्मान- (i) डॉ. विश्वम्भर दयाल जोशी (ii) डॉ. शीतल चन्द्र जैन (iii) प्रो. श्रीमती भगवती सुदेश (iv) कौशलदत्त शर्मा (v) पं. गौरीशंकर शर्मा (vi) डॉ. देवेन्द्र चतुर्वेदी

13. संगीत नाटक अकादमी रत्न सम्मान:-

- राजस्थान संगीत नाटक अकादमी, जोधपुर द्वारा प्रदत्त सर्वोच्च फैलोशिप अवॉर्ड हैं।
- यह पुरस्कार देश की प्रसिद्ध वरिष्ठ नाट्य निर्देशक 'भानुभारती' (उदयपुर) को प्रदान किया।
- इसके अतिरिक्त 13 कलाकारों को अवॉर्ड, 6 को 'युवा पुरस्कार' एवं 3 को 'बाल पुरस्कार' भी प्रदान किया गया।

राजस्थान संगीत नाटक अकादमी (जोधपुर):-

- इसकी स्थापना राजस्थान सरकार द्वारा 1957 में हुई।
- कार्य-संगीत के क्षेत्र में शोध एवं सृजन के साथ प्रोत्साहन द्वारा संगीत का प्रसार।
- वर्तमान अध्यक्ष-श्रीमति बिनाका जेश मालू।

हिंदी दिवस समारोह:-

- **हिंदी दिवस**- 14 सितम्बर
- **समारोह स्थल**-बिड़ला ऑडिटोरियम (जयपुर)
- **आयोजनकर्त्ता**-भाषा एवं पुस्तकालय विभाग
- **सम्मान**-3 लेखक (हिन्दी विषय में विद्वान) 440 विद्यार्थी [हिंदी में 100% अंक प्राप्त]

14 सितम्बर को क्यों:-

(i) 14 सितम्बर, 1949 को एक कानून बनाया गया जिसमें हिंदी को राष्ट्रभाषा नहीं बल्कि राजभाषा का दर्जा दिया गया।

(ii) प्रसिद्ध हिंदी कवि 'व्यौहार राजेन्द्र सिंह' जी की जयंती भी आती है।

हिंदी सेवा पुरस्कार:-

(i) डॉ. फतेह सिंह भाटी (कृति-उमा दे)

(ii) डॉ. सत्यवीर सिंह एवं रामविलास (कृषि क्षेत्र)

(iii) विनोद बोथले (विज्ञान विधा-नौ संचालन उपग्रह प्रणाली: एक परिचल)

- इन्हें 50000 रु. का चैक, प्रमाणपत्र, अंग वस्त्र एवं पौधा भेंट किया गया।

विविध:-

(i) डॉ. सुरिंदर सहगल को 13वें स्वामीनाथन पुरस्कार-2023 से सम्मानित किया गया।

(ii) 'विजयवाडा रेलवे स्टेशन' को भारतीय ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल द्वारा प्लेटिनम रेटिंग एवं 'ग्रीन रेलवे स्टेशन' सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया।

प्रमुख नियुक्तियाँ:-

- **अभिनेता सुरेश गोपी** सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन संस्थान के अध्यक्ष नामित किये गये।
- **रजनीश कुमार** को मास्टर्सकार्ड इंडिया का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।
- **'मनीष देसाई'** को पत्र सूचना कार्यालय (PIB) के प्रधान महानिदेशक नियुक्त किया गया।
- **'थर्मन शान्मुगरतनम्'** ने सिंगापुर के राष्ट्रपति का पदभार ग्रहण किया।

प्रमुख पुस्तकें

1. Fire on the Ganges : Life among the dead in Banaras - राधिका अयंगर
2. Strange Burdens: The politics and predicaments of Rahul Gandhi – सुगाता श्रीनिवास राजू
3. एलन मस्क - वाल्टर इसाकसन
4. हिन्दुज इन हिन्दु राष्ट्र - आनंद रंगनाथन
5. Nothing but the truth- रिषभ शाह
6. Balidan : stories of india's greatest para special forces operatives - स्वप्निल पांडेय

11. निधन

1. एम.एस. स्वामीनाथन

- भारतीय हरित क्रांति के जनक एवं प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक स्वामीनाथन जी का निधन 98 वर्ष की उम्र में चेन्नई में हो गया।

उपलब्धियाँ:-

(i) 1972-80 तक 'भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) के अध्यक्ष रहे।'

(ii) 1982-88 तक 'अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संगठन' के महानिदेशक रहे।

(iii) पुरस्कार:-

(a) अल्बर्ट आइंस्टीन विश्व विज्ञान पुरस्कार (1986)

(b) पद्म श्री (1967), पद्म भूषण (1972), पद्म विभूषण (1989)

(c) प्रथम वर्ल्ड फूड प्राईज (1987)

2. एन. वलारमथी:-

(i) 64 वर्षीय दूसरों की वैज्ञानिक वलारमथी जी का निधन हार्ट अटैक से हुआ।

- जन्म:- 31 जुलाई, 1959

उपलब्धियाँ:-

(i) गत 6 वर्षों से दूसरों के लॉच मिशनों (चन्द्रयान सहित) में लांचिंग काउंटडाऊन इन्हीं के द्वारा किया जा रहा था।

(ii) भारत के प्रथम रडार इमेजिंग सैटेलाईट (RISAT-I) की प्रोजेक्ट डायरेक्टर थी।

(iii) 'अब्दुल कलाम पुरस्कार' (तमिलनाडु सरकार) प्राप्त करने वाली प्रथम वैज्ञानिक थी।

3. अरुण कुमार सिन्हा:-

- स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (SPG) के डायरेक्टर एवं प्रधानमंत्री की सुरक्षा का जिम्मा संभालने वाले अरुण कुमार जी का निधन 61 वर्ष की आयु में गुरुग्राम में हुआ।
- ये 1987 बैच के IPS हैं।
- इसी वर्ष इन्हें केन्द्र सरकार द्वारा 1 वर्ष का सेवा विस्तार दिया गया था।

स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (SPG):-

- **स्थापना**-1985 [इंदिरा गांधी की हत्या के पश्चात्]
- SPG प्रधानमंत्री की सुरक्षा एवं पद त्याग के 5 वर्ष बाद तक ही सिक्योरिटी प्रदान करता हैं। [विधेयक 2019]
- **कार्य**-प्रधानमंत्री जी के घर, ऑफिस, देश-विदेश आदि सभी जगहों एवं कार्यक्रमों में उनकी सुरक्षा का जिम्मा संभालती हैं।

4. डॉ. सरोज वैद्यनाथन:-

- पद्मश्री (2002) एवं पद्मभूषण (2012) से सम्मानित प्रसिद्ध भरतनाट्यम् नृत्यांगना डॉ. सरोज वैद्यनाथन का 86 वर्ष की उम्र में निधन हो गया।

5. गीता मेहता:-

- प्रसिद्ध लेखिका एवं फिल्म निर्माता गीता मेहता जी का 80 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

उपलब्धियाँ:-

(i) गीता साहित्य पुरस्कार (2019)

(ii) पद्म श्री [शिक्षा क्षेत्र (2019)] :- पुरस्कार अस्वीकार किया

(iii) प्रमुख पुस्तके:- (a) स्नेक एंड लैडर्स
(b) कर्मा कोला
(c) अखिर सूत्र
(d) राज
(e) द इटरनल गणेशा

6. उस्ताद अली जकी हैदर:-

- उस्ताद असद अली खान जी के शिष्य एवं प्रसिद्ध रूद्र वीणा के प्रतिपादक 'उस्ताद अली जकी हैदर' का निधन 50 वर्ष की आयु में हो गया।
- ये ध्रुपद गायकी घराने (बीनकर घराने) की खण्ड़हरवाणी शैली के अंतिम प्रतिपादक थे।
- **रूद्र वीणा:**-यह ध्रुपद गायकी में प्रयुक्त एक विशेष वाद्य यंत्र हैं।

ध्रुपद गायिकी के प्रकार:-

- डागरवाणी
- खण्डारवाणी
- गौहरवाणी
- नौहरवाणी

7. डेनिस ऑस्टिन:-

- कैलेफोर्निया के प्रसिद्ध सॉफ्टवेयर डवलपर डेनिस ऑस्टिन का 76 वर्ष की उम्र में निधन हो गया।
- ऑस्टिन ने राबर्ट गैसकिंस के साथ मिलकर 1987 में 'पावर पाइंट' को लांच किया था।

8. मालिनी राजुरकार:-

- इनका जन्म 1941 में अजमेर में हुआ।
- प्रसिद्ध हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत गायिका का निधन 82 वर्ष की आयु में हैदराबाद में हो गया।
- ये ग्वालियर घराने की प्रतिपादक थी।
- इन्हें संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार (2001) से सम्मानित किया गया।

12. प्रमुख दिवस एवं सप्ताह (अंतर्राष्ट्रीय)

दिनांक	दिवस	थीम
7 सितम्बर	अंतर्राष्ट्रीय पुलिस सहयोग दिवस	
8 सितम्बर	(I) विश्व भौतिक चिकित्सा दिवस	Prevention and Management of Osteorthritis
	(II) अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस	Promoting Literacy for a world in transition : Building the foundation for sustainable and peaceful societies.
9 सितम्बर	वर्ल्ड इलेक्ट्रिक व्हीकल दिवस	
15 सितम्बर	अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस	Empowering the next generation
16 सितम्बर	विश्व ओजोन दिवस	Montreal protocol : fixing the ozone layer and reducing climate change
18 सितम्बर	विश्व समान वेतन दिवस	
21 सितम्बर	विश्व शांति दिवस	Action for peace : our ambition for the Global Goals.
24 सितम्बर	विश्व नदी दिवस	नदियों का अधिकार
27 सितम्बर	विश्व पर्यटन दिवस	पर्यटन और हरित निवेश
29 सितम्बर	विश्व हृदय दिवस	Health for all.

राष्ट्रीय

दिनांक	दिवस	थीम
5 सितम्बर	राष्ट्रीय शिक्षक दिवस	
9 सितम्बर	हिमालय दिवस	हिमालय के ईको सिस्टम को संरक्षित करना।
11 सितम्बर	राष्ट्रीय वन शहीद दिवस	
14 सितम्बर	हिन्दी दिवस	
15 सितम्बर	नेशनल इंजीनियर्स डे	
25 सितम्बर	अन्त्योदय दिवस (पं.दीनदयाल उपाध्याय जयंती)	

प्रमुख तथ्य-

(I) राष्ट्रीय पोषण सप्ताह:- 1- 7 सितम्बर

(II) साक्षरता सप्ताह:- 1-8 सितम्बर [शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार]

(III) विश्व रोगी सुरक्षा सप्ताह:- 11-17 सितम्बर

(IV) स्वच्छता पखवाड़ा - 16 सितम्बर- 2 अक्टूबर

(V) 6वाँ राष्ट्रीय पोषण माह:- सितम्बर मास (प्रतिवर्ष)

थीम- 'सुपोषित भारत, साक्षर भारत' सशक्त भारत

13. जिस्ट : योजना (सितंबर-2023)

न्याय बंधु - निःशुल्क कानूनी सहायता और सलाह

कानूनी सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 की धारा 12 के तहत अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति, मानव तस्करी या भीख मांगने के शिकार, महिलाएं या बच्चे, दिव्यांग और अन्य पात्र श्रेणियों सहित हाशिए पर या वंचित आवेदकों को न्याय विभाग के न्याय बंधु कार्यक्रम द्वारा मुफ्त कानूनी सहायता और सलाह प्राप्त करने का अधिकार है।

योजना के बारे में

- **न्याय बन्धु:** एक निःशुल्क कानूनी सेवा है जिसे पंजीकृत वकीलों को पंजीकृत लाभार्थियों से जोड़ने के लिए विकसित किया गया है।
- **प्रावधान:**
  - यह योजना ऐसे व्यक्तियों और संगठनों को स्वैच्छिक कानूनी सलाह देता है जो कानूनी सलाह लेने में असमर्थ हैं और / या कानूनी सहायता प्राप्त नहीं कर सकते।
  - जिन लोगों को कानूनी सहायता की वास्तविक आवश्यकता होती है उन्हें मुफ्त में या न्यूनतम लागत पर वकीलों द्वारा कानूनी सहायता उपलब्ध होती है जिससे उन्हें अपनी कानूनी समस्याओं का सार्थक रूप से समाधान का अवसर मिलता है।
  - अपना समय और सेवाएं स्वेच्छा से देने में रुचि रखने वाले पेशेवर अधिवक्ताओं को मोबाइल प्रौद्योगिकी के माध्यम से हाशिए पर रहने वाले योग्य लाभार्थियों से जोड़ा जाता है।
- **न्याय बंधु मोबाइल एप्लिकेशन :** इसे विकसित किया गया है और इसे उमंग प्लेटफॉर्म पर भी शामिल किया गया है।
- **प्रो बोनो का अर्थ:** 'प्रो बोनो पब्लिको' का संक्षिप्त रूप, यह एक लैटिन शब्द है जिसका अर्थ है 'जनता की भलाई के लिए।'
- **छोटे शुल्क:** आवेदक और वकील के बीच आपसी समझ के आधार पर आवेदक को फोटोकॉपी, पोस्टिंग और टाइपिंग शुल्क जैसे आकस्मिक खर्च वहन करने की आवश्यकता पड़ सकती है।
- **आवेदक द्वारा दर्ज किया गया केस दो मापदंडों के मिलान के आधार पर एक** वकील **को सौंपा जाता है:**
  - अभ्यास का क्षेत्र / मामले की श्रेणी दीवानी या फौजदारी ।
  - प्रैक्टिस कोर्ट/न्यायालय जहां मामला लंबित है - न्यायालय का नाम।
- **तंत्र:** प्रोग्राम में स्टोर किये गए अधिवक्ताओं के डाटाबेस की छंटाई के माध्यम से यह मिलान स्वचालित रूप से किया जाता है।

भूमिकाएं और उत्तरदायित्व

- **रजिस्ट्रार जनरल, उच्च न्यायालय::**
  - न्याय बंधु पैनल के लिए कार्यान्वयन सहायता प्रदान करना।
  - वकीलों के पंजीकरण, मंजूरी का प्रबंधन करना और उनके प्रदर्शन की समीक्षा करना।
  - उच्च न्यायालय स्तर पर इस पैनल की गतिविधियों के प्रबंधन और प्रशासन के लिए एक प्रभारी नियुक्त करना।
  - न्याय बंधु पैनल की गतिविधियों के बारे में नियमित आधार पर अनुकुलन और जागरुकता सत्र आयोजित करना।
- **न्याय विभाग:**
  - स पहल के सफल कार्यान्वयन के लिए समन्वय और सुविधा प्रदान करने में सहायता प्रदान करना । उ
  - च्च न्यायालय के समन्वय से त्रैमासिक समीक्षा बैठक आयोजित करना और सभी हितधारकों को प्रस्तुत करने के लिए एक समेकित छमाही रिपोर्ट तैयार करना ।
- **सीएससी ई - गव:**
  - न्याय विभाग के समन्वय में निगरानी और रिपोर्टिंग उद्देश्यों के लिए न्याय बंधु पैनल के वेब-आधारित एप्लिकेशन के डिजाइन, विकास, संचालन और रखरखाव में सहायता प्रदान करना।
  - प्रक्रियाओं, कार्यों और ट्रिगर्स के लेखन, डाटाबेस का रखरखाव करना, प्रशिक्षण प्रदान करना ।
  - इस एप्लिकेशन के उपयोगकर्ता मैनुअल को तैयार करने में सहायता करना।

एक नौकरशाह का निर्माण

लोकतांत्रिक सरकार में सिविल सेवा एक महत्वपूर्ण संस्था है। इस पर नीतियों को तैयार करने, शासन और कल्याण करने वाले कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें लागू करने और तंत्र को कायम रखने से जुड़ी सेवाओं का निर्वहन करने में कार्यपालिका और विधायी शासन प्रणाली की सहायता करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

हालांकि, सार्वजनिक गतिविधि या प्रशासन के हर रूप और आकार में इसकी उपस्थिति के बावजूद, नौकरशाही का वर्गीय दृष्टिकोण कार्यपालिका से जुड़े क्षेत्र की सेवा के लिए संगठित लोगों के समूह तक ही सीमित है। अतः यह परीक्षण प्रचलित परिभाषा तक ही सीमित है।

फ्रांस में 18वीं सदी में जैक्स गौरने द्वारा 'नौकरशाह' शब्द गढ़ा गया था और जिसका यूरोपीय रूप फ्रेडरिक द ग्रेट के प्रशिया में विकसित हुआ, जो मैक्स वेबर और उनके द्वारा चिह्नित विशेषताओं को चित्रित करता है।

भारत की सिविल सेवा इनसे प्रभावित थी, और 1854 की नॉर्थकोट- ट्रेवेलियन रिपोर्ट अवधारणाओं के परिणामस्वरूप 1858 में क्वीन की घोषणा सामने आई। तब से इसे खुली प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के आयोजित किया जा रहा है। योग्यता सिद्धांत पर स्वतंत्र भारत के संविधान का भाग XIV व्यावसायिकता का समर्थन करने वाले विस्तृत सुरक्षा उपायों के साथ संघ लोक सेवा आयोग और राज्य आयोगों का निर्माण करके कुशल 'लोक सेवाओं' का प्रावधान प्रदान करता है।

मिशन कर्मयोगी

- **अन्य नाम:** नेशनल प्रोग्राम फॉर सिविल सर्विसेज कैपेसिटी बिल्डिंग (एनपीसीएससीबी)।
- **उद्देश्य:** पारदर्शिता और प्रौद्योगिकी के माध्यम से सिविल सेवकों को अधिक रचनात्मक, सृजनात्मक और नवोन्मेषी बनाकर भविष्य के लिए तैयार करना।
- **महत्व:** यह अनूठा कार्यक्रम देश में सिविल सेवकों के लिए नींव तैयार करने में मदद करेगा। "ऑफ-साइट लर्निंग" के पूरक में 'ऑन-साइट लर्निंग' पर अधिक ध्यान दिया जाएगा।

मिशन कर्मयोगी के छह स्तंभ

- नीतिगत ढांचा
- संस्थागत ढांचा
- योग्यता ढांचा
- डिजिटल लर्निंग फ्रेमवर्क iGOT-कर्मयोगी
- इलेक्ट्रॉनिक मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली
- निगरानी एवं मूल्यांकन ढांचा

मिशन की आवश्यकता

- नौकरशाही प्रशासनिक क्षमता के साथ-साथ क्षेत्र ज्ञान का विकास करना।
- भर्ती प्रक्रिया को औपचारिक बनाना और सार्वजनिक सेवा को नौकरशाह की क्षमता से जोड़ना।

उद्देश्य

- **क्षमता निर्माण:** प्रतिभा पूल को अद्यतन करना, और सरकारी अधिकारियों के व्यक्तिगत और पेशेवर विकास और सम्मान के अवसर प्रदान करना।
- **अधिकारियों को समाज की चुनौतियों का सामना** करने के लिए प्रशिक्षण देना।
- **नई परंपरा:** केवल ऑफिस में काम करने की संस्कृति को ख़त्म करना और प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की बहुलता पर काबू पाना।
- **मानव संसाधन प्रबंधन पद्धतियों में सुधार:** यह सिविल सेवकों की क्षमता बढ़ाने के लिए पैमाने और अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे का उपयोग करेगा।

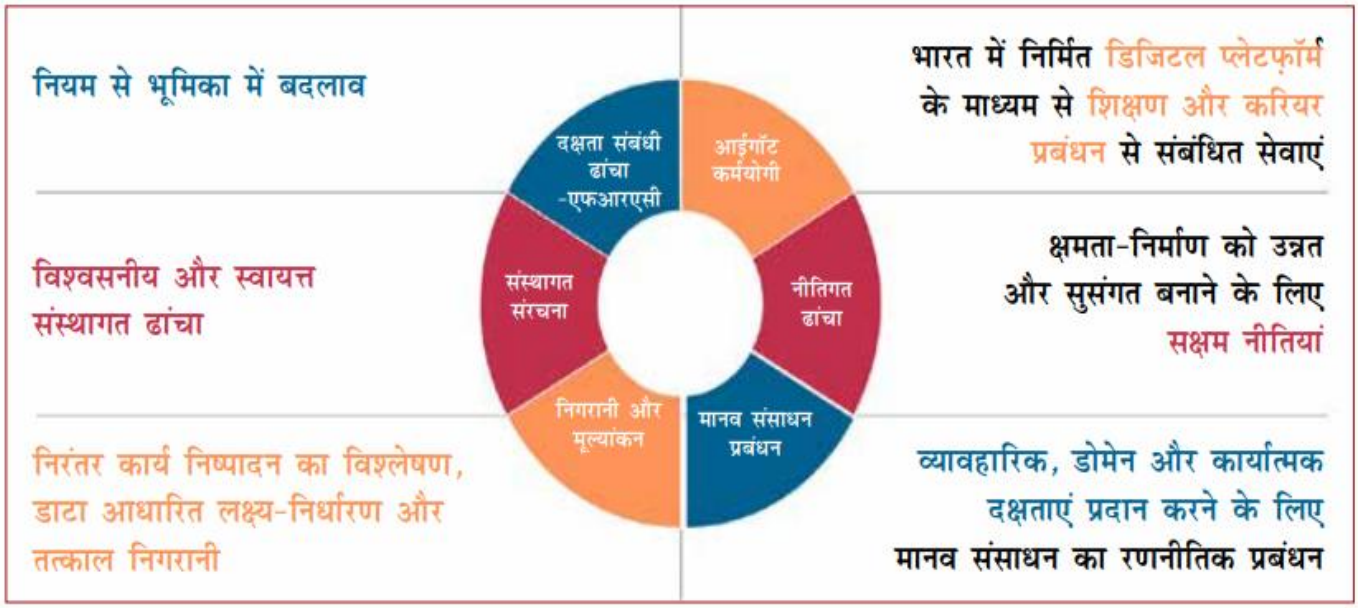

चुनौतियां

कर्मयोगी मार्गनिर्देश, 2023

- जन-भागीदारी की भावना के साथ राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए सिविल सेवाओं को भविष्य के लिए उपयुक्त ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण से सुसज्जित करना
- सिविल सेवा प्रशिक्षण संस्थानों को सिविल सेवा क्षमता-निर्माण के लिए एक प्रभावी कार्यान्वयन का माध्यम बनने में सक्षम बनाना
- सरकार में मानव संसाधन प्रबंधन में नियम-आधारित से भूमिका-आधारित बदलाव के समग्र उद्देश्य को सुविधाजनक बनाने के लिए आईगॉट कर्मयोगी प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन क्षमता-निर्माण संबंधी क्रियाकलाप

- **व्यवहार संबंधी मुद्दे:** यथास्थिति को प्राथमिकता देने के कारण नौकरशाही बदलाव का विरोध करती है।
- **दृष्टिकोण में बदलाव का सामना करने में कठिनाई:** डोमेन विशेषज्ञता की आवश्यकता के बावजूद सामान्यवादी से विशेषज्ञ भूमिकाओं में जाने पर प्रतिरोध का सामना करना पड़ सकता है।
- **तकनीकी दक्षता:** प्रभावी शासन के लिए तकनीकी दक्षता की आवश्यकता होती है, जिसके लिए कुशल कर्मियों की आवश्यकता होती है।

जवाबदेही और वित्तीय प्रशासन

भारत में लोक प्रशासन का इतिहास प्राचीन काल से ही चला आ रहा है और इसकी जड़ें चौथी शताब्दी बीसीई में भी काफी गहरी और मजबूत थीं। कौटिल्य द्वारा रचित 'अर्थशास्त्र' जन प्रशासन के बारे में विश्व की सबसे पुरानी लिखित पुस्तक है जिसमें राजनीति, सरकार तंत्र और प्रशासन के बारे में विस्तार से चर्चा की गई है।

भारत में नियंत्रक और महालेखाकार संस्थान 1860 में अस्तित्व में आया था और 1950 में इसे संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया। संविधान निर्माताओं ने सीएजी को संसद द्वारा स्वीकृत सरकारी व्यय पर निगरानी और अंकुश रखने की बड़ी जिम्मेदारी सौंपी थी।

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG)

- **अनुच्छेद 148:** भारत के एक नियंत्रक-महालेखापरीक्षक होंगें जिनकी नियुक्ति राष्ट्रपति अपने हस्ताक्षर और मुद्रा सहित अधिपत्र द्वारा करेंगें और उन्हे उनके पद से केवल उसी रीति से और उन्हीं आधारों पर हटाया जाएगा जिस रीति से और जिन आधारों पर उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश को हटाया जाता है।
- **कार्य:**
  - भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग के प्रमुख।
  - जनता के धन का संरक्षक और केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर देश की संपूर्ण वित्तीय प्रणाली को नियंत्रित करता है।
  - वित्तीय प्रशासन के क्षेत्र में भारत के संविधान और संसद के कानूनों का समर्थन करता है।

CAG के संबंध में संवैधानिक प्रावधान

अनुच्छेद 148	यह CAG की नियुक्ति, शपथ और सेवा की शर्तों से संबंधित है।
अनुच्छेद 149	यह भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के कर्तव्यों और शक्तियों से संबंधित है।
अनुच्छेद 150	संघ के और राज्यों के लेखाओं को ऐसे प्रारूप में रखा जाएगा जो राष्ट्रपति, भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक से परामर्श के प्रश्चात विहित करें।
अनुच्छेद 151	भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक की संघ के लेखाओं संबंधी रिपोर्टों को राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा जो उनको संसद के प्रत्येक संदन के समक्ष रखवाएगा।
अनुच्छेद 279	"शुद्ध आय" की गणना भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा सुनिश्चित और प्रमाणित की जाती है, जिसका प्रमाण पत्र अंतिम होता है।
तीसरी अनुसूची	भारत के संविधान की तीसरी अनुसूची की धारा IV सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों और भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा पद ग्रहण के समय ली जाने वाली शपथ या प्रतिज्ञान के प्रारूप को निर्धारित करती है।

छठी अनुसूची	इस अनुसूची के अनुसार, जिला परिषद या क्षेत्रीय परिषद को उसी रूप में रखा जाना चाहिए जैसा CAG राष्ट्रपति की मंजूरी से निर्धारित करता है। इसके अलावा इन निकायों के खातों का ऑडिट उस तरीके से किया जाता है जैसा सीएजी उचित समझे, और ऐसे खातों से संबंधित रिपोर्ट राज्यपाल को सौंपी जाएगी जो उन्हें परिषद के समक्ष रखवाएंगे।

वित्तीय प्रशासन में जवाबदेही

- वित्तीय संस्थानों में जवाबदेही तीन स्तरों पर तय की जाती है:
  - कार्यकारिणी के अंतर्गत मंत्रालय और विभाग आतंरिक लेखा परीक्षा तंत्र स्थापित करते हैं
  - बाहरी लेखा आकलन सीएजी के जिम्मे रहता है
  - विधायी समितियां स्वतंत्र जांच करती हैं
- **वित्तीय प्रणालियों में पारदर्शिता बनाए रखने वाला सुदृढ़ स्तम्भ:** प्रशासन के संघीय ढांचे के तीनों स्तरों- केंद्र सरकार, राज्य / केंद्रशासित सरकारों और स्थानीय निकायों के स्तर पर सीएजी की देशव्यापी लेखा परीक्षा व्यवस्था मौजूद है।,
- **लेखा परीक्षा के दायरे में:** संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालय, स्वायत्त निकाय, विधायी प्राधिकरण और सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थान (पीएसयू)

लेखा परीक्षा

ऑडिट किसी प्रक्रिया, प्रणाली, संगठन या वित्तीय रिकॉर्ड के सेट की एक व्यवस्थित जांच या समीक्षा है ताकि इसकी सटीकता, पूर्णता और स्थापित मानकों, विनियमों या नीतियों के अनुपालन को सत्यापित किया जा सके। ऑडिट आमतौर पर योग्य पेशेवरों, जैसे ऑडिटर या अकाउंटेंट द्वारा आयोजित किए जाते हैं, जो ऑडिट किए जा रहे क्षेत्र से स्वतंत्र होते हैं।

- **CAG द्वारा ऑडिट:**
  - वित्तीय प्रमाणीकरण से संस्थाओं के वित्तीय विवरणों की सत्यता सुनिश्चित करने के लिए;
  - निर्धारित नियमों, विनियमों और प्रक्रियाओं का परिपालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विशेष परिपालन लेखा परीक्षा;
  - निष्पादन लेखा परीक्षा जिससे तय हो सके कि सभी प्रणालियां किफायती, कुशल और प्रभावी ढंग से काम कर रही हैं।
- **लेखापरीक्षा के लिए विषय वस्तु:** लेखा परीक्षणों की विषयवस्तु जोखिम आकलन की समग्र प्रक्रिया से तय की जाती है और इस बात का भी पूरा ध्यान रखा जाता है कि समूचे माहौल के हिसाब से ही लेखा परीक्षण प्रक्रिया लागू की जाए।

CAG ऑडिट का महत्व

- **ऑडिट टिप्पणियों का संचार:** ऑडिट टिप्पणियों को निरीक्षण रिपोर्ट, अलग ऑडिट रिपोर्ट और प्रबंधन पत्रों के माध्यम से प्रबंधन को सूचित किया जाता है, जिससे सुधारात्मक कार्रवाई की अनुमति मिलती है।
- **CAG की ऑडिट रिपोर्ट:** वे संसद और राज्य विधानमंडलों को महत्वपूर्ण ऑडिट टिप्पणियों की रिपोर्ट करने में मदद करते हैं, जिसमें केंद्र सरकार और राज्य वित्त ऑडिट रिपोर्ट, सामान्य प्रयोजन वित्तीय रिपोर्ट और अनुपालन और प्रदर्शन ऑडिट रिपोर्ट शामिल हैं।
- **वित्तीय जवाबदेही और विवेकशीलता को बढ़ाना:** इनमें व्यावहारिक, रचनात्मक और कार्रवाई उन्मुख सिफारिशें शामिल हैं।
- **सुशासन सुनिश्चित करना:** वे नीति में बदलाव, डिज़ाइन में सुधार, मध्य-पाठ्यक्रम सुधार और प्रणालियों को मजबूत करने का नेतृत्व करते हैं।
- **कर अनुपालन:** कर प्राप्तियों पर ऑडिट रिपोर्ट से करों के कम मूल्यांकन के उदाहरण सामने आते हैं।
- **सार्वजनिक धन विनियोग:** सीएजी के ऑडिट से यह सुनिश्चित करने में मदद मिली कि सार्वजनिक धन की वसूली प्रचलित कानूनों के अनुसार हो।
- **सरकारी संशोधनों पर दबाव:** आयकर अधिनियम में संशोधन।

CAG संस्था में सुधार

- एकीकृत वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (आईएफएमएस) को अपनाना
- शासन तंत्र का स्वचालन.
- वित्तीय प्रशासन में पारदर्शिता बढ़ी और जवाबदेही में सुधार हुआ।
- लेखांकन सॉफ्टवेयर को IFMS के साथ एकीकृत किया गया, जिससे दक्षता और सटीकता में सुधार हुआ।
- डेटा-आधारित दृष्टिकोण के कारण तेज़ डिलीवरी और बेहतर परिणाम।
- डिजिटल जीएसटी राजस्व के लिए संस्थागत रूपरेखा।
- वित्तीय प्रशासन और शासन तंत्र में बाहरी कारकों की पहचान करना और नियंत्रण को मजबूत करना।
- प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) प्रणाली की प्रभावकारिता और दक्षता का आकलन करने के लिए प्रदर्शन ऑडिट, सही पहचान, कवरेज और समय पर भुगतान पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।
- मनरेगा, पीएम आवास योजना, डीडीयूजीजेवाई, सौभाग्य, एआईबीपी और एनआरएचएम सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं का लेखा-जोखा

संसदीय समितियां - कार्यक्षेत्र और भूमिका को सुदृढ़ बनाना

सरकार के एक प्रमुख अंग के रूप में, संसद स्वाभाविक रूप से विविध और जटिल कार्य करती है, जिनमें कानून बनाना और शासनात्मक कार्यकलापों की देखरेख करना शामिल है। चूंकि, इसके सामने रखे गए मुद्दों पर पूरी तरह से विचार-विमर्श करना मुश्किल है, इसलिए इसे संबोधित करने के लिए, इसने कई समितियों का गठन किया है जो विशिष्ट मुद्दों की विस्तार से जांच करती हैं और संसद को रिपोर्ट भेजती हैं।

संसद दो तरीकों से कार्य करती है :

- सदन में
- समितियों में समितियों द्वारा प्रस्तुत रिपोर्टों द्वारा

संसदीय समितियों का महत्व

- **सरकार के कामकाज की जांच:** यह संसद के समक्ष लाए गए विधेयकों की गुणवत्ता में सुधार करने में भी मदद करता है।
- **संसद के प्रभावी कामकाज के लिए महत्वपूर्ण:** समितियों द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट संसद में सूचित बहस की अनुमति देती है।
- **सभी दलों के बीच सर्वसम्मति बनाने के लिए फोरम:** यह विषय विशेषज्ञता विकसित करने और विशेषज्ञों और हितधारकों के साथ परामर्श करने में भी मदद करता है।

संसदीय समितियों का वर्गीकरण

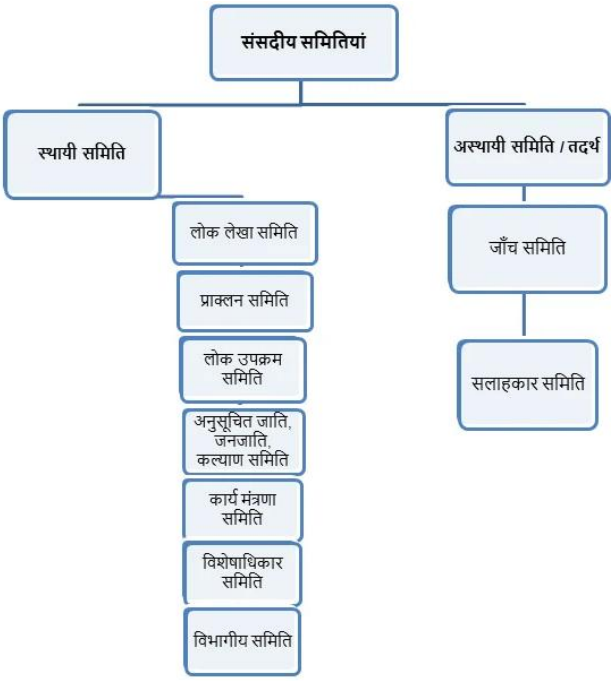

1. **स्थायी समितियाँ**
   - **चार प्रकार:**
     - **विभाग संबंधित स्थायी समिति/विषय समितियाँ**
       - **पात्रता:** कोई मंत्री सदस्य बनने के लिए पात्र नहीं है।
       - **विषय समितियों की संख्या:** 24 विषय समितियाँ, और प्रत्येक समिति में 31 सदस्य होते हैं, जिनमें 21 लोकसभा से और 10 राज्य सभा से होते हैं।
       - **सदस्यता:** सदन में उनकी संख्या के अनुपात में
       - **कार्य:** वे प्रस्तावित कानूनों की समीक्षा करते हैं, बारीकी से जांच के लिए विषयों का चयन करते हैं और प्रत्येक मंत्रालय के लिए आवंटित बजट की जांच करते हैं।
2. **वित्तीय समितियाँ**
   - **पात्रता:** कोई मंत्री सदस्य बनने के लिए पात्र नहीं है।
   - **3 समितियाँ:**
     - प्राक्कलन **समिति:** यह मंत्रालयों के बजट पूर्व अनुमानों की जांच करती है।
     - **सार्वजनिक उपक्रम समिति:** यह सार्वजनिक उपक्रमों की कार्यप्रणाली की जांच करती है।
     - **लोक लेखा समिति:** यह संसद द्वारा अनुमोदित सरकार के व्यय विवरण की समीक्षा करती है।
3. **जवाबदेही समिति**
4. **प्रशासनिक समिति**

संसदीय समितियों के सुधार के क्षेत्र

- **सभी विधेयकों को समितियों को भेजना:**
  - वर्तमान में, विधेयक स्वचालित रूप से किसी समिति को नहीं भेजे जाते हैं।
  - किसी विधेयक को किसी समिति को भेजा जाना चाहिए या नहीं, इसका निर्णय विधेयक प्रस्तुत करने वाले मंत्री के परामर्श से अध्यक्ष या सभापति के निर्णय पर निर्भर करता है।
  - सभी विधेयकों को एक समिति के पास भेजने से यह सुनिश्चित होगा कि सभी कानून न्यूनतम स्तर की संसदीय जांच से गुजरें।
- **सांसदों की उपस्थिति:**
  - संसदीय समितियाँ सदस्यों के बीच विचार-विमर्श के माध्यम से मुद्दों पर चर्चा करने के लिए कई बैठकें आयोजित करती हैं।
  - समिति प्रणाली की सफलता के लिए इन बैठकों में सदस्यों की भागीदारी आवश्यक है।
  - हालाँकि, समिति की बैठकों में सांसदों की उपस्थिति कम है।
- **तकनीकी कर्मचारियों एवं विशेषज्ञों की कमी:**
  - समितियों की भूमिका में चयनित मामलों की सदन में संभव से अधिक गहराई से जांच करना और उन परीक्षाओं के किसी भी निष्कर्ष को सदन को रिपोर्ट करना शामिल है।
  - जटिल मुद्दों और नीतियों या कानून के संभावित प्रभाव को बेहतर ढंग से समझने के लिए संसदीय समितियाँ विशेषज्ञ गवाहों, हितधारकों और जनता से परामर्श कर सकती हैं।
- **सार्वजनिक पारदर्शिता:**
  - बैठकें बंद दरवाजों के पीछे होती हैं। हालाँकि गुप्त बैठकें पार्टी की सहमति तक पहुंचने के लिए अधिक गुंजाइश देती हैं, वे संसदीय समितियों के प्रमुख निष्कर्षों के बारे में सार्वजनिक जागरूकता में बाधा डाल सकती हैं।
  - इसलिए, संविधान के कामकाज की समीक्षा करने के लिए राष्ट्रीय आयोग (2002) ने सिफारिश की कि सभी संसदीय समितियों की प्रमुख रिपोर्टों पर संसद में चर्चा की जाए, खासकर जहां किसी समिति और केंद्र सरकार के बीच असहमति हो।

डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण अधिनियम, 2023

यह अधिनियम व्यक्तिगत डिजिटल आंकड़ों के संसाधन के लिए इस तरह से प्रावधान करता है जिससे व्यक्तियों की अपनी निजी जानकारियों की सुरक्षा का अधिकार और ऐसी व्यक्तिगत जानकारियों के वैध उद्देश्यों के लिए संसाधन की आवश्यकता और उससे जुड़े या प्रासंगिक मामलों दोनों को मान्यता मिलती है।

डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण अधिनियम, 2023

- **व्यक्तिगत डिजिटल डेटा:** वह जानकारियां जिसके द्वारा किसी व्यक्ति की पहचान संभव है
- अधिनियम निम्नलिखित प्रावधानों के द्वारा व्यक्तिगत डिजिटल आंकड़ों (अर्थात्) की सुरक्षा करता है:
  - आंकड़ों के संसाधन (अर्थात् व्यक्तिगत जानकारियों का संग्रह, भंडारण या कोई अन्य संचालन) के लिए आंकड़ा से जुड़े जिम्मेदार व्यक्ति (अर्थात जानकारियों का संसाधन करने वाले व्यक्तियों, कंपनियों और सरकारी संस्थाओं) के दायित्व;
  - डाटा प्रिंसिपल (अर्थात्, वह व्यक्ति जिससे संबंधित आंकड़ें हैं) के अधिकार और कर्तव्य ; और
  - अधिकारों, कर्तव्यों और दायित्वों के उल्लंघन के लिए वित्तीय दंड
- **उद्देश्य:**
  - डेटा के लिए जिम्मेदार व्यक्ति के द्वारा जानकारियों के संसाधन के तरीके में न्यूनतम व्यवधान के साथ आवश्यक परिवर्तन सुनिश्चित करते हुए डेटा की सुरक्षा से जुड़े कानून लागू करना;
  - जीवन में आसानी और व्यापार में सुगमता को बढ़ाना;
  - भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था और इसके इनोवेशन इकोसिस्टम को सक्षम बनाना।
- **सात सिद्धांत:**
  - व्यक्तिगत आंकड़ों के सहमतिपूर्ण, वैध और पारदर्शी उपयोग का सिद्धांत;
  - उद्देश्य की सीमा का सिद्धांत (डाटा प्रिंसिपल की सहमति प्राप्त करने के समय दिए गए उद्देश्य के लिए ही व्यक्ति से जुड़े आंकड़ों का उपयोग) ; न्यूनतम आंकड़ों का सिद्धांत (केवल उतनी ही व्यक्तिगत जानकारियां एकत्र करना जितना तय उद्देश्य को पूरा करने के लिए आवश्यक है) ;
  - आंकड़ों की सटीकता का सिद्धांत (ये सुनिश्चित करना कि जानकारियां सही और नवीनतम हैं);

- भंडारण की सीमा का सिद्धांत (आंकड़ों का संग्रह केवल तब तक रखना जब तक कि दिए गए उद्देश्य के लिए इसकी आवश्यकता हो) ;
- सुरक्षा के उचित उपायों का सिद्धांत;
- जवाबदेही का सिद्धांत (आंकड़ों से जुड़े और अधिनियम के प्रावधानों के उल्लंघनों पर निर्णय और दंड के माध्यम से)

नवीन विशेषताएं

- **सरल अधिनियम:** यह अधिनियम संक्षिप्त और सरल यानी आसान, सुलभ, तर्कसंगत और कार्रवाई योग्य कानून है, क्योंकि ये-
  - स्पष्ट भाषा का प्रयोग करता है;
  - इसमें ऐसे उदाहरण शामिल हैं जो अर्थ को स्पष्ट करते हैं;
  - इसमें कोई जोड़ी गई शर्त (“ बशर्ते कि...") नहीं है; और
  - इसमें प्रति संदर्भ न्यूनतम है।
- **लिंग को मान्यता:** स्त्रीवाचक शब्दों का उपयोग करके, यह अधिनियम पहली बार संसदीय कानून निर्माण में महिलाओं की भूमिका को स्वीकार करता है।

अधिनियम व्यक्तियों को निम्नलिखित अधिकार प्रदान करता है

- संसाधित व्यक्तिगत आंकड़ों के बारे में जानकारी पाने का अधिकार;
- जानकारियों को सुधारने और हटाने का अधिकार;
- शिकायत के निवारण का अधिकार;
- मृत्यु या अक्षमता की स्थिति में अधिकारों का प्रयोग करने के लिए किसी व्यक्ति को नामांकित करने का अधिकार ।

अधिनियम के तहत डेटा के लिए जिम्मेदार व्यक्ति पर दायित्व

- व्यक्तिगत आंकड़ों में सेंध को रोकने के लिए सुरक्षा उपाय करना;
- व्यक्तिगत आंकड़ों से जुड़े उल्लंघनों की जानकारी प्रभावित डाटा प्रिंसिपल और डाटा संरक्षण बोर्ड को देना;
- किसी तय उद्देश्य के लिए आवश्यकता न रहने पर व्यक्तिगत आंकड़ों को मिटाना;
- सहमति वापस लेने पर व्यक्तिगत आंकड़ों को मिटाना;
- शिकायत निवारण प्रणाली और आंकड़ों से संबधित व्यक्ति के प्रश्नों का उत्तर देने के लिए एक अधिकारी की व्यवस्था करना; और
- महत्वपूर्ण आंकड़ों के लिए जिम्मेदार व्यक्ति के रूप में अधिसूचित व्यक्ति के संबंध में कुछ अतिरिक्त दायित्वों को पूरा करना, जैसे डाटा ऑडिटर की नियुक्ति करना और उच्च स्तर की डाटा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर डाटा सुरक्षा प्रभावों का आकलन करना।

बच्चों के व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा करना

- अधिनियम आंकड़ा न्यासीय को केवल माता-पिता की सहमति से ही बच्चों की व्यक्तिगत जानकारियों को संसाधित करने की अनुमति देता है।
- अधिनियम आंकड़ों के ऐसे संसाधन की अनुमति नहीं देता है जो बच्चों के लिए हानिकारक हो या जिसमें उन पर नजर रखना, व्यवहार संबंधी निगरानी या लक्षित विज्ञापन शामिल हो ।

विधि को संचालित करने वाली संस्थाएँ

भारत का विधि आयोग

- भारत का विधि आयोग एक गैर- सांविधिक निकाय है और भारत सरकार, विधि और न्याय मंत्रालय, विधि कार्य विभाग की एक अधिसूचना द्वारा कानून के क्षेत्र में अनुसंधान करने के लिए विचारार्थ विषयों के साथ गठित किया गया है। आयोग विचारार्थ विषयों के अनुसार सरकार को (रिपोर्ट के रूप में) सिफारिशें करता है। सरकार ने 21 फरवरी 2020 से तीन साल की अवधि के लिए भारत के 22वें विधि आयोग का गठन किया है। 22वें विधि आयोग का कार्यकाल 31 अगस्त, 2024 तक बढ़ा दिया गया है।

22वें विधि आयोग की संरचना

- एक पूर्णकालिक अध्यक्ष;
- चार पूर्णकालिक सदस्य (सदस्य-सचिव सहित) ;
- सचिव, कानूनी कार्य विभाग, पदेन सदस्य के रूप में;
- सचिव, विधायी विभाग पदेन सदस्य के रूप में; और
- पांच से अधिक अंशकालिक सदस्य नहीं ।

ई-कोर्ट मिशन मोड परियोजना

- **राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस योजना का हिस्सा:** भारतीय न्यायपालिका के सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) विकास के लिए यह परियोजना 2007 से कार्यान्वित की जा रही है।
- **कार्यान्वयन:** भारत के सर्वोच्च न्यायालय की ई-समिति और न्याय विभाग के सहयोग से।
- **चरण:**
  - **चरण I:** इसे 2011-2015 के दौरान लागू किया गया था।
  - **चरण II:** इसे 2015 में शुरू किया गया था जिसके तहत विभिन्न जिला और अधीनस्थ न्यायालयों को कम्प्यूटरीकृत किया गया है।

स्थायी लोक अदालत

- **विवरण:** एक वैकल्पिक विवाद निवारण तंत्र जहां कानून की अदालत में या पूर्व-मुकदमेबाजी चरण में लंबित विवादों/मामलों को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाया/समझौता किया जाता है।
- **आयोजन:** भारतीय राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण (NALSA) अन्य कानूनी सेवा संस्थानों के साथ मिलकर लोक अदालतों का आयोजन करता है।
- **स्थिति:** विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के तहत लोक अदालतों को वैधानिक दर्जा दिया गया है।
- **अपील:**
  - लोक अदालतों द्वारा दिया गया निर्णय अंतिम और सभी पक्षों के लिए बाध्यकारी होता है और ऐसे फैसले के खिलाफ किसी भी अदालत में कोई अपील नहीं की जा सकती।
  - हालाँकि, पक्षकार मुकदमेबाजी के अपने अधिकार का प्रयोग करते हुए आवश्यक प्रक्रिया का पालन करते हुए उचित क्षेत्राधिकार वाली अदालत में जाकर मुकदमा दायर करने के लिए स्वतंत्र हैं।
  - **शुल्क:** लोक अदालत में मामला दायर होने पर कोई अदालत शुल्क देय नहीं है।
- **मामलों की प्रकृति:**
  - किसी भी न्यायालय के समक्ष लंबित कोई भी मामला।
  - कोई भी विवाद जो किसी न्यायालय के समक्ष नहीं लाया गया हो और न्यायालय के समक्ष दायर किये जाने की संभावना हो।
  - कानून के तहत समझौता योग्य न होने वाले अपराध से संबंधित किसी भी मामले का निपटारा लोक अदालत में नहीं किया जाएगा।

प्रत्यक्ष कर सुधार

कर नीति में सुधार एक सतत प्रक्रिया है । समय-समय पर विभिन्न कर सुधार और प्रशासनिक पहलें की जाती हैं। वांछित प्रभाव प्राप्त करने में हमेशा समय लगता है। विशेष रूप से कर की दर में कटौती से कम अवधि में कर संग्रह में कमी आती है। इसलिए, कर सुधारों की सफलता को प्रत्येक वर्ष अलग-अलग विश्लेषण करने के बजाय एक निश्चित अवधि पर देखा जाना चाहिए। व्यापार की सुगमता भी एक ऐसा क्षेत्र है जहां कर नीतियों पर लगातार ध्यान देने की आवश्यकता है।

सरकार द्वारा किये गये कर सुधार

1. **छूट / कटौती हटाना और कर की दरें कम करना**
   - मौजूदा घरेलू कंपनियों के लिए कॉर्पोरेट कर की दर में कमी: 30% से घटाकर 25.17% (अधिभार और उपकर सहित)।
   - नई कंपनियों के लिए कम कर दर: 1 अक्टूबर, 2019 के बाद स्थापित और 31 मार्च, 2024 से पहले उत्पादन शुरू करने वाली कंपनियों पर 17.16% की कम प्रत्यक्ष कर दर (अधिभार और उपकर सहित)।
2. **कर आधार का विस्तार और गहनता**
   - **स्रोत पर नई कर कटौती (टीडीएस) और स्रोत पर कर संग्रह (टीसीएस) प्रावधान:** व्यक्ति / एचयूएफ द्वारा किराए के भुगतान पर टीडीएस, ई-कॉमर्स संचालन पर टीडीएस, एक सीमा से ऊपर नकद निकासी पर टीडीएस, व्यक्ति / एचयूएफ द्वारा बड़े भुगतान पर टीडीएस, आदि|
   - **बाजार से जुड़े डिबेंचर और ऋण म्यूचुअल फंड की बिक्री पर मध्यस्थता** को दूर करना, ऋण के रूप में वर्गीकृत व्यावसायिक ट्रस्टों से रिटर्न के कराधान पर अस्पष्टता को दूर करना।
   - **काला धन (अघोषित विदेशी आय और संपत्ति) और कर अधिरोपण अधिनियम, 2015: काले धन की समस्या से निपटने के** लिए प्रावधान करने के लिए अधिनियमित किया गया, जो विदेशों में जमा अघोषित विदेशी आय/संपत्ति है।
   - **तृतीय-पक्ष सूचना संग्रह तंत्र:** अघोषित आय/संपत्ति पर सूचना एकत्र करने के लिए इसे मजबूत किया गया है।
3. **आयकर विभाग में दक्षता बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करना**
   - **वार्षिक सूचना विवरण (एआईएस):** इसमें तीसरे पक्ष की जानकारी शामिल है, जो करदाताओं से अपने कर रिटर्न में सभी आय को शामिल करने और स्वेच्छा से भुगतान करने का आग्रह करती है।

- **ई-सत्यापन योजना:** इसे अतिरिक्त कर अद्यतनों की अनुमति देते हुए पेश किया गया है।
- **मूल्यांकन और उपस्थिति के लिए फेसलेस प्रणाली की शुरूआत:** इससे करदाताओं को कार्यालय जाने की आवश्यकता कम **हो गई है।**
- **करदाताओं के लिए प्रौद्योगिकी-संचालित सेवाएं:** इसमें विभाग के भीतर कर रिटर्न की शुरू से अंत तक प्रसंस्करण और रिफंड जारी करना शामिल है।

कर निश्चितता प्रदान करके मुकदमों को कम करना

- **एडवांस प्राइसिंग एग्रीमेंट (एपीए):** ट्रांसफर प्राइसिंग मुकदमों को कम करने के लिए पेश किया गया, जिसके परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 2022 में 95 एपीए पर हस्ताक्षर किए गए।
- **ई-सत्यापन योजना:** टैक्स रिटर्न को अपडेट करने की क्षमता के साथ, इसने पुनर्मूल्यांकन नोटिस जारी करना कम कर दिया है।
- **प्रत्यक्ष कर राजस्व में वृद्धि:** प्रत्यक्ष कराधान सुधारों के परिणामस्वरूप 2013-14 और 2022-23 के बीच ~ 160% की वृद्धि।

प्रशासनिक सुधार

पिछले दशक में भारत में क्रांतिकारी सुधार अपनाए गए तथा ई-गवर्नेंस मॉडलों की मदद से सरकार के साथ नागरिक इंटरफेस को सुगम बनाकर सरकार और नागरिकों के बीच और अधिक निकटता लाना संभव हुआ है। देश के सार्वजनिक संस्थानों को पूरी तरह डिजिटल बनाया गया है जिससे लाखों भारतीयों को लाभ पहुंच रहा है। आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, प्रधानमंत्री जन-धन योजना, एक राष्ट्र- एक राशन कार्ड योजना और पासपोर्ट सेवा केंद्रों से सरकारी कामकाज में पारदर्शिता और खुलापन लाने में सफलता मिली है।

अब तक हुए सुधार

1. **अधिकतम शासन- न्यूनतम सरकार'**
   - **विजन:** इसके अंतर्गत 'डिजिटली सशक्त नागरिक' और 'डिजिटली परिवर्तित संस्थान' की परिकल्पना पर बल दिया जा रहा है तथा देश के प्रशासनिक ढांचे के आकार और स्वरूप में क्रांतिकारी बदलाव आया है।
2. **केन्द्रीकृत सार्वजनिक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (CPGRAMS)**
   - **विवरण:** एक ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म जो नागरिकों को सेवा वितरण से संबंधित किसी भी विषय पर सार्वजनिक अधिकारियों के पास अपनी शिकायतें दर्ज कराने के लिए 24x7 उपलब्ध है।
   - **एकीकृत पोर्टल:** यह भारत सरकार और राज्यों के सभी मंत्रालयों/विभागों से जुड़ा है। प्रत्येक मंत्रालय और राज्यों को इस प्रणाली तक भूमिका-आधारित पहुंच प्राप्त है।
3. **राष्ट्रीय ई-सेवा डिलिवरी आकलन (NeSDA)**
   - **विवरण:** यह पूरे देश में ई-सेवा वितरण की स्थिति का आकलन करता है।
   - **मूल्यांकन:** एनईएसडीए ढांचे ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के सभी सेवा पोर्टलों और चुनिंदा मंत्रालयों का सात प्रमुख मापदंडों पर मूल्यांकन किया।

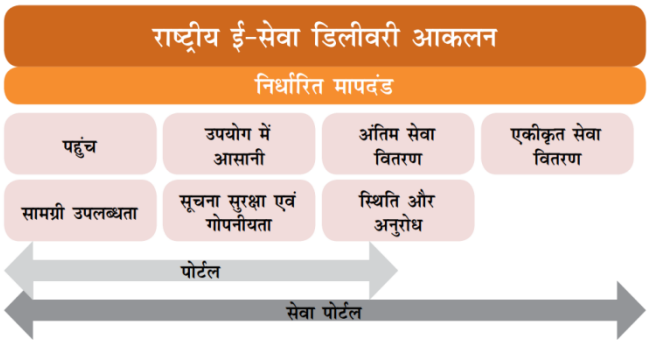

4. **चिंतन शिविर**
   - **विवरण:** चिंतन शिविर में प्रशासन के ऐसे भावी मॉडल का प्रारूप तय किया गया जो 'कर्तव्य काल' में दूरगामी प्रशासनिक सुधारों को अपनाएं
5. **सिविल सेवा दिवस**
   - **आयोजन:** भारत हर साल 21 अप्रैल को 'सिविल सेवा दिवस' के रूप में मनाता है, जो देश भर के सिविल सेवकों के लिए खुद को नागरिकों के प्रति फिर से समर्पित करने और सार्वजनिक सेवा और काम में उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को नवीनीकृत करने के अवसर के रूप में मनाया जाता है।
6. **लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधान मंत्री पुरस्कार**
   - **पुरुस्कार देने का कारण:** जिलों, केंद्र और राज्य सरकारों और संगठनों द्वारा किए गए असाधारण और अभिनव कार्यों को स्वीकार करना, पहचानना और पुरस्कृत करना।
   - **उद्देश्य:** अधिकतम भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए रचनात्मक प्रतिस्पर्धा, नवाचार, प्रतिकृति और सर्वोत्तम प्रथाओं के संस्थागतकरण को प्रोत्साहित करना।
7. **ई-गवर्नेंस पर राष्ट्रीय सम्मेलन**
   - **ई-गवर्नेंस पर राष्ट्रीय सम्मेलन:** हर साल किसी एक राज्य या केंद्रशासित प्रदेश सरकार के सहयोग से बुलाई जाती है।

महिला सशक्तीकरण - हाल के सुधार

समाज में महिलाओं की भूमिका की केंद्रीयता को देखते हुए, अब यह अच्छी तरह से स्वीकार किया गया है कि एक पुरुष को सशक्त बनाने से एक व्यक्ति सशक्त होता है, लेकिन एक महिला को सशक्त बनाने से पूरी पीढ़ी सशक्त होती है। राष्ट्रीय महिला आयोग हर स्तर पर लैंगिक असमानता की कहानी को बदलने और एक ऐसी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहा है जहां हर किसी को बिना किसी पूर्वाग्रह के सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक गतिविधियों में शामिल होने का समान, स्वतंत्र और निष्पक्ष अवसर मिले। यह भारत सरकार की दूरदृष्टि और नीति के अनुरूप है।

लिंग असमानता

- **विवरण:** लिंग के आधार पर व्यक्तियों के प्रति असमान व्यवहार या धारणा। यह एक सामाजिक मुद्दा है जो पूरे इतिहास में कायम है और दुनिया भर में विभिन्न रूपों में प्रकट होता रहता है।

लैंगिक असमानता को ख़त्म करने के लिए क्या किया जाना चाहिए?

- बाल विवाह को ख़त्म करना: सामुदायिक भागीदारी, लक्षित हस्तक्षेप और आर्थिक सशक्तीकरण कार्यक्रम लड़कियों और उनके परिवारों को सूचित विकल्प चुनने और अंतर - पीढ़ीगत गरीबी के चक्र को तोड़ने के लिए सशक्त बना सकते हैं।
- **राजनीतिक सशक्तीकरण:** निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए सरकारों ने कोटा जैसी सकारात्मक कार्रवाई नीतियां अपनाई हैं। राजनीतिक दलों को अधिक महिला उम्मीदवारों को नामांकित करने के लिए प्रोत्साहित करना, नेतृत्व प्रशिक्षण प्रदान करना और प्रणालीगत बाधाओं को दूर करना राष्ट्रीय संसदों और स्थानीय सरकारों में समान प्रतिनिधित्व प्राप्त करने की दिशा में आवश्यक कदम हैं।

- **आर्थिक सशक्तीकरण:** सरकारों और व्यवसायों को समान काम के लिए समान वेतन को बढ़ावा देना चाहिए, मातृत्व अवकाश और बाल देखभाल नीतियां स्थापित करनी चाहिए, और महिलाओं के लिए वित्त और उद्यमिता प्रशिक्षण तक पहुंच प्रदान करनी चाहिए।
- **यौन एवं प्रजनन प्रजनन स्वास्थ्य एवं अधिकार:** सरकारों को जहां कानूनी हो वहां व्यापक यौन शिक्षा, परिवार नियोजन सेवाओं और सुरक्षित गर्भपात सेवाओं को प्राथमिकता देनी चाहिए। इसके अतिरिक्त, स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे में निवेश और प्रजनन स्वास्थ्य से जुड़े कलंक को दूर करने से अनपेक्षित गर्भधारण में कमी आएगी और महिलाओं को अपने शरीर और भविष्य के बारे में जानकारीपूर्ण विकल्प चुनने में सशक्त बनाया जाएगा।
- **भूमि अधिकार:** सरकारों को ऐसा कानून बनाना और लागू करना चाहिए जो भूमि, संपत्ति अधिकार और विरासत कानूनों तक समान पहुंच सुनिश्चित करे। भूमि स्वामित्व प्रणालियों को मजबूत करना, कानूनी सहायता प्रदान करना और महिलाओं के भूमि स्वामित्व जागरुकता अभियानों को बढ़ावा देना लैंगिक समानता और गरीबी को कम करने के लिए आवश्यक है।
- **लिंग आधारित बजट:** सरकारों को महिलाओं के सामने आने वाली विशिष्ट आवश्यकताओं और चुनौतियों का समाधान करने के लिए पर्याप्त संसाधन आवंटित करने चाहिए और इन निवेशों की प्रभावशीलता की निगरानी करनी चाहिए। पारदर्शी और जवाबदेह प्रणालियां लैंगिक समानता लक्ष्यों की दिशा में प्रगति सुनिश्चित करेंगी।

लैंगिक असमानता ख़त्म करने के लिए सरकार की योजनाएँ

- **बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ:** 2015 में शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य घटते बाल लिंग अनुपात को संबोधित करना और लड़कियों की शिक्षा और कल्याण को बढ़ावा देना है।
- **प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई):** 2017 में शुरू की गई, यह मातृत्व लाभ योजना गर्भावस्था और प्रसव के दौरान बेहतर स्वास्थ्य के लिए गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करती है।
- **महिला ई-हाट:** यह ऑनलाइन प्लेटफॉर्म महिला उद्यमियों और कारीगरों को अपने उत्पादों को प्रदर्शित

करने और बेचने की सुविधा के लिए 2016 में लॉन्च किया गया था।

- **उज्ज्वला योजना:** 2016 में शुरू की गई यह योजना गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों की महिलाओं को उनके स्वास्थ्य में सुधार, इनडोर वायु प्रदूषण को कम करने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए मुफ्त एलपीजी कनेक्शन प्रदान करती है।
- **स्टैंड अप इंडिया:** 2016 में पेश किया गया, यह महिलाओं और अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के व्यक्तियों के बीच उद्यमिता को प्रोत्साहित करता है। यह ग्रीनफील्ड उद्यम स्थापित करने के लिए 10 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये के बीच बैंक ऋण प्रदान करता है।
- **प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई):** 2015 में शुरू की गई, इसका उद्देश्य रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए उद्योग-प्रासंगिक प्रशिक्षण प्रदान करना है।

पिछले 10 वर्षों में की गई पहल

- **आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2013 (निर्भया अधिनियम):** यह संशोधन 2013 में पारित किया गया था, जिससे यौन अपराधों से संबंधित कानूनों में महत्वपूर्ण बदलाव हुए। सरकार ने महिला सुरक्षा और सशक्तीकरण की पहल का समर्थन करने के लिए निर्भया फंड की स्थापना की।
- **मातृत्व लाभ (संशोधन) अधिनियम, 2017:** यह संशोधन 2017 में अधिनियमित किया गया था, जिसमें भारत में संगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं के लिए मातृत्व अवकाश की अवधि 12 सप्ताह से बढ़ाकर 26 सप्ताह कर दी गई थी।
- **यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2019:** यौन अपराधों से बच्चों की सुरक्षा को मजबूत करते हुए यह संशोधन 2019 में पारित किया गया था।
- **मुस्लिम महिला (विवाह पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019:** इसने भारत में मुस्लिम पुरुषों के बीच तत्काल तीन तलाक (तलाक) की प्रथा को अपराध घोषित कर दिया।
- **कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013:** यह अधिनियम यौन उत्पीड़न की शिकायतों को दूर करने के लिए कार्यस्थलों में आंतरिक समितियों की स्थापना को अनिवार्य बनाता है।

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 - उपभोक्ता संरक्षण के प्रावधानों को मज़बूती प्रदान करना

वैश्वीकरण, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, ई-कॉमर्स बाजारों आदि के नए युग में उपभोक्ता संरक्षण के प्रावधानों को और मजबूत करने के लिए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 को 1986 के उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के स्थान पर अधिनियमित किया गया था।

अधिनियम के बारे में

- **उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 को प्रतिस्थापित किया:** उपभोक्ताओं के विवाद का समय पर समाधान और निपटान प्रदान करने का उद्देश्य। नया अधिनियम निम्नलिखित से संबंधित विभिन्न अधिसूचित नियमों और प्रावधानों के माध्यम से उपभोक्ताओं के अधिकारों को सशक्त और संरक्षित करता है:
  - उपभोक्ता संरक्षण परिषद
  - उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग
  - मध्यस्थता
  - उत्पाद संबंधी दायित्व
  - ई-कॉमर्स और डायरेक्ट सेलिंग पर नियम मिलावटी और नकली सामान के लिए जुर्माना
- **केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) की स्थापना:** उपभोक्ताओं के अधिकारों को बढ़ावा देने, सुरक्षा और लागू करने के लिए। कार्य:
  - उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन और संस्थान की शिकायतों/ अभियोजन की जांच
  - असुरक्षित वस्तुओं और सेवाओं को वापस लेने का आदेश
  - अनुचित व्यापार की कार्यप्रणाली और भ्रामक विज्ञापनों को बंद करने का आदेश
  - भ्रामक विज्ञापनों के निर्माताओं / समर्थकों/प्रकाशकों पर जुर्माना
- **उत्पाद दायित्व संबंधी प्रावधान:** दोषपूर्ण उत्पाद या दोषपूर्ण सेवाएं वितरित करने के लिए निर्माताओं और सेवा प्रदाताओं को रोकने के लिए
- **मध्यस्थता का वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र:** मामलों के शीघ्र निपटान के लिए
- **सरलीकृत विवाद समाधान प्रक्रिया:**
  - राज्य और जिला आयोग अब अपने आदेशों की समीक्षा कर सकते हैं
  - आदेशों को लागू करने के लिए उपभोक्ता आयोगों को सशक्त बनाना
  - शिकायतों की इलेक्ट्रॉनिक फाइलिंग और सुनवाई के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के

माध्यम से उपभोक्ता आयोगों तक आसान पहुंच
- दाखिले के 21 दिन बाद स्वीकार्यता समझी जाएगी; दूसरे चरण के बाद केवल कानून के प्रश्न पर अपील

ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों द्वारा अनुचित व्यापार संबंधी कार्य प्रणाली की रोकथाम के लिए नियमों का प्रावधान

- **प्रत्येक ई-कॉमर्स इकाई का कार्य:**
  - प्रत्येक ई-कॉमर्स इकाई को मूल देश सहित रिटर्न, रिफंड, शिकायत निपटारा तंत्र आदि से संबंधित जानकारी प्रदान करनी होगी
  - किसी भी उपभोक्ता शिकायत की प्राप्ति की सूचना 48 घंटे के भीतर दें
  - शिकायत प्राप्त होने की तिथि से एक माह के अन्दर शिकायत का निवारण करें
- **मिलावट / नकली सामान बनाने या बेचने वालों को सजा :** दोषसिद्धि की स्थिति में 2 वर्ष तक लाइसेंस का निलंबन और अगली दोषसिद्धि पर लाइसेंस रद्द करना

डार्क पैटर्न

- **डार्क पैटर्न:** उपभोक्ताओं को ऐसे विकल्प चुनने के लिए धोखा देने, मजबूर करने प्रभावित करने के लिए डिज़ाइन और लुभावनी संरचना का उपयोग करना शामिल है जो उनके अच्छे हित में नहीं हैं।
- **सरकार द्वारा कदम:** उपभोक्ता मामले विभाग ने ई-कॉमर्स कंपनियों, उद्योग संघों से आग्रह किया है कि वे अपने प्लेटफॉर्म के ऑनलाइन इंटरफेस में किसी भी ऐसे डिजाइन या पैटर्न को शामिल करने से दूर रहें जो उपभोक्ताओं की पसंद के साथ खिलवाड़ कर सकता है या उन्हें धोखा दे सकता है और डार्क पैटर्न की श्रेणी में आ सकता है।

कुरूक्षेत्र

मेक इन इंडिया - छात्रों और युवाओं के विकास को बढ़ावा

देश अपनी आर्थिक वृद्धि की प्रक्रिया उन बहुसंख्य लोगों को शामिल करके शुरू करते हैं जो बुनियादी खाद्य सामग्री के उत्पादन में लगे हुए हैं। धीरे-धीरे आयात और औद्योगिक पूजी संचय के माध्यम से श्रम उत्पादकता में सुधार के साथ काफी संख्या में श्रमिक पहले विनिर्माण और फिर सेवा क्षेत्र की ओर चले जाते हैं।

भारत को भविष्य के लिए तैयार करने, विश्व का सामना करने में सक्षम बनाने और अपने समकक्षों के बीच अपनी पहचान बनाने के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सितंबर 2014 में मेक इन इंडिया पहल शुरू की गई। इस पहल के माध्यम से भारत सरकार का उद्देश्य कंपनियां बनाने और उन्हें भारत में बने उत्पादों को तैयार करने, विकसित करने और असेंबल करने के लिए प्रोत्साहित करना और विनिर्माण क्षेत्र में समर्पित निवेश को भी प्रोत्साहित करना है। | इस पहल के माध्यम से रोज़गार सृजन और कौशल वृद्धि के लिए 27 प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों पर विचार किया गया है जिससे विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि को बढ़ावा दिया जा सके, अर्थव्यवस्था में विनिर्माण क्षेत्र में अतिरिक्त नौकरियां पैदा की जा सकें और यह सुनिश्चित किया जा सके कि सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण क्षेत्र का योगदान बढ़ा है।

मेक इन इंडिया - मेक फॉर वर्ल्ड का उद्देश्य आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है और इसे भारत को एक वैश्विक डिज़ाइन और विनिर्माण केंद्र में तब्दील करने के लिए तैयार किया गया है, जहां यह किसी भी वैश्विक निर्माता की पहली पसंद बन सके। यह पहल संकट की पृष्ठभूमि में विकसित हुई जब देश की वृद्धि दर नीचे आ रही थी और इसकी सफलता पर न केवल वैश्विक स्तर पर बल्कि घरेलू स्तर पर भी सवाल उठाए जा रहे थे।

भारत 140 करोड़ से अधिक व्यक्तियों की भूमि है जिनमें से 67% लोग 15-64 आयु वर्ग में है, इससे ज्ञात होता है कि भारत में अपेक्षाकृत युवा आबादी अधिक है। एक रिपोर्ट के अनुसार लगभग 24.3% वृद्धिशील वैश्विक कार्यबल के साथ भारत मानव संसाधनों का सबसे बड़ा प्रदाता बना रहेगा।

भारत में युवाओं के सीखने के समक्ष चुनौतियाँ

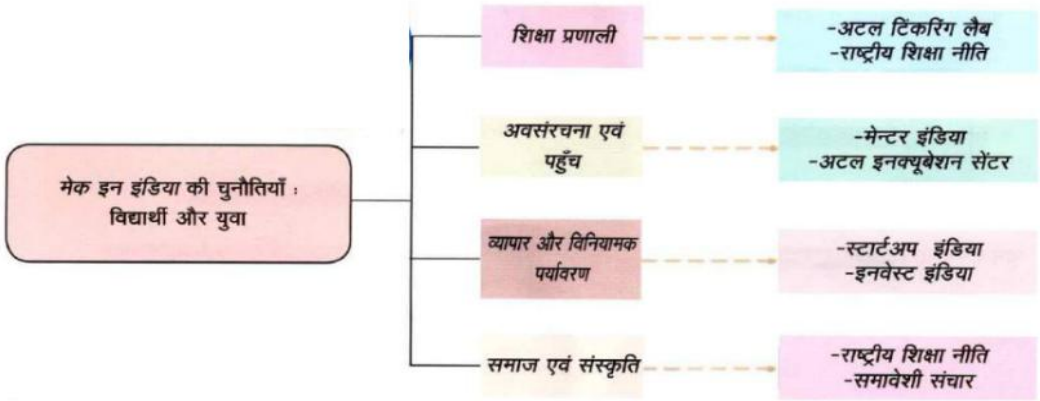

- **भारतीय शिक्षण शैली की आलोचना**: भारतीय शिक्षा प्रणाली को रचनात्मकता और विश्लेषणात्मक सोच को बढ़ावा देने के बजाय, रटने और ग्रेड देने पर जोर देने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा है। इसने छात्रों के बीच नवोन्मेषी सोच के विकास में बाधा उत्पन्न की है।
- **सीमित व्यावहारिक ज्ञान**: सैद्धांतिक ज्ञान और वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों के बीच अंतर है।
- **प्रौद्योगिकी का अभाव**: कई शैक्षणिक संस्थानों में उन्नत प्रौद्योगिकी, व्यावहारिक प्रशिक्षण और उद्योगों से संपर्क की कमी है, जिससे छात्रों की अपने ज्ञान को व्यावहारिक रूप से उपयोग करने की क्षमता सीमित हो जाती है।
- **कम अनुसंधान एवं विकास**: अनुसंधान और विकास में भारत का निवेश अन्य देशों की तुलना में कम है, जिससे प्रगति को गति देने वाले नवीन विचारों और प्रौद्योगिकियों के विकास में बाधा आती है।
- **अपर्याप्त अवसंरचना**: बुनियादी ढांचे और पहुँच के संदर्भ में, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, अपर्याप्त सुविधाएं उन छात्रों और नव-प्रवर्तकों के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियां पैदा करती हैं, जिन्हें विश्वसनीय इंटरनेट कनेक्टिविटी, बिजली और अन्य बुनियादी सुविधाओं की आवश्यकता होती है।
- **इंटरनेट और प्रौद्योगिकी की पहुँच में असमानताएं**: यह कुछ क्षेत्रों में सीखने के अवसरों को सीमित करती हैं।
- **पहुँच में असमानताएं**: इंटरनेट और प्रौद्योगिकी की पहुँच में असमानताएं प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों और परामर्श जैसे संसाधनों तक पहुँच भी कई छात्रों और युवा नवप्रवर्तकों के लिए एक संघर्ष है।
- **बौद्धिक संपदा अधिकार और पेटेंट सुरक्षा**: नियामक और व्यावसायिक माहौल में बौद्धिक संपदा अधिकार और पेटेंट सुरक्षित करना जटिल और समय लेने वाला हो सकता है जिसके कारण कुछ नवप्रवर्तक अपने विचारों का संरक्षण नहीं कर पाते हैं।
- **नवोदित पारिस्थितिकी तंत्र**: भारत में उद्यमिता बढ़ रही है, पारिस्थितिकी तंत्र अभी भी विकसित हो रहा है, जिससे युवा नवप्रवर्तकों के लिए वित्त पोषण सुरक्षित करना, सलाहकार ढूंढना और बिज़नेस परिदृश्य का नौचालन चुनौतीपूर्ण हो गया है।
- **सामाजिक और सांस्कृतिक कारक**: छात्रों को अक्सर पारंपरिक करियर को आगे बढ़ाने के लिए अपने परिवारों से भारी-भरकम दबाव का सामना करना पड़ता है, जिससे जोखिम लेने और अपरंपरागत क्षेत्रों को अपनाने को प्रोत्साहन नहीं मिलता है।
- **असफलता का डर और इससे जुड़ी सामाजिक सोच**: असफलता का डर और इससे जुड़ी सामाजिक सोच का डर युवा उद्यमियों को साहसिक कदम उठाने से रोकता है।.
- **लैंगिक असमानताएं**: लैंगिक असमानताओं के चलते महिला छात्रों और नवप्रवर्तन को पूर्वाग्रहों और सीमित अवसरों के कारण अलग-अलग चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

मेक इन इंडिया के लिए युवा प्रतिभाओं को बढ़ावा देने की दिशा में भारत के कदम

- **कार्यबल का सुद्रीडिकरण**: सामाजिक विज्ञान और मानविकी में बहु-विषयक क्षमताओं के साथ-साथ गणित, डेटा विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान आदि में सुधार की आवश्यकता है।
- **राष्ट्रीय शिक्षा नीति**: यह भारतीय शिक्षा प्रणाली के समक्ष आने वाली 'रटंत शिक्षा' की चुनौती का समाधान कर सकता है। यह रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा दे सकता है।
- **शिक्षा व्यवस्था में सुधार**: अनुभवात्मक शिक्षा, आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान कौशल को बढ़ावा देना और सिद्धांत और अनुप्रयोग के बीच अंतर को पाटने के लिए परियोजना-आधारित शिक्षा, व्यावहारिक प्रशिक्षण और उद्योगों के साथ सहयोग को प्रोत्साहित करना।
- **अटल इनोवेशन मिशन** (AIM): कम उम्र में छात्रों की मानसिकता में बदलाव लाते हुए, भारत सरकार ने अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम) के माध्यम से अटल टिंकरिंग लैब्स (एटीएल) की स्थापना की।
- **अटल टिंकरिंग लैब्स की आवश्यकता** (ATL): इन प्रयोगशालाओं की स्थापना के पीछे का विचार इन छोटे बच्चों के बीच जिज्ञासा, रचनात्मकता और कल्पना को बढ़ावा देना था ताकि वह प्रयोगशालाओं में उपलब्ध उपकरणों के साथ स्वयं परीक्षण करने का अवसर मिले।
- **नवाचार के लिए बुनियादी ढांचे का विकास और संसाधनों तक पहुँच**: अटल इनोवेशन मिशन में अटल इनक्यूबेशन सेंटर (एआइसी) कार्यक्रम के माध्यम से, सरकार ने नए इनक्यूबेटरों की स्थापना के लिए सहायता प्रदान की है जो नए स्टार्टअप को सहायता प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं और इन्हें स्केलेबल और स्थायी व्यवसाय में बढ़ने में मदद करते हैं।
- **मेंटर इंडिया' पहल**: युवा नवप्रवर्तन को उनकी यात्रा में सहायता प्रदान करने के लिए 'मेंटर इंडिया' पहल शुरू की गई, जिसमें एटीएल के छात्र और एआईसी के स्टार्टअप्स ऐसे पेशेवरों और शिक्षाविदों से सहायता का अनुरोध कर सकते हैं जो नवाचार, विपणन, उत्पाद विकास, पेटेंटिंग आदि से भली-भाँति परिचित हैं।
- **व्यापार करने में आसानी और बौद्धिक संपदा अधिकारों का संरक्षण**: वैश्विक अर्थव्यवस्था में आर्थिक विकास और प्रतिस्पर्धात्मकता के परिप्रेक्ष्य में नवाचार और अनुसंधान एवं विकास में निवेश बेहत लाभकारी होता है।

राष्ट्रीय विनिर्माण नवाचार सर्वेक्षण (एनएमआईएस) 2021-22

- **विवरण**: भारत में विनिर्माण फर्मों के नवीन कार्यों का मूल्यांकन करने के लिए राष्ट्रीय विनिर्माण नवाचार सर्वेक्षण (एनएमआईएस) 2021- 22 विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) और संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन (यूएनआईडीओ) का एक संयुक्त अध्ययन है।
- **2011 में आयोजित डीएसटी के पहले राष्ट्रीय नवाचार सर्वेक्षण की अनुवर्ती कार्रवाई**: डीएसटी-यूएनआईडीओ के इस संयुक्त अध्ययन से फर्म स्तर पर विनिर्माण नवाचार परिणामों, प्रक्रियाओं और बाधाओं को मापने, योगदान देने वाले प्रक्रियाओं और चर्चाओं की मैपिंग करने के लिए 360 डिग्री अप्रोच अपनाई जा सकी जिससे राज्यों, क्षेत्र और फर्म के आकार के प्रदर्शन का आकलन किया जा सके।

मेक इन इंडिया - चुनौतियां, अवसर और उपलब्धियां

सरकार की गेमचेंजर आर्थिक पहलों में से एक मेक इन इंडिया का आरम्भ 25 सितंबर, 2014 को हुआ था। यह समयोचित अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रचार नारा है जिसका उद्देश्य दुनिया भर में कंपनियों और व्यक्तियों को निवेश की सुविधा, नवाचार को बढ़ावा देना, निर्माण के लिए प्रोत्साहित करना और भारत में विश्वस्तरीय अवसंरचना विनिर्माण, डिजाइन और नवाचार के लिए एक केंद्र स्थापित करना है। इस पहल की गतिविधियों में ही अनूठे 'वोकल फॉर लोकल' हस्तक्षेपों की परिकल्पना देश को वैश्विक विनिर्माण केंद्र में बदलने के लिए भारत के विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने की है।

मेक इन इंडिया का विजन

- अर्थव्यवस्था के 27 आर्थिक क्षेत्रों में रोज़गार सृजन और कौशल उन्नयन पर ध्यान केंद्रित करना ।
- समग्र सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि में विनिर्माण क्षेत्र का योगदान बढ़ाना।

- विनिर्माण क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन से व्यावसायिक गतिविधि को सकारात्मक रूप से बढ़ाकर देश के कर राजस्व में वृद्धि करना ।
- अनावश्यक कानूनों, नियंत्रणों और नौकरशाही की कार्यविधि संबंधी बाधाओं को समाप्त करना ।
- पर्यावरण पर कम प्रभाव वाले विनिर्माण उत्पादों के उच्च गुणवत्ता मानकों को सुनिश्चित करना और अपनाना ।
- देश की विभिन्न आर्थिक योजनाओं में पूंजीगत वित्तपोषण और प्रौद्योगिकी संबंधी निवेश के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित करना।
- भारतीय अर्थव्यवस्था में बढ़ती हुई सेवाओं और औद्योगिक क्षेत्र की पहचान करना तथा उन्हें बढ़ावा देना

मेक इन इंडिया के स्तंभ

- **नई प्रक्रियाएँ**: सरकार ने कई सुधार उपाय पेश किए जो विश्व बैंक के 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (ईओडीबी)' के सकारात्मक मापदंडों के अनुरूप हैं। 'मेक इन इंडिया' ने उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए ईओडीबी को सबसे महत्वपूर्ण कारक के रूप में मान्यता दी।
- **नया बुनियादी ढांचा**: मेक इन इंडिया का इरादा औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार के लिए सभी आवश्यक सुविधाओं के साथ अच्छी तरह से सुसज्जित औद्योगिक गलियारे विकसित करना, स्मार्ट शहरों का निर्माण करना और विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे का निर्माण करना है।
- **नए क्षेत्र**: 'मेक इन इंडिया' पहल ने शुरुआत में 25 क्षेत्रों की पहचान की, इसके बाद दो अतिरिक्त क्षेत्रों की पहचान की गई।
- **नई मानसिकता**: मेक इन इंडिया ने सरकार के विभिन्न उद्योगों में एक आमूलचूल बदलाव लाया।

भारत में एफडीआई आकर्षित करने के लिए सरकार की पहल

- वस्तु एवं सेवा कर लागू करना;
- कॉर्पोरेट टैक्स को कम करना;
- ईओडीबी में सुधार के लिए नवाचार लाना;
- एफडीआई नीति में सुधार करना;
- अनुपालन बोझ को कम करने के उपाय करना;
- सार्वजनिक खरीद आदेशों के माध्यम से घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत उपाय करना;
- चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम आरंभ करना।

मेक इन इंडिया के लाभ

- विनिर्माण विकास पर सकारात्मक प्रभाव
- ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों का निर्माण और प्रावधान।
- रोज़गार में कई गुना वृद्धि से नागरिकों की क्रय शक्ति में सुधार
- कंपनियों के लिए उपभोक्ता आधार का विस्तार
- गरीबी की समस्या का समाधान
- प्रत्येक फोकस क्षेत्र के लिए कुशल कार्यबल सुनिश्चित करने के लिए बेहतर शिक्षा और प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे पर जोर देने से प्रतिभा पलायन को कम करने में मदद मिलेगी।
- निर्यातोन्मुखी विकास मॉडल भारत के भुगतान संतुलन की स्थिति पर सकारात्मक प्रभाव
- विदेशी मुद्रा भंडार जमा करने में सहायता
- भुगतान का सकारात्मक संतुलन वैश्विक अर्थव्यवस्था में अस्थिरता का समाधान विशेषकर कोविड के बाद के आर्थिक परिदृश्य में।
- तकनीकी विशेषज्ञता और रचनात्मक कौशल लाना
- देश के लिए उच्च क्रेडिट रेटिंग प्राप्त करने और भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने में भी लाभदायक

मेक इन इंडिया के लिए चुनौतियाँ

- भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाना
- प्रवेश निकास दिशानिर्देशों को स्पष्टता के साथ रेखांकित करने वाले कानूनों / नियमों के कुशल और प्रभावी प्रवर्तन के लिए एक उपयुक्त श्रम विकास पारिस्थितिकी तंत्र बनाना
- कराधान व्यवस्था को तर्कसंगत बनाना
- प्रौद्योगिकी अधिग्रहण और प्रसार को सक्षम करना
- जटिल कराधान प्रणाली का आकलन की आवश्यकता
- ईओडीबी से संबंधित कार्रवाई की आवश्यकता
- क्षेत्रों को प्रतिस्पर्धी बनाए रखने के लिए उपलब्ध मानव संसाधनों के तेजी से कौशल उन्नयन के लिए क्षमता निर्माण संस्थानों की नेटवर्किंग की आवश्यकता

मेक इन इंडिया का प्रभाव

- **ईओडीबी मानक भारत के पक्ष में**: 2014 में देश ईओडीबी की रैंकिंग में 142वें स्थान पर था । नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार विश्व बैंक ने 2022 में भारत को 63वां स्थान दिया है जो रैंकिंग में 79 स्थानों का सुधार दर्शाता है।
- **घरेलू उत्पादन के लिए विदेशी निवेश में सकारात्मक दृष्टिकोण**: विदेशी निवेशकों के प्रति नीति के उदारीकरण, एफडीआई के लिए क्षेत्रों को खोलने से पिछले 8 वर्षों के दौरान भारत में सकल एफडीआई प्रवाह में संरचनात्मक बदलाव आया है। भारत में सकल एफडीआई वित्तीय वर्ष 2005 और वित्तीय वर्ष 2014 के दौरान सकल घरेलू उत्पाद के 2.2 प्रतिशत के औसत से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2015 और वित्तीय वर्ष 2022 में 2.6 प्रतिशत हो गया है।
- **भारत कृषि उत्पादों के शुद्ध निर्यातक के रूप में उभरा है**: वर्ष 2020-21 में, भारत से कृषि और संबद्ध उत्पादों का निर्यात 2019-20 की तुलना में 18% बढ़ गया और 2021-22 में कृषि निर्यात 50.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर के उच्च स्तर पर पहुँच गया।
- **विनिर्माण क्षेत्र में सकल मूल्य संवर्धन (जीवीए) की सकारात्मक समग्र वृद्धि**: कोविड 19 के कारण उत्पन्न व्यवधानों के बावजूद इस क्षेत्र में कुल रोज़गार 2017-18 में 57 मिलियन से बढ़कर 2019-20 में 62.4 मिलियन हो गए हैं।
- **सेवा व्यापार द्वारा मज़बूत प्रदर्शन**: कुल सेवा निर्यात 2020-21 में 206.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2021-22 में 254.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर पर पहुँच गया जो इस अवधि में 48.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर की वृद्धि दर्शाता है।

हरित कौशल को बढ़ावा

पर्यावरणीय ज्ञान और 'पर्यावरणीय दृष्टिकोण' के बीच सहसंबंध को व्यापक रूप से जाना जाता है। भारत में पर्यावरण के प्रति चिंताओं के कारण पर्यावरण शिक्षा के संवेदनशील बनाने और उनके कौशल को माध्यम से युवाओं को मजबूत करने की मांग बढ़ रही है जिसमें पर्यावरणीय रूप से सजग स्थायी भविष्य पर ध्यान केंद्रित किया गया है। साहित्य से पता चलता है कि छात्र 'सुनने' की तुलना में 'करने' से अधिक प्रभावी ढंग से सीखते हैं। 'पर्यावरण विज्ञान' एक तेजी से उभरता हुआ क्षेत्र है जिसमें युवाओं को प्रकृति और उसके संरक्षण की पहल में उनकी भूमिका को सशक्त बनाने में एक नए विजन की आवश्यकता है। इससे अर्जित किए गए हरित कौशल और हरित नौकरियों के लिए लक्षित पहल के माध्यम से पर्यावरणीय संकट को हल करने में मदद मिलेगी।

हरित नौकरियाँ

- **अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन** (ILO) **के अनुसार परिभाषा**: सभ्य नौकरियाँ जो पर्यावरण को संरक्षित या पुनः स्थापित करने में योगदान देती हैं, चाहे वे विनिर्माण और निर्माण जैसे पारंपरिक क्षेत्रों में हों, या नवीकरणीय ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता जैसे नए उभरते हरित क्षेत्रों में हों। .
- **महत्व**:
  - ऊर्जा और कच्चे माल की सामर्थ्य में सुधार करने में मदद करती हैं
  - ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को सीमित करती हैं
  - अपशिष्ट और प्रदूषण को कम करती हैं
  - पारिस्थितिकी तंत्र का संरक्षण तथा पुनर्स्थापन करती हैं
  - जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के अनुकूलन का समर्थन करती हैं

हरित नौकरियों के लिए सरकार की पहल

- **पर्यावरण सूचना प्रणाली/ एनविस हब**: भारत के युवाओं को हरित कौशल विकास कार्यक्रम (जीएसडीपी) के माध्यम से रोजगार प्राप्त करने में सक्षम बनाने के लिए पर्यावरण और वन क्षेत्र में कौशल विकास के लिए एनविस हब के व्यापक नेटवर्क और विशेषज्ञता का उपयोग कर रहा है।
- **हरित कौशल विकास कार्यक्रम (जीएसडीपी)**: जीएसडीपी जून 2017 में लॉन्च किया गया था और इस कार्यक्रम में तकनीकी ज्ञान और स्थायी विकास के प्रति प्रतिबद्धता रखने वाले हरित कुशल श्रमिकों को तैयार करने का प्रयास किया गया है, जो राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान की प्राप्ति में मददगार 1 होंगे ।
- **जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्ययोजना (एनएपीसीसी)**: यह जलवायु परिवर्तन के अनुकूल होने की राष्ट्रीय रणनीति है और जो भारत के विकास पथ की पारिस्थितिकीय स्थिरता को बढ़ाएगी। इसके आठ मिशन हैं:

- राष्ट्रीय सौर मिशन
- उन्नत ऊर्जा दक्षता के लिए राष्ट्रीय मिशन
- सतत पर्यावास पर राष्ट्रीय मिशन
- राष्ट्रीय जल मिशन
- हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय मिशन
- हरित भारत के लिए राष्ट्रीय मिशन
- सतत कृषि के लिए राष्ट्रीय मिशन
- जलवायु परिवर्तन के लिए रणनीतिक ज्ञान पर राष्ट्रीय मिशन

- **राष्ट्रीय संसाधन दक्षता नीति, 2019 का प्रारूप**: इस मसौदे में पर्यावरण की दृष्टि से सतत् और उचित आर्थिक विकास, संसाधन सुरक्षा, स्वस्थ पर्यावरण और पुनः स्थापित पारिस्थितिकी तंत्र वाले भविष्य की भी परिकल्पना की है। पांच सिद्धांतों द्वारा निर्देशित होता है:
  - प्राथमिक संसाधन खपत को 'संवहनीय स्तर तक कम करना
  - संसाधन कुशल और चक्रीय दृष्टिकोणों के माध्यम से कम सामग्री के साथ उच्च मूल्य का निर्माण
  - अपशिष्ट न्यूनीकरण
  - सामग्री सुरक्षा
  - रोज़गार के अवसरों का सृजन
- **'बायो ब्रिकेटिंग'**: ये पारंपरिक ईंधन स्रोतों की तुलना में ग्रीनहाउस गैसों और कार्बन डाइऑक्साइड के कम उत्सर्जन के साथ बायोडिग्रेडेबल हरे कचरे से बना एक जैव ईंधन विकल्प है। इस ईंधन स्रोत का उपयोग हानिकारक जैव ईंधन के विकल्प के रूप में किया जाता है।
- **परिवेश (इंटरैक्टिव, गुणवत्ता वाला और पर्यावरणीय सिंगल विंडो हब द्वारा सक्रिय और उत्तरदायी सुविधा**: पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा इसे विकसित किया गया है। इसने विकासात्मक परियोजनाओं के लिए आवेदन जमा करने, कार्यवृत्त के साथ-साथ पर्यावरण/वन / वन्यजीव मंजूरी देने से लेकर पूरी प्रक्रिया को स्वचालित कर दिया है।

भारत - इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण का केंद्र

जून 2023 में प्रधान मंत्री की संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा भारत में 2.7 बिलियन डॉलर की सेमीकंडक्टर असेंबली और परीक्षण संयंत्र बनाने की यूएस-मुख्यालय माइक्रोन की घोषणा के साथ हुई। प्लांट छह तिमाहियों में यानी दिसंबर 2024 में अपनी पहली चिप का उत्पादन करेगा, जिससे 5,000 प्रत्यक्ष और 15,000 अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होंगी।

मेक इन इंडिया पहल: गेम-चेंजर

- **इलेक्ट्रॉनिक्स की वैश्विक मूल्य श्रृंखला में भारत एक विश्वसनीय खिलाड़ी के रूप में**: भारत ने 2025-26 तक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए $300 बिलियन का लक्ष्य रखा है।
- **इलेक्ट्रॉनिक्स पर राष्ट्रीय नीति** 2019: इसने चिपसेट सहित मुख्य घटकों को विकसित करने और उद्योग के लिए विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक सक्षम वातावरण बनाने के लिए देश में क्षमताओं को प्रोत्साहित करने और संचालित करने के लिए रूपरेखा प्रदान की। निम्नलिखित योजनाओं को एनपीई 2019 के तत्वावधान में अधिसूचित किया गया है:
  - **बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण (एलएसईएम) के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना (पीएलआई)**: मोबाइल फोन निर्माण और असेंबली, परीक्षण, मार्किंग और पैकेजिंग (एटीएमपी) इकाइयों सहित निर्दिष्ट इलेक्ट्रॉनिक घटकों के निर्माण में शामिल पात्र कंपनियों को वृद्धिशील बिक्री (आधार वर्ष पर) पर 4-6% का प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए 1 अप्रैल 2020 को अधिसूचित की गई। .
  - **आईटी हार्डवेयर के लिए पीएलआई**: चार साल की अवधि के लिए पात्र कंपनियों को भारत में निर्मित और लक्ष्य खंड के अंतर्गत आने वाले सामानों की शुद्ध वृद्धिशील बिक्री (आधार वर्ष पर) पर 4 -2%/1% का प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए 3 मार्च 2021 को अधिसूचित किया गया। लक्ष्य खंड में लैपटॉप, टैबलेट, ऑल-इन-वन पीसी और सर्वर शामिल हैं।
  - **इलेक्ट्रॉनिक घटकों और अर्धचालकों के विनिर्माण को बढ़ावा देने की योजना (एसपीईसीएस)**: 1 अप्रैल 2020 को अधिसूचित, इलेक्ट्रॉनिक सामानों की पहचानी गई सूची के लिए पूंजीगत व्यय पर 25% का वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करना, जिसमें उपरोक्त सामानों के निर्माण के लिए इलेक्ट्रॉनिक घटकों, सेमीकंडक्टर/डिस्प्ले फैब्रिकेशन इकाइयों, एटीएमपी इकाइयों, विशेष उप-असेंबली और पूंजीगत सामानों की डाउनस्ट्रीम मूल्य श्रृंखला शामिल है।

- **संशोधित इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर (ईएमसी 2.0) योजना**: 1 अप्रैल 2020 को अधिसूचित, देश में इकाइयां स्थापित करने के लिए प्रमुख वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माताओं को उनकी आपूर्ति श्रृंखला के साथ आकर्षित करने के लिए रेडी बिल्ट फैक्ट्री (आरबीएफ) शेड/प्लग-एंड-प्ले सुविधाओं सहित सामान्य सुविधाओं और सुविधाओं के साथ विश्व स्तरीय शिक्षा बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए सहायता प्रदान करना। . यह योजना पूरे देश में ईएमसी परियोजनाओं और सामान्य सुविधा केंद्रों (सीएफसी) दोनों की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है।
- **सेमीकंडक्टर्स और डिस्प्ले मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम के विकास के लिए कार्यक्रम**: इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को व्यापक और गहरा करने के लिए, रुपये के परिव्यय के साथ एक व्यापक कार्यक्रम। सेमीकंडक्टर्स और डिस्प्ले मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम के विकास के लिए 76,000 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है।

पात्र आवेदकों के लिए उपलब्ध राजकोषीय प्रोत्साहन

- **सेमीकंडक्टर फैब्स की स्थापना के लिए संशोधित योजना**: यह देश में सेमीकंडक्टर वेफर फैब्रिकेशन सुविधाएं स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है। सभी प्रौद्योगिकी नोड्स में सिलिकॉन आधारित सेमीकंडक्टर फैब्स की स्थापना के लिए परियोजना लागत का 50% वित्तीय समर्थन उपलब्ध है।
- **डिस्प्ले फैब्स की स्थापना के लिए संशोधित योजना**: यह टीएफटी एलसीडी/एमोलेड-आधारित डिस्प्ले फैब्रिकेशन सुविधाओं की स्थापना के लिए परियोजना लागत का 50% वित्तीय सहायता प्रदान करती है।
- **भारत में कंपाउंड सेमीकंडक्टर/सिलिकॉन फोटोनिक्स/सेंसर फैब/डिस्क्रीट सेमीकंडक्टर फैब और सेमीकंडक्टर एटीएमपी/ओएसएटी सुविधाओं की स्थापना के लिए संशोधित योजना**: यह भारत में कंपाउंड सेमीकंडक्टर/सिलिकॉन फोटोनिक्स (SiPh)/सेंसर (MEMS सहित) फैब/डिस्क्रीट सेमीकंडक्टर फैब्स और सेमीकंडक्टर एटीएमपी/OSAT सुविधाओं की स्थापना के लिए पात्र आवेदकों को पूंजीगत व्यय का 50% वित्तीय सहायता प्रदान करता है।
- **डिज़ाइन लिंक्ड प्रोत्साहन योजना**: यह आईसी, चिपसेट, एसओसी, सिस्टम और आईपी कोर और सेमीकंडक्टर लिंक्ड डिजाइन के लिए सेमीकंडक्टर डिजाइन के विकास और तैनाती के विभिन्न चरणों में वित्तीय प्रोत्साहन, डिजाइन बुनियादी ढांचे का समर्थन प्रदान करता है। यह योजना 'उत्पाद डिज़ाइन लिंक्ड प्रोत्साहन' और 'परिनियोजन लिंक्ड प्रोत्साहन' दोनों प्रदान करती है।

आईटी हार्डवेयर के लिए पीएलआई योजना 2.0

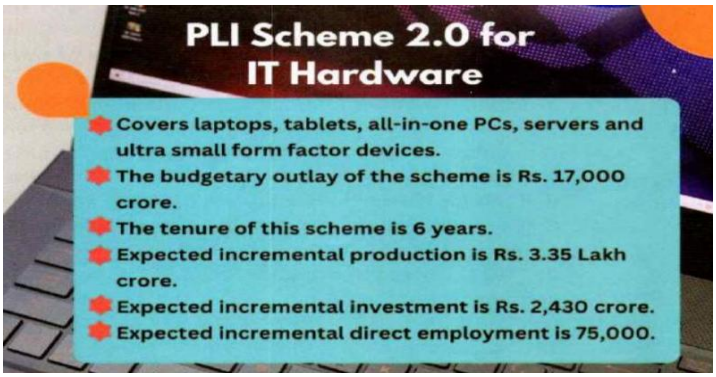

डिजिटल इंडिया मिशन

- **विवरण**: भारत को डिजिटल रूप से सशक्त समाज और ज्ञान अर्थव्यवस्था में बदलने का एक कार्यक्रम।
- Meity **ने इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिज़ाइन और विनिर्माण** (ESDM) **क्षेत्र में** कौशल **विकास के लिए** 2 **योजनाओं को मंजूरी दी है**:
  - इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिज़ाइन और विनिर्माण (ईएसडीएम) क्षेत्र में कौशल विकास के लिए चयनित राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को वित्तीय सहायता की योजना (योजना-1)
  - डिजिटल इंडिया के लिए ईएसडीएम में कौशल विकास (योजना-2)
- लक्ष्य: ईएसडीएम क्षेत्र के विकास के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण को सुविधाजनक बनाना।
- कार्यान्वन: प्रमुख कार्यान्वयन एजेंसियों से संबद्ध प्रशिक्षण भागीदार।

वैश्विक विनिर्माण महाशक्ति बनने की राह में बाधाएँ

- **अवसंरचनात्मक मुद्दे**: उदाहरण के लिए, अपर्याप्त और खराब गुणवत्ता वाली सड़कें और बंदरगाह, जो माल की आवाजाही में बाधा डाल सकते हैं और विनिर्माण की लागत में वृद्धि कर सकते हैं।

- **नौकरशाही लालफीताशाही और एक जटिल कराधान प्रणाली**: वे कंपनियों के लिए भारत में व्यापार करना मुश्किल बना सकते हैं।
- **कुशल श्रमिकों की कमी**
- **प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का वास्तविक प्रवाह** सुनिश्चित करना

आत्मनिर्भर भारत के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना

आत्मनिर्भर भारत देश में विनिर्माण को वापस लाने और द्वितीयक क्षेत्र में रोजगार पैदा करने की वर्तमान सरकार की नीति का आधार रहा है। हालाँकि 2000 के दशक की शुरुआत में चीन के वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में उभरने से विनिर्माण की लागत कम हो गई और दुनिया भर में बहुराष्ट्रीय निगमों को अधिक लाभ हुआ, इसने एक ही देश पर असामान्य निर्भरता भी पैदा की, जो भूराजनीतिक और आर्थिक रूप से जोखिम भरा था।

सरकार द्वारा PLI योजनायें

- **नीति आयोग ने पीएलआई योजना के तहत प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए 10 क्षेत्रों की पहचान की**:
    - एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल (एसीसी) बैटरी
    - इलेक्ट्रॉनिक/तकनीकी उत्पाद
    - ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट
    - फार्मास्युटिकल औषधियाँ
    - दूरसंचार एवं नेटवर्किंग उत्पाद
    - कपड़ा उत्पाद
    - खाद्य उत्पाद
    - उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूल
    - व्हाइट गुड्स (एसीएस एवं एलईडी)
    - विशेष इस्पात
- **मर्चेंडाइज़ एक्सपोर्ट्स फ्रॉम इंडिया स्कीम** (MEIS): भारत से वस्तु निर्यात योजना (एमईआईएस) को 1 अप्रैल 2015 से विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) 2015-20 में पेश किया गया था , जिसका उद्देश्य भारत में उत्पादित/निर्मित वस्तुओं/उत्पादों के निर्यात में शामिल ढांचागत अक्षमताओं और संबंधित लागतों को दूर करना था । एमएसएमई क्षेत्र द्वारा उत्पादित/विनिर्मित उत्पाद शामिल हैं। MEIS के तहत, सरकार उत्पाद और देश के आधार पर शुल्क लाभ प्रदान करती है।

विभिन्न क्षेत्रों में पीएलआई योजनाएं

- **इस्पात क्षेत्र में पीएलआई योजना**: 24 जुलाई, 2021 को शुरू किया गया, इसने सीआरजीओ (कोल्ड रोल्ड ग्रेन ओरिएंटेड) और सीआरएनओ सहित इलेक्ट्रिकल स्टील के घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए 1293 करोड़ रुपये आवंटित किए।
- **फार्मा सेक्टर में पीएलआई योजना**: इससे विशेष रूप से एपीआई और दवा मध्यस्थों के निर्माण के लिए पर्याप्त निवेश हुआ, जिससे 53 महत्वपूर्ण एपीआई में से 35 के लिए आयात निर्भरता कम हो गई।
- **टेलीकॉम सेक्टर में पीएलआई योजना**: इसने 60% से अधिक आयात प्रतिस्थापन को जन्म दिया है, जिससे भारत एंटेना, जीपीओएन और सीपीई में आत्मनिर्भर बन गया है। इससे मोबाइल फोन विनिर्माण और निर्यात पर काफी असर पड़ा है।

मेक इन इंडिया के सुपर स्टार क्षेत्र एवं जल प्रबंधन

मेक इन इंडिया पहल के छह सुपर स्टार क्षेत्रों - ऑटोमोटिव, इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन और विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा, सड़क और राजमार्ग, फार्मास्यूटिकल्स और खाद्य प्रसंस्करण - से भारत की आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। पानी, जो सभी विकास आवश्यकताओं का प्राथमिक घटक है, इन क्षेत्रों के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मेक इन इंडिया के लक्ष्यों को प्राप्त करने और उन्हें टिकाऊ बनाने के लिए पानी का प्रभावी प्रबंधन और बढ़ी हुई उत्पादकता महत्वपूर्ण है।

भारत के सुपरस्टार क्षेत्र

ऑटोमोटिव

- **ऑटोमोटिव मिशन योजना (एएमपी) 2026**: यह ऑटोमोटिव उद्योग को मेक इन इंडिया के इंजन के रूप में देखता है और मौजूदा 74 बिलियन अमरीकी डालर से 300 बिलियन अमरीकी डालर तक चार गुना वृद्धि की योजना बनाता है।

- **क्षेत्र का महत्व**: यह क्षेत्र लगभग 65 मिलियन नौकरियां पैदा करेगा और देश की सकल घरेलू उत्पाद में 12% से अधिक का योगदान देगा।

इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन और विनिर्माण

- **इलेक्ट्रॉनिक्स पर राष्ट्रीय नीति** 2019 **(एनपीई** 2019): यह इलेक्ट्रॉनिक्स हार्डवेयर विनिर्माण को मेक इन इंडिया के महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक के रूप में मान्यता देता है और 2025 तक 400 बिलियन अमरीकी डालर का कारोबार हासिल करने का प्रस्ताव करता है।
- **अति-शुद्ध पानी की आवश्यकताएँ**: इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण उद्योग को अपनी प्रक्रियाओं और अनुप्रयोगों के विभिन्न चरणों में अति-शुद्ध पानी की आवश्यकता होती है।
- **शुद्ध जल निर्माण का भी एक अवसर**: इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग में न्यूनतम बर्बादी के साथ अति-शुद्ध पानी बनाने के लिए नवाचार करने की क्षमता है।

नवीकरणीय ऊर्जा

- **'मेक इन इंडिया' पहल की संभावनाएं**: मार्च 2019 से, भारत सरकार ने नवीकरणीय ऊर्जा के हिस्से के रूप में 25 मेगावाट से अधिक की क्षमता वाले पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट्स (पीएसपी) सहित बड़े हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट्स (एलएचपीपी) को मान्यता दी है।

सड़क और राजमार्ग

- **भारत का सड़क नेटवर्क**: भारत में लगभग 63.32 लाख किमी के साथ दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क है।
- **सरकार द्वारा निजी क्षेत्र की भागीदारी और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के लिए घोषित प्रोत्साहन**:
    - सरकार व्यवहार्यता अध्ययन, उपयोगिताओं के स्थानांतरण, पर्यावरण मंजूरी आदि की लागत वहन कर रही है;
    - परियोजनाओं को व्यवहार्य बनाने के लिए परियोजना लागत का 40% तक सब्सिडी;
    - उच्च क्षमता और आधुनिक सड़क निर्माण उपकरण का शुल्क मुक्त आयात,
    - सड़क क्षेत्र को एक उद्योग के रूप में घोषित करना,
    - आसान बाह्य वाणिज्यिक उधार मानदंड

फार्मास्यूटिकल्स

- **भारत का फार्मास्युटिकल उद्योग**: 3000 दवा कंपनियों और 10,500 विनिर्माण इकाइयों के नेटवर्क के साथ मात्रा के मामले में दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा।
- **जेनेरिक दवाएं**: भारत 60 चिकित्सीय श्रेणियों में लगभग 60,000 विभिन्न जेनेरिक ब्रांडों का निर्माण करता है और जेनेरिक दवाओं की वैश्विक आपूर्ति का 20% हिस्सा है।
- **चिकित्सा उपकरणों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाएं**: घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए 400 मिलियन अमरीकी डालर का वित्तीय प्रोत्साहन दिया गया।
- **राष्ट्रीय चिकित्सा उपकरण नीति**: भारत में एक अभिनव और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी उद्योग का निर्माण करके रोगियों की बढ़ती स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ भारतीय चिकित्सा उपकरण क्षेत्र को त्वरित विकास पथ पर लाने की दृष्टि से मई 2023 में शुरू की गई।

खाद्य प्रसंस्करण

- **'मेक इन इंडिया' के तहत पहल**: खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय एकीकृत कोल्ड चेन परियोजनाओं और मेगा फूड पार्कों की स्थापना में सहायता कर रहा है।
- **कोल्ड चेन परियोजना**: यह किसानों को खराब होने वाले उत्पादों को संरक्षित करने में मदद करती है, प्रत्येक फूड पार्क 5,000 नौकरियां पैदा करता है और 25,000 किसानों को लाभान्वित करता है।
- **खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए सरकार की पीएलआई योजना**: यह 33,494 करोड़ रुपये का प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादन उत्पन्न करने और वर्ष 2026-27 तक लगभग 2.5 लाख लोगों के लिए रोजगार पैदा करने के लिए प्रसंस्करण क्षमता के विस्तार की सुविधा प्रदान करेगी।
- **प्रधान मंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों का औपचारिकीकरण (पीएमएफएमई) योजना**: 10,000 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ, इसका उद्देश्य खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के असंगठित क्षेत्र में मौजूदा व्यक्तिगत सूक्ष्म उद्यमों की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना और क्षेत्र के औपचारिकीकरण को बढ़ावा देना है।

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के बदलते प्रतिमान

पिछले कुछ वर्षों में, मेक इन इंडिया के तहत उद्योग, भारत में एफडीआई को आकर्षित करने के लिए एक चुंबक के रूप में उभरे हैं और भारत को एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाया है, लेकिन समय के साथ भारत की जीडीपी के साथ-साथ रोजगार सृजन में इन उद्योगों का योगदान भी बढ़ा है। इससे महामारी के बाद की दुनिया में भारत को एक लचीली अर्थव्यवस्था बनाने में भी योगदान मिला है।

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई)

- **अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार परिभाषा**: "अनिवासी निवेशकों द्वारा किसी सार्वजनिक या निजी उद्यम में कम से कम दस प्रतिशत सामान्य शेयरों या मतदान शक्ति का अधिग्रहण। प्रत्यक्ष निवेश में किसी उद्यम के प्रबंधन में स्थायी हित शामिल होता है और इसमें मुनाफे का पुनर्निवेश भी शामिल होता है।".

FDI **के प्रकार**

1. **क्षैतिज एफडीआई**
   - **अर्थ**: जब कंपनी मेजबान देश में घरेलू देश के समान या तुलनीय वस्तुओं का उत्पादन करने के लिए क्षैतिज रूप से विस्तार करना चाहती है।
   - **किसी कंपनी के लिए क्षैतिज एफडीआई में संलग्न होने का मुख्य उद्देश्य**:
     - बहुराष्ट्रीय कंपनी के लिए विदेशी स्थान पर रहना अधिक लाभदायक है।
     - कंपनी कम लागत वाले इनपुट, जैसे कि श्रम, पर काफी बचत कर सकती है।
     - एकाधिकारवादी या अल्पाधिकारवादी लाभों का पर्याप्त उपयोग करना, खासकर यदि मेजबान देश में कम प्रतिबंध हों।
2. **लंबवत एफडीआई**
   - **अर्थ**: जब कोई संगठन कच्चे माल का दोहन करना चाहता है या वितरण आउटलेट प्राप्त करके उपभोक्ताओं तक पहुँच बनाना चाहता है।
   - **लक्ष्य**: कुछ चरणों को कम लागत वाले स्थानों पर पुनः आवंटित करके उत्पादन प्रक्रिया को अधिक लागत-कुशल बनाना।
   - **संचालित**: देशों के बीच कारक मूल्य अंतर से लाभ प्राप्त करना।

एफडीआई के स्वरूप

- **ग्रीनफील्ड निवेश**: वह प्रक्रिया जिसके द्वारा निवेश करने वाली कंपनी किसी विदेशी देश में नई उत्पादन और वितरण सुविधाएं स्थापित करती है। यह स्वरुप रोजगार के नए अवसर और उच्च मूल्यवर्धित आउटपुट पैदा करता है।
- **संयुक्त उपक्रम/ जॉइंट वेंचर** : एक साझेदारी, या तो मेज़बान देश की किसी कंपनी के साथ, किसी सरकारी संस्थान के साथ, या किसी अन्य विदेशी कंपनी के साथ। ये अक्सर जोखिम और विशेषज्ञता साझा करने के लिए बनाए जाते हैं। आम तौर पर, एक भागीदार तकनीकी कौशल और वित्तीय साधनों तक पहुंच प्रदान करता है, जबकि दूसरा भागीदार बाजार के साथ-साथ कानूनों और विनियमों के बारे में अपना स्थानीय ज्ञान प्रदान करता है।

भारत में FDI **के मार्ग**

- **स्वचालित मार्ग**: इसके माध्यम से, विदेशी निवेशक अधिकांश क्षेत्रों में पूर्व सरकारी मंजूरी के बिना निवेश कर सकते हैं। यह मार्ग व्यापार करने में आसानी प्रदान करता है और विश्व के विभिन्न हिस्सों से निवेशकों को आकर्षित करता है।
- **सरकारी मार्ग**: यहां जिन क्षेत्रों को संवेदनशील माना जाता है या जिन्हें विशेष मंजूरी की आवश्यकता होती है, उन्हें सरकार द्वारा विनियमित किया जाता है। यह मार्ग यह सुनिश्चित करता है कि इन क्षेत्रों में निवेश देश के रणनीतिक हितों के साथ संरेखित हो।
- **विलय और अधिग्रहण**: एफडीआई विलय और अधिग्रहण के माध्यम से भी आ सकता है, जहां विदेशी कंपनियां मौजूदा भारतीय कंपनियों का अधिग्रहण करती हैं। इस मार्ग के माध्यम से, विदेशी निवेशक तेज़ी से बाज़ार में प्रवेश कर सकते हैं और मौजूदा संसाधनों और बाज़ार में उपस्थिति का लाभ उठा सकते हैं।

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति में हालिया बदलाव

सिंगल-ब्रांड रिटेल ट्रेडिंग (एसबीआरटी)

- **स्वचालित मार्ग के तहत** 100% **एफडीआई**: जनवरी 2018 में, सरकार ने एकल-ब्रांड खुदरा व्यापार में 100% एफडीआई की अनुमति दी, जिससे विदेशी खुदरा विक्रेताओं को सरकार की मंजूरी के बिना

अपनी भारतीय सहायक कंपनियों का 100% स्वामित्व रखने की अनुमति मिल गई।

- **स्थानीय सोर्सिंग मानदंडों में छूट**: पहले पांच वर्षों के लिए, संस्थाएं भारत से अपनी बढ़ती सोर्सिंग के मुकाबले स्थानीय सोर्सिंग की आवश्यकता को पूरा कर सकती हैं।

निर्माण क्षेत्र

- **"रियल एस्टेट व्यवसाय" की परिभाषा में संशोधन**: अब इसमें टाउनशिप का विकास, आवास, निर्मित बुनियादी ढांचे और निर्माण विकास परियोजनाएं शामिल हैं।
- **न्यूनतम पूंजीकरण मानदंडों में छूट**: परियोजना शुरू होने के छह महीने के भीतर निर्माण विकास क्षेत्र में एफडीआई के लिए न्यूनतम पूंजीकरण की आवश्यकता को 10 मिलियन अमरीकी डालर से घटाकर 5 मिलियन अमरीकी डालर कर दिया गया था।

डिजीटल मीडिया

- **26% एफडीआई की अनुमति**: सितंबर 2019 में, सरकार ने समाचार और समसामयिक मामलों की सामग्री अपलोड/स्ट्रीमिंग करने में लगी डिजिटल मीडिया संस्थाओं के लिए सरकारी अनुमोदन मार्ग के तहत 26% एफडीआई की अनुमति दी।

अनुबंध विनिर्माण

- **एसबीआरटी के तहत अनुबंध विनिर्माण**: अगस्त 2019 में, अनुबंध विनिर्माण को एसबीआरटी की परिभाषा में शामिल किया गया था, जिससे निर्माताओं को एसबीआरटी में लगी संस्थाओं के लिए अनुबंध निर्माण करने की अनुमति मिल गई।

कोयला खनन और अनुबंध विनिर्माण

- **कोयला खनन में स्वचालित मार्ग के तहत 100% एफडीआई**: अगस्त 2019 में, कोयला खनन और संबंधित बुनियादी ढांचा गतिविधियों के लिए स्वचालित मार्ग के तहत 100% एफडीआई की अनुमति दी गई थी।
- **एसबीआरटी के तहत अनुबंध विनिर्माण**: अनुबंध विनिर्माण को एसबीआरटी की परिभाषा में शामिल किया गया था, जिससे निर्माताओं को एसबीआरटी में लगी संस्थाओं के लिए अनुबंध निर्माण करने की अनुमति मिल गई।

नागरिक उड्डयन

- **अनुसूचित एयरलाइनों में 100% एफडीआई**: मार्च 2016 में, सरकार ने स्वचालित मार्ग के तहत अनुसूचित एयरलाइनों में 100% एफडीआई की अनुमति दी।

रक्षा क्षेत्र

- **एफडीआई सीमा में वृद्धि**: फरवरी 2021 में, स्वचालित मार्ग के माध्यम से रक्षा क्षेत्र में एफडीआई सीमा 49% से बढ़ाकर 74% कर दी गई।
- **ऑफसेट दिशानिर्देशों में ढील दी गई**: ऑफसेट दिशानिर्देशों में विदेशी रक्षा कंपनियों को भारत में अनुबंध मूल्य का एक हिस्सा निवेश करने की आवश्यकता थी, अधिक महत्वपूर्ण निवेश को प्रोत्साहित करने और व्यापार करने में आसानी में सुधार करने के लिए आराम दिया गया।

बीमा क्षेत्र

- **एफडीआई सीमा में वृद्धि**: फरवरी 2021 में स्वचालित मार्ग के तहत बीमा क्षेत्र में एफडीआई सीमा 49% से बढ़ाकर 74% कर दी गई।

ई-कॉमर्स

- **ऑनलाइन मार्केटप्लेस के लिए नियमों को कड़ा करना**: दिसंबर 2018 में, सरकार ने ई-कॉमर्स कंपनियों के लिए नए FDI मानदंड पेश किए, जिनमें विशेष सौदों पर प्रतिबंध, इन्वेंट्री पर नियंत्रण और विक्रेताओं में इक्विटी भागीदारी शामिल है।
- **बाज़ार बनाम इन्वेंट्री-आधारित मॉडल पर स्पष्टता**: सरकार ने एफडीआई नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए बाज़ार और इन्वेंट्री-आधारित मॉडल के बीच अंतर को स्पष्ट किया।

खाद्य प्रसंस्करण - मेक इन इंडिया का स्तम्भ

भारतीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग न केवल घरेलू बल्कि विदेशी संस्थाओं को भी यहां आने और उद्योग स्थापित करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करता है, जिसका सरल कारण यह है कि यह बाजार उन्हें उचित मूल्य पर प्रचुर मात्रा में कच्चा माल, प्रत्येक क्षेत्र में काफी बड़ा उपभोक्ता आधार, अनुकूल सरकारी नीतियाँ प्रदान करता है

जटिलता के आधार पर, खाद्य प्रसंस्करण को तीन व्यापक श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है

1. **प्राथमिक खाद्य प्रसंस्करण**
   - यह वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से कृषि उत्पादों, जैसे कि कच्चे गेहूं के दाने या पशुधन, को ऐसी चीज़ में बदल दिया जाता है जिसे अंततः खाया जा सकता है। यह खाद्य प्रसंस्करण का सबसे सरल रूप है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग सभी परिवार किसी न किसी रूप में करते हैं। इस श्रेणी में वे सामग्रियां शामिल हैं जो प्राचीन प्रक्रियाओं जैसे अनाज को सुखाना, पिसना, मेवों को छीलना और मांस के लिए जानवरों को काटना शामिल हैं।
2. **द्वितीयक खाद्य प्रसंस्करण**
   - यह उन सामग्रियों से भोजन बनाने की रोजमर्रा की प्रक्रिया है जो उपयोग के लिए पहले से तैयार हैं, जैसे कि ब्रेड पकाना। मछली को किण्वित करना और वाइन, बीयर और अन्य अल्कोहलिक उत्पाद बनाना द्वितीयक खाद्य प्रसंस्करण के पारंपरिक रूप हैं। इस तरह के प्रसंस्करण के लिए प्राथमिक स्तर के मशीनीकरण की आवश्यकता होती है और इसे सूक्ष्म और लघु उद्योगों में स्थापित किया जा सकता है।
3. **तृतीयक खाद्य प्रसंस्करण**
   - यह उस चीज़ का व्यावसायिक उत्पादन है जिसे आमतौर पर प्रसंस्कृत भोजन कहा जाता है। ये खाने के लिए तैयार या गर्म करके परोसे जाने वाले खाद्य पदार्थ हैं, जैसे टीवी डिनर और दोबारा गर्म किया हुआ एयरलाइन इसमें उच्च स्तर की तकनीकी जानकारी और अधिक निवेश की आवश्यकता होती है। इसके अलावा, पैकेजिंग, मार्केटिंग और एक मजबूत आपूर्ति श्रृंखला की स्थापना में ऐसी लागत आती है जिसे केवल अच्छी तरह से स्थापित कंपनियां ही वहन कर सकती हैं।

खाद्य प्रसंस्करण के लिए सरकारी पहल

प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना (पीएमकेएसवाई):

- आधुनिक खाद्य प्रसंस्करण बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए, एक व्यापक पैकेज के रूप में इसकी परिकल्पना की गई है, जिसके परिणामस्वरूप फार्म गेट से रिटेल आउटलेट तक कुशल आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के साथ आधुनिक बुनियादी ढांचे का निर्माण होगा।
- पूर्व नाम: संपदा (कृषि-समुद्री प्रसंस्करण और कृषि-प्रसंस्करण समूहों के विकास के लिए योजना)

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिकीकरण (पीएमएफएमई) योजना

- यह केंद्र प्रायोजित योजना खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के असंगठित क्षेत्र में मौजूदा सूक्ष्म उद्यमों में सुधार और क्षेत्र को औपचारिक बनाने के लिए आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत 29 जून 2020 को शुरू की गई थी।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (PLISFPI)

- इसका लक्ष्य घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना, निर्यात बढ़ाना है, साथ ही निर्धारित बिक्री के साथ खाद्य विनिर्माण इकाइयों का समर्थन करना और मजबूत भारतीय ब्रांडों के उद्भव को प्रोत्साहित करने के लिए विदेशों में प्रसंस्करण क्षमता और ब्रांडिंग का विस्तार करना है।

लोकल के लिए वोकल का लाभ उठाना

स्वास्थ्य, आर्थिक और जलवायु-परिवर्तन संबंधी तीन अलग-अलग स्तरों पर संकट के बीच, 'वोकल फॉर लोकल' विकास की एक नई दिशा बनकर उभरा है। एक समग्र और मजबूत 'वोकल फॉर लोकल' पहल न केवल ग्रामीण भारत को मजबूत करने में निर्णायक भूमिका निभा सकती है, बल्कि दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की दिशा में भारत की यात्रा में भी सहायक हो सकती है।

'वोकल फ़ॉर लोकल' का लाभ उठाने के लिए रूपरेखा

स्वस्थ, पर्यावरणीय रूप से लचीले और आर्थिक रूप से मजबूत स्थान बनाने के लिए 'वोकल फॉर लोकल' रणनीति ग्रामीण विकास नीति का एक महत्वपूर्ण घटक हो सकती है। ग्रामीण स्तर पर स्थानीय संसाधनों और मांग और आपूर्ति की एक व्यापक प्रोफाइलिंग या मैपिंग इस रणनीति का प्रारंभिक बिंदु होना चाहिए। स्थानीय अर्थव्यवस्था को इसके द्वारा मजबूत करने की आवश्यकता है:

- ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने वाले विभिन्न संबंधित विभागों के बीच समन्वय के साथ मजबूत, कुशल योजना प्रथाएँ;
- स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के मुद्दों और अवसरों को कवर करने वाली कौशल और आर्थिक विकास योजना;
- स्थानीय योजना को राष्ट्रीय और उप-राष्ट्रीय विकास रणनीति के साथ संरेखित करना;
- स्थानीय संस्थाएँ, जैसे कि पंचायतें, अन्य हितधारकों के साथ समन्वय में, समय-समय पर स्थानीय व्यवसायों का दौरा करके उनकी जरूरतों, चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा करने की एक प्रणाली बना रही हैं और महत्वाकांक्षी और मौजूदा दोनों उद्यमों को योजनाओं और कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करने में मदद कर रही हैं।

निष्कर्ष के तौर पर, 'वोकल फॉर लोकल' पहल में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने, आर्थिक विकास को बढ़ावा देने, नौकरी के अवसर पैदा करने, आयात पर निर्भरता कम करने और छोटे, सूक्ष्म और एसएचजी-आधारित उद्यमों को बहुत जरूरी बढ़ावा देने की क्षमता है। देश में। हालाँकि, इस रणनीति का लाभ उठाने के लिए, हमें निम्नलिखित पर ध्यान केंद्रित करना होगा:

- गुणवत्ता, नवप्रवर्तन और मूल्य निर्धारण का एक मजबूत मिश्रण;
- स्थानीय कौशल और उत्पादों का संरक्षण और प्रचार-प्रसार करना;
- स्थानीय विनिर्माण के माध्यम से रोजगार सृजन;
- स्थानीय कच्चे माल के विश्वसनीय एवं स्वतंत्र स्रोत स्थापित करना;
- स्थानीय को वैश्विक समझना; और
- संसाधनों का तर्कसंगत एवं एकीकृत तरीके से उपयोग करना।

14. आलेख/संपादकीय

एक राष्ट्र, एक चुनाव

- 'एक राष्ट्र एक चुनाव' प्रस्ताव हाल ही में सरकार द्वारा फिर से पेश किया गया था।

एक राष्ट्र, एक चुनाव के पीछे का विचार

- एक राष्ट्र, एक चुनाव के पीछे केंद्रीय विचार पूरे देश में चुनावों की आवृत्ति को कम करने के लिए सभी राज्यों में लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनावों के समय को समकालिक करना है।
- **पूर्व प्रथा:** यह अवधारणा 1967 तक प्रचलित थी, लेकिन दलबदल, बर्खास्तगी और सरकार के विघटन के कारण बाधित हो गई थी।
- **विधि आयोग की सिफ़ारिश:** इसकी वकालत 1999 में बीपी जीवन रेड्डी की अध्यक्षता वाले विधि आयोग ने की थी।

एक राष्ट्र, एक चुनाव के लाभ और चुनौतियाँ

लाभ	चुनौतियाँ
• **लागत दक्षता:** कई चुनावों को एक साथ करवा कर करके पैसे बचाता है। • **बेहतर प्रशासन:** विकास पर पूरा ध्यान केंद्रित करने की अनुमति देता है। • **मतदाता सुविधा:** मतदाता को बार बार मतदान केंद्र जाने की आवश्यकता नही पडती और यह भागीदारी को सरल बनाता है। • **आर्थिक स्थिरता:** व्यवसायों के लिए राजनीतिक अनिश्चितता को कम करता है। • **कुशल प्रशासन:** प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करता है।	• **संवैधानिक संशोधन:** संविधान में बदलाव की आवश्यकता । • **राजनीतिक सहमति:** विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच सहमति की आवश्यकता । • **तार्किक जटिलता:** राज्यों में समकालिक चुनावों के लिए समन्वय स्थापित करना मुश्किल है। • **क्षेत्रीय विविधताएँ:** क्षेत्रीय मुद्दों और विविधता की अनदेखी। • **प्रभुत्व का ख़तरा:** स्थानीय चिंताओं पर राष्ट्रीय मुद्दों के हावी होने की संभावना।

'एक राष्ट्र एक चुनाव' के लिए आवश्यक संवैधानिक संशोधन (ओएनओई)

समकालिक चुनाव के लिए, चुनावी प्रणाली में बदलावों के संबंध में एक राजनीतिक सहमति होनी चाहिए। इसके अलावा, संविधान में संशोधन की आवश्यकता होती है।

- **अनुच्छेद 172 और अनुच्छेद 83:** ये संसद के सदनों की अवधि से संबंधित हैं, और निर्वाचित लोकसभा और राज्य विधानसभाओं दोनों के लिए पांच साल के कार्यकाल की गारंटी देते हैं, यदि वे जल्दी भंग न हो जाएं।
- **अनुच्छेद 85:** यह छह महीने से अधिक के अंतराल पर संसदीय सत्र बुलाने की राष्ट्रपति की शक्तियों से संबंधित है।
- **अनुच्छेद 356:** यह किसी राज्य में शासन और संवैधानिक विफलता की स्थिति में कार्रवाई में आता है और राष्ट्रपति शासन से संबंधित है।
- **लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (आरपीए अधिनियम 1951) और दल-बदल विरोधी कानून:** लोकसभा और राज्य विधानसभाओं दोनों में संगठित आचरण और स्थिरता के लिए इन्हें बदलने की आवश्यकता है।

आगे की राह

- **सभी राजनीतिक दलों और राज्यों के बीच आम सहमति का निर्माण:** यह विभिन्न हितधारकों के बीच बातचीत, परामर्श और विचार-विमर्श के माध्यम से किया जा सकता है।
- **संशोधन:**
  - संविधान
  - आरपीए 1951
  - लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं की प्रक्रिया के नियम
- **अनुसंधान एवं विकास:** समकालिक चुनाव कराने के लिए आवश्यक प्रौद्योगिकी में निवेश।
- **लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनावी चक्रों को संरेखित करना:** यह या तो उनके कार्यकाल को बढ़ाकर या कम करके किया जा सकता है।
- **कानूनी ढांचा स्थापित करना:** उदाहरण के लिए, समकालिक चुनावों के दौरान मुद्दों को संबोधित करने के लिए अविश्वास प्रस्ताव, विधानसभाओं का समय से पहले विघटन, त्रिशंकु संसद आदि।

- **जागरूकता पैदा करना:** मतदाताओं को समकालिक चुनाव के लाभों और चुनौतियों के बारे में बताना, और यह सुनिश्चित करना कि वे भ्रम या असुविधा के बिना अपने मताधिकार का उपयोग करने में सक्षम हैं।
- इसलिए, सरकार को '**एक राष्ट्र एक चुनाव**' को जल्दबाजी में लागू नहीं करना चाहिए, इस प्रणाली का अतिरिक्त अध्ययन करना चाहिए, डेटा का मूल्यांकन करना चाहिए, और इस अवधारणा को लागू करने के तरीके पर मतदाताओं, विपक्षी दल के नेताओं और स्थानीय दलों से प्रतिक्रिया मांगनी चाहिए। भारत को ही यह निर्णय करना है कि उसे "एक राष्ट्र, एक चुनाव" लागू करने की आवश्यकता है या नहीं।

आदित्य-L1: इसकी कार्यप्रणाली और उद्देश्य

- हाल ही में, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने अपने प्रथम सौर मिशन, आदित्य-L1 का प्रक्षेपण पूरा किया है। प्रक्षेपण PSLV-C57 रॉकेट का उपयोग करके किया गया था। PSLV के चौथे चरण को दो बार प्रक्षेपित किया गया, जो इसरो के इतिहास में पहली बार अंतरिक्ष यान को उसकी अण्डाकार कक्षा में सटीक रूप से स्थापित करने के लिए किया गया था।

आदित्य-L1

- यह 1.5 मिलियन किलोमीटर की पर्याप्त दूरी से सूर्य का अध्ययन करने वाला पहला अंतरिक्ष आधारित वेधशाला श्रेणी का भारतीय सौर मिशन है। L1 बिंदु तक पहुंचने में इसे लगभग 125 दिन लगेंगे। एस्ट्रोसैट (2015) के बाद आदित्य-एल1 इसरो का दूसरा खगोल विज्ञान वेधशाला-श्रेणी मिशन भी है। इसे सूर्य-पृथ्वी प्रणाली के लैग्रेंजियन बिंदु 1 (L1) के चारों ओर एक प्रभामंडल कक्षा में स्थापित करने की योजना है।

पेलोड	
दृश्यमान उत्सर्जन रेखा कोरोनाग्राफ (वीईएलसी)	• सौर कोरोना का अध्ययन करता है और कोरोनल मास इजेक्शन की गतिशीलता का निरीक्षण करता है।
सौर पराबैंगनी इमेजिंग टेलीस्कोप (SUIT)	• निकट-पराबैंगनी (यूवी) में सौर फोटोस्फीयर और क्रोमोस्फीयर की छवियां कैप्चर करता है। • निकट पराबैंगनी में सौर विकिरण भिन्नता को मापता है।
सौर निम्न ऊर्जा एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर (SoLEXS)	• सॉफ्ट एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर के रूप में कार्य करता है। • व्यापक एक्स-रे ऊर्जा रेंज में सूर्य से आने वाली एक्स-रे फ्लेयर का अध्ययन करता है।
उच्च ऊर्जा L1 ऑर्बिटिंग एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर (HEL1OS)	• हार्ड एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर के रूप में कार्य करता है। • विस्तृत एक्स-रे ऊर्जा रेंज में सूर्य से आने वाली एक्स-रे फ्लेयर्स की जांच करता है।
इन-सीटू पेलोड	
आदित्य सौर पवन कण प्रयोग (ASPEX)	• सौर पवन और ऊर्जावान आयनों का अध्ययन करता है। • उनके ऊर्जा वितरण का विश्लेषण करता है।
आदित्य के लिए प्लाज्मा विश्लेषक पैकेज (PAPA)	• अंतरग्रहीय अंतरिक्ष में प्लाज्मा विशेषताओं और संरचना पर डेटा इकट्ठा करता है। • पर्यावरण के साथ सौर पवन अंतःक्रिया में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।
उन्नत त्रि-अक्षीय उच्च-रिज़ॉल्यूशन डिजिटल मैग्नेटोमीटर (MAG)	• अंतरिक्ष में कम तीव्रता वाले अंतरग्रहीय चुंबकीय क्षेत्र को मापने के लिए। • इसमें चुंबकीय सेंसर के दो सेट हैं: • एक 6-मीटर तैनात करने योग्य बूम की नोक पर और दूसरा बूम के बीच में, अंतरिक्ष यान से 3 मीटर दूर।

लैग्रेंज बिंदु

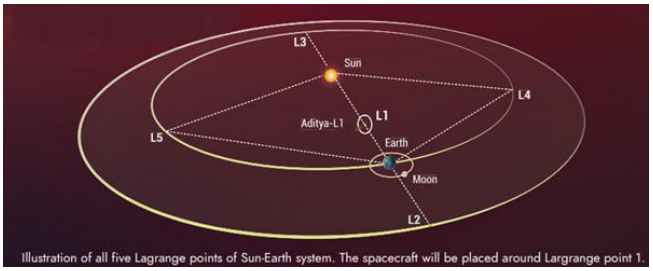

Illustration of all five Lagrange points of Sun-Earth system. The spacecraft will be placed around Largrange point 1.

अंतरिक्ष में वे विशेष स्थान हैं जहाँ सूर्य और पृथ्वी जैसे दो बड़े परिक्रमा करने वाले पिंडों की गुरुत्वाकर्षण शक्तियाँ एक-दूसरे को संतुलित करती हैं। एक छोटी वस्तु, जैसे कि अंतरिक्ष यान,

अपनी कक्षा को बनाए रखने के लिये अधिक ईंधन का उपयोग किये बिना इन बिंदुओं पर रह सकती है।

- **5 लैग्रेंज बिंदु:**
  - **L1:** L1 को सौर अवलोकन के लिये लैग्रेंज बिंदुओं में सबसे महत्त्वपूर्ण माना जाता है। L1 के आस पास प्रभामंडल कक्षा में रखा गया उपग्रह, सूर्य का बिना किसी प्रच्छादन/ग्रहण के लगातार अवलोकन करने में मदद करता है।
  - **L2:** यह सूर्य से देखने पर पृथ्वी के ठीक 'पीछे' स्थित है, L2 पृथ्वी की छाया के हस्तक्षेप के बिना बड़े ब्रह्मांड का अवलोकन करने के लिये उत्कृष्ट है।
  - जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप, L2 के पास सूर्य की परिक्रमा करता है।
  - **L3:** सूर्य के पीछे, पृथ्वी के विपरीत और पृथ्वी की कक्षा से ठीक परे स्थित यह सूर्य के सुदूर भाग का संभावित अवलोकन प्रदान करता है।
  - **L4 एवं L5:** L4 और L5 पर वस्तुएँ स्थिर स्थिति बनाए रखती हैं, जिससे दो बड़े पिंडों के साथ एक समबाहु त्रिभुज बनता है। इनका उपयोग अक्सर अंतरिक्ष वेधशालाओं के लिये किया जाता है,जैसे कि क्षुद्रग्रहों की जाँच करने के लिये उपयोग किया जाता है।

आदित्य एल1 की पृथ्वी से एल1 लैग्रेंज प्वाइंट तक की यात्रा

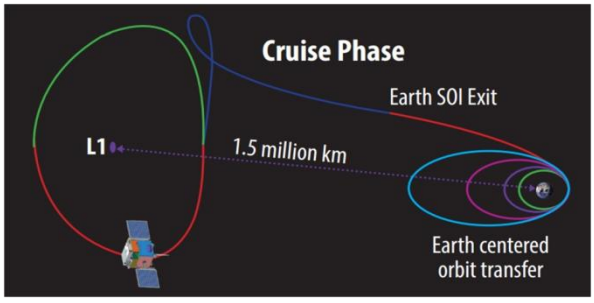

चरण 1: पृथ्वी से जुड़ी कक्षाएँ और मेनुवर

- आदित्य-एल1 लॉन्च किया गया और इसने 16 दिनों के लिए पृथ्वी की कक्षाओं में प्रवेश किया।
- इस चरण के दौरान, अंतरिक्ष यान अपनी यात्रा के लिए आवश्यक वेग प्राप्त करने के लिए 5 मेनुवर्स से गुजरा।
- ये युद्धाभ्यास आदित्य-L1 को L1 लैग्रेंज बिंदु की ओर उसके प्रक्षेप पथ के लिए तैयार करने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

चरण 2: ट्रांस-लैग्रेन्जियन सम्मिलन और प्रक्षेपवक्र (क्रूज़ चरण)

- पृथ्वी से जुडी कक्षाओं के बाद, आदित्य-L1 एक ट्रांस-लैग्रेन्जियन सम्मिलन युद्धाभ्यास से गुजरा।
- यह L1 लैग्रेंज बिंदु की ओर इसके 110-दिवसीय प्रक्षेप पथ की शुरुआत का प्रतीक है।
- अंतरिक्ष यान ने एक प्रक्षेपवक्र का अनुसरण करते हुए अंतरिक्ष में यात्रा की जो इसे L1 बिंदु तक ले गया।
- इस चरण में निरंतर समायोजन शामिल था ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आदित्य-एल1 इच्छित पथ पर बना रहे।

चरण 3: L1 कक्षा और मिशन संचालन

- L1 लैग्रेंज बिंदु पर पहुंचने पर, आदित्य-L1 ने खुद को L1 (हेलो ऑर्बिट) के चारों ओर एक कक्षा में बांधने के लिए एक मेनुवर किया।
- L1 पृथ्वी और सूर्य के बीच एक संतुलित गुरुत्वाकर्षण स्थान है।
- उपग्रह ने अपने पूरे मिशन को अनियमित आकार की कक्षा में L1 के चारों ओर परिक्रमा करते हुए बिताई। कक्षा पृथ्वी और सूर्य को जोड़ने वाली रेखा के लगभग लंबवत है।
- इस चरण के दौरान, आदित्य-एल1 इसरो और भारतीय शैक्षणिक संस्थानों द्वारा विकसित अपने सात अलग-अलग पेलोड का उपयोग करते हुए, सूर्य का व्यापक अध्ययन करता है।

महत्व

- **भारत की अपनी अंतरिक्ष-आधारित सौर वेधशाला:** यह पृथ्वी की कक्षा से परे इसरो की वैज्ञानिक क्षमताओं का विस्तार करता है।
- **भारत की उन्नत अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों पर प्रकाश डालता है:** यह इसरो को नासा, ईएसए और चीन के सीएनएसए के साथ विश्व स्तर पर एक अग्रणी अंतरिक्ष एजेंसी के रूप में स्थापित करता है।
- **भारत का पहला सौर मिशन**
- **अंतरिक्ष** प्रौद्योगिकी **में भारत की विशेषज्ञता का विस्तार**
- **सूर्य की वास्तविक समय की निगरानी:** कोरोना और सौर तूफानों का नियमित अवलोकन जो अंतरिक्ष मौसम भविष्यवाणी क्षमताओं को बढ़ावा देने में मदद करेगा।
- **इसरो की** अंतरिक्ष **प्रौद्योगिकी विशेषज्ञता** में विविधता लाता है
- **उन्नत** क्षमताओं **वाले एक प्रमुख अंतरिक्ष यात्री राष्ट्र** के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करता है
- दिलचस्प **सौर ध्रुवों का अध्ययन करने**, हमारे निकटतम तारे के रहस्यों को उजागर करने और ब्रह्मांड के बारे में हमारी समझ को बढ़ाने में मदद करता है।

भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (IMEC)

- हाल ही में, नई दिल्ली में G20 शिखर सम्मेलन में भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (IMEC) परियोजना पर हस्ताक्षर किए गए, जो भारत के लिए महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक और आर्थिक निहितार्थ रखता है। यह प्रोजेक्ट पार्टनरशिप फॉर ग्लोबल इंफ्रास्ट्रक्चर एंड इन्वेस्टमेंट (पीजीआईआई) का हिस्सा है। पीजीआईआई निम्न और मध्यम आय वाले देशों की विशाल बुनियादी ढांचे की जरूरतों को पूरा करने के लिए एक मूल्य-संचालित, उच्च-प्रभाव और पारदर्शी बुनियादी ढांचा साझेदारी है।

भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा परियोजना

- **विवरण:** इसमें रेलमार्ग, शिप-टू-रेल नेटवर्क और दो गलियारों तक फैले सड़क परिवहन मार्ग शामिल होंगे:
  - **पूर्वी गलियारा:** भारत को अरब की खाड़ी से जोड़ता है।
  - **उत्तरी गलियारा:** खाड़ी को यूरोप से जोड़ता है।
  - **अन्य बुनियादी ढाँचा:** एक विद्युत् केबल, एक हाइड्रोजन पाइपलाइन और एक हाई-स्पीड डेटा केबल।
- **हस्ताक्षरकर्ता:** भारत, अमेरिका, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, यूरोपीय संघ, इटली, फ्रांस और जर्मनी।
- **जोड़े जाने वाले बंदरगाह:**
  - **भारत:** मुंद्रा (गुजरात), कांडला (गुजरात), और जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट (नवी मुंबई)।
  - **मध्य पूर्व:** संयुक्त अरब अमीरात में फुजैरा, जेबेल अली और अबू धाबी के साथ-साथ सऊदी अरब में दम्मम और रास अल खैर बंदरगाह।
- **रेलवे लाइन:** फुजैरा बंदरगाह (यूएई) को सऊदी अरब (घुवाईफ़ात और हराद) और जॉर्डन के माध्यम से हाइफ़ा बंदरगाह (इज़राइल) से जोड़ने के लिए।
  - **इज़राइल:** हाइफ़ा बंदरगाह.
  - **यूरोप:** ग्रीस में पीरियस बंदरगाह, दक्षिण इटली में मेसिना और फ्रांस में मार्सिले।
- **उद्देश्य:**
  - भारत, मध्य पूर्व और यूरोप को जोड़ने वाला रेल, सड़क और समुद्री मार्गों से युक्त एक व्यापक परिवहन नेटवर्क बनाना।
  - **परिवहन** दक्षता बढ़ाने, लागत कम करने, आर्थिक एकता बढ़ाने, रोजगार पैदा करने और जीएचजी उत्सर्जन कम करना।
  - व्यापार और कनेक्टिविटी को सुविधाजनक बनाकर एशिया, यूरोप और मध्य पूर्व के एकीकरण को बदलना।
- **महत्व:** यह "मौजूदा समुद्री और सड़क परिवहन के पूरक के लिए एक विश्वसनीय और लागत प्रभावी सीमा-पार जहाज-से-रेल पारगमन नेटवर्क" प्रदान करेगा।

IMEC के निहितार्थ

चीन के BRI का प्रतिकार	• इसे यूरेशियाई क्षेत्र में चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के संभावित प्रतिकार के रूप में देखा जा रहा है।
सांस्कृतिक एकता	• यह सभी महाद्वीपों और सभ्यताओं में संबंधों और एकीकरण को मजबूत कर सकता है।
पाकिस्तान का वीटो तोड़ना	• यह पाकिस्तान को दरकिनार करता है और पश्चिम से भारत की जमीनी कनेक्टिविटी पर उसके वीटो को खत्म कर देता है।
अरब प्रायद्वीप से सम्बन्ध स्थापित करना	• IMEC स्थायी कनेक्टिविटी स्थापित करके और क्षेत्र के देशों के साथ राजनीतिक और रणनीतिक संबंध सुनिश्चित करके अरब प्रायद्वीप के साथ भारत की रणनीतिक भागीदारी को गहरा करता है।
अंतर-क्षेत्रीय संपर्क एवं शांति को बढ़ावा देना	• यह अंतर-क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ावा दे सकता है और अरब प्रायद्वीप में राजनीतिक तनाव को कम करने में मदद कर सकता है। • यह क्षेत्र में "शांति के लिए बुनियादी ढाँचा" बनने की संभावना रखता है।
अफ्रीका में भारत की रणनीतिक भूमिका	• ट्रांस-अफ्रीकी कॉरिडोर विकसित करने की अमेरिका और यूरोपीय संघ की योजना के अनुरूप, आईएमईसी को अफ्रीका तक बढ़ाया जा सकता है। • यह अफ्रीका के साथ अपने जुड़ाव को मजबूत करने और इसके बुनियादी ढांचे के विकास में योगदान देने की भारत की मंशा को दर्शाता है।

विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) को सुविधा प्रदान करना	• आईएमईसी के मार्ग पर एसईजेड (विशेष आर्थिक क्षेत्र) विकसित किए जा सकते हैं जो विदेशी निवेश को आकर्षित करने, विनिर्माण को बढ़ावा देने और इन निर्दिष्ट क्षेत्रों में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में मदद करेंगे।
उन्नत व्यापार अवसर	• आईएमईसी पारगमन समय को काफी कम कर सकता है, जिससे स्वेज नहर समुद्री मार्ग की तुलना में यूरोप के साथ व्यापार 40% तेज हो जाएगा।
प्रेरित औद्योगिक विकास	• यह माल की निर्बाध आवाजाही के लिए एक कुशल परिवहन नेटवर्क भी तैयार करेगा जो औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करेगा क्योंकि कंपनियों को कच्चे माल और तैयार उत्पादों के परिवहन में आसानी होगी।
रोज़गार निर्माण	• जैसे-जैसे बेहतर कनेक्टिविटी के कारण आर्थिक गतिविधियों का विस्तार होगा, सभी क्षेत्रों में नौकरी के अवसरों में वृद्धि होगी। • व्यापार, बुनियादी ढांचे और संबद्ध उद्योगों में वृद्धि से रोजगार को बढ़ावा देने के लिए कुशल और अकुशल श्रमिकों की आवश्यकता होगी।
ऊर्जा सुरक्षा और संसाधन पहुंच	• IMEC सुरक्षित ऊर्जा और संसाधन आपूर्ति सुनिश्चित कर सकता है, विशेष रूप से मध्य पूर्व से। • विश्वसनीय पहुंच भारत की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करेगी और इसकी बढ़ती अर्थव्यवस्था का समर्थन करेगी।

भारत-मध्य पूर्व-यूरोप गलियारे के लिए चुनौतियाँ

लॉजिस्टिक्स और कनेक्टिविटी मुद्दे	• आईएमईसी में कई देशों तक फैले रेल, सड़क और समुद्री मार्ग शामिल हैं जिनके लिए हितधारकों के बीच जटिल लॉजिस्टिक योजना और समन्वय की आवश्यकता होती है।
रेल लिंक और निर्माण	• रेल संपर्क अपूर्ण हैं (विशेषकर मध्य पूर्व में) जिसके लिए रेल नेटवर्क को पूरा करने के लिए पर्याप्त निर्माण प्रयासों और निवेश की आवश्यकता है।
एकाधिक देशों के बीच समन्वय	• विविध हितों, कानूनी प्रणालियों और प्रशासनिक प्रक्रियाओं वाले कई देशों के बीच प्रयासों, नीतियों और विनियमों का समन्वय करना एक बड़ी चुनौती प्रतीत होती है।
संभावित विरोध और प्रतिस्पर्धा	• मौजूदा परिवहन मार्गों, विशेषकर मिस्र की स्वेज नहर से विरोध या प्रतिस्पर्धा।
लागत और वित्तपोषण	• गलियारे के निर्माण, संचालन और रखरखाव के लिए पर्याप्त वित्तपोषण का अनुमान लगाना और सुरक्षित करना एक बड़ी चुनौती है। • परियोजना में विकास के लिए उच्च लागत शामिल है, और वित्त पोषण स्रोतों को चैनलाइज़ करने की आवश्यकता है। • अनुमान है कि आईएमईसी मार्गों को विकसित करने की लागत $3 बिलियन से $8 बिलियन के बीच हो सकती है।

- आईएमईसी भारत और उसके साझेदारों के लिए एक ऐतिहासिक क्षण का प्रतीक है; इसमें क्षेत्रीय और वैश्विक विकास के लिए अविश्वसनीय वृद्धि प्रदान करने की क्षमता है। आईएमईसी, सामूहिक विकास, वैश्विक सहयोग और कनेक्टिविटी के उत्प्रेरक के रूप में, वसुधैव कुटुंबकम की भावना का प्रतीक है, जिससे बहुत से लोगों को लाभ होता है।

वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन

- हाल ही में, नई दिल्ली में वार्षिक जी-20 शिखर सम्मेलन के मौके पर, भारत के नेतृत्व वाला एक समूह पेट्रोलियम और डीजल जैसे जीवाश्म ईंधन के विकल्प, जैव ईंधन के उत्पादन और उपयोग को बढ़ावा देने के लिए एक साथ आया।
- वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन नामक समूह देशों को सह-विकास के लिए एक साथ लाने, उत्पादन प्रक्रियाओं में

तकनीकी प्रगति में तेजी लाने और विशेष रूप से परिवहन क्षेत्र में जैव ईंधन के उपयोग की वकालत करने का प्रयास करेगा।

वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन (GBA)

- **विवरण:** जैव ईंधन को अपनाने की सुविधा के लिए सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और उद्योग का गठबंधन विकसित करने की भारत के नेतृत्व वाली पहल।
- **सदस्य:** अब तक 19 देश और 12 अंतर्राष्ट्रीय संगठन गठबंधन में शामिल होने के लिए सहमत हो चुके हैं।
- **संस्थापक सदस्य:** भारत, ब्राज़ील और अमेरिका
- **उद्देश्य:** परिवहन क्षेत्र सहित, सहयोग को सुविधाजनक बनाना और टिकाऊ जैव ईंधन के उपयोग को तेज करना।
- **कार्य एवं महत्व**
  - यह बाजारों को मजबूत करने और वैश्विक जैव ईंधन व्यापार को सुविधाजनक बनाने पर जोर सुनिश्चित करेगा
  - यह ठोस नीतिगत सबक-साझाकरण विकसित करने में सुविधा प्रदान करेगा
  - यह दुनिया भर में राष्ट्रीय जैव ईंधन कार्यक्रमों के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करने में भी सहायता करेगा।
  - यह राष्ट्रीय कार्यक्रमों के लिए आवश्यक तकनीकी सहायता प्रदान करेगा और नीतिगत सबक साझा करने को बढ़ावा देगा।
  - यह मांग और आपूर्ति के मानचित्रण में उद्योगों, देशों, पारिस्थितिकी तंत्र के खिलाड़ियों और प्रमुख हितधारकों की सहायता के लिए एक आभासी बाज़ार जुटाएगा।
  - यह जैव ईंधन अपनाने और व्यापार को प्रोत्साहित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त मानकों, कोड, स्थिरता सिद्धांतों और विनियमों के विकास, अपनाने और कार्यान्वयन को भी सुनिश्चित करेगा।

जैव ईंधन

- **विवरण:** कोई भी हाइड्रोकार्बन ईंधन जो किसी कार्बनिक पदार्थ (जीवित या कभी जीवित रही सामग्री) से एक कम समयावधि (दिन, सप्ताह या माह) में उत्पन्न किया जाता है
- **उपयोग:** वाहनों को चलाने, घरों को गर्म करने और बिजली पैदा करने के लिए।
- **नवीकरणीय संसाधन:** ऐसे पौधों से निर्मित जिन्हें बार-बार उगाया जा सकता है।
  - **अवस्थाएं:** जैव ईंधन ठोस, तरल या गैसीय हो सकता है।
    - ठोस **जैव ईंधन:** लकड़ी, सूखे पौधे सामग्री, और खाद।
    - **तरल जैव ईंधन:** बायोएथेनॉल और बायोडीजल।
    - **गैसीय जैव ईंधन:** बायोगैस।
- **महत्व:** वे तेल की बढ़ती कीमतों, जीवाश्म ईंधन से जीएचजी उत्सर्जन आदि के मुद्दों को संबोधित करने में मदद कर सकते हैं।

जैव ईंधन के फायदे और नुकसान

फायदे	नुकसान
• **नवीकरणीय:** कार्बनिक पदार्थों से प्राप्त, सीमित जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करता है। • **कम कार्बन उत्सर्जन:** आम तौर पर पारंपरिक जीवाश्म ईंधन की तुलना में कम ग्रीनहाउस गैसों का उत्पादन होता है। • **कृषि का समर्थन करता है:** कृषि गतिविधि को प्रोत्साहित करता है और किसानों के लिए नई राजस्व स्रोत बना सकता है। • **विविध फीडस्टॉक्स:** फसलों, शैवाल और जैविक अपशिष्ट जैसे विभिन्न स्रोतों से उत्पादित किया जा सकता है। • **ऊर्जा सुरक्षा:** आयातित जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होती है, जिससे राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा बढ़ती है।	• **भूमि उपयोग संबंधी चिंताएँ:** खाद्य फसलों के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकती हैं, जिससे वनों की कटाई हो सकती है या खाद्य कीमतों में वृद्धि हो सकती है। • **संसाधन गहन:** उत्पादन के लिए अत्यधिक भूमि, पानी और ऊर्जा संसाधनों की आवश्यकता होती है। • **उत्सर्जन परिवर्तनशीलता:** कुछ जैव ईंधन अभी भी उत्पादन विधियों के आधार पर पर्याप्त उत्सर्जन उत्पन्न कर सकते हैं। • **जैव विविधता पर प्रभाव:** जैव ईंधन फसलों के लिए गहन खेती स्थानीय पारिस्थितिक तंत्र और वन्य जीवन को नुकसान पहुंचा सकती है। • **लागत और प्रौद्योगिकी:** प्रारंभिक निवेश और तकनीकी प्रगति महंगी और चुनौतीपूर्ण हो सकती है।

वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन की व्यवहार्यता से सम्बंधित चिंताएँ

- **प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण:**
  - अमेरिका सहित विकसित देश अन्य देशों के साथ प्रौद्योगिकी साझा करने में अनिच्छुक हैं।
- **अंतर्राष्ट्रीय विरोध:**
  - पश्चिमी देशों के नेतृत्व वाले मंचों पर चीन और रूस का विरोध।

- सऊदी अरब और रूस को चिंता हो सकती है कि गठबंधन तेल के प्रतिस्पर्धी के रूप में जैव ईंधन को बढ़ावा दे सकता है।
- भारत और चीन (कोयले के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक) निकट भविष्य में कोयले का उपयोग करना नहीं छोड़ेंगे।

- **धन की कमी:**
  - WB और IMF जैसे वैश्विक संस्थानों के पास ऐसे समूहों के वित्तपोषण में निवेश करने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं।
- **आयात प्रतिबंध:**
  - भारत की नीतियां जैव ईंधन के आयात को प्रतिबंधित करती हैं, जिससे वैश्विक जैव ईंधन बाजार का विकास प्रभावित होता है।
- **पर्यावरणीय निहितार्थ:**
  - जल और भूमि की आवश्यकताएं जल की कमी वाले देशों को गठबंधन में शामिल होने से रोक सकती हैं।

जैव ईंधन विकास के लिए उठाए गए कदम

भारतीय पहल	वैश्विक पहल
• **प्रधानमंत्री जी-वन योजना, 2019:** इसका उद्देश्य वाणिज्यिक परियोजनाओं की स्थापना के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाना और 2जी इथेनॉल क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देना है। • **जैव ईंधन नीति, 2018:** पहले इसका लक्ष्य 2030 तक 20% इथेनॉल-सम्मिश्रण और 5% बायोडीजल-सम्मिश्रण तक पहुंचने का था। हाल ही में, केंद्र ने 2025-26 तक इथेनॉल युक्त 20% पेट्रोल के इथेनॉल मिश्रण लक्ष्य के साथ आगे बढ़ने की योजना बनाई है। • **गोबर (गैल्वनाइजिंग ऑर्गेनिक बायो-एग्रो रिसोर्सेज) धन योजना,** 2018: इसका उद्देश्य खेतों में मवेशियों के गोबर और ठोस कचरे को उपयोगी खाद, बायोगैस और बायो-सीएनजी में प्रबंधित और परिवर्तित करना है। • **प्रयुक्त खाना पकाने के तेल का पुन: उपयोग (आरयूसीओ):** एफएसएसएआई द्वारा लॉन्च किया गया, इसका लक्ष्य एक ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है जो इस्तेमाल किए गए खाना पकाने के तेल के संग्रह और बायोडीजल में रूपांतरण को सक्षम करेगा। • **जैव ईंधन पर राष्ट्रीय नीति, 2018:** यह जैव ईंधन को "बुनियादी जैव ईंधन" के रूप में वर्गीकृत करती है। पहली पीढ़ी (1G) बायोएथेनॉल और बायोडीजल और "उन्नत जैव ईंधन" - दूसरी पीढ़ी (2G) इथेनॉल, नगरपालिका ठोस अपशिष्ट (MSW) से ड्रॉप-इन ईंधन, तीसरी पीढ़ी (3G) जैव ईंधन, जैव-सीएनजी आदि।	• **सतत बायोमटेरियल्स (आरएसबी) पर गोलमेज सम्मेलन:** यह किसानों, कंपनियों, सरकारों, गैर सरकारी संगठनों और वैज्ञानिकों को एक साथ लाता है जो जैव ईंधन उत्पादन और वितरण की स्थिरता में रुचि रखते हैं। • **आरएसबी प्रमाणन प्रणाली:** व्यापक स्थिरता मानदंडों के एक सेट के रूप में अप्रैल 2011 में लॉन्च किया गया। • **सतत जैव ईंधन आम सहमति:** एक अंतरराष्ट्रीय पहल जो सरकारों, निजी क्षेत्र और अन्य हितधारकों से जैव ईंधन के स्थायी व्यापार, उत्पादन और उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए निर्णायक कार्रवाई करने का आह्वान करती है। • **बोनसुक्रो:** सतत गन्ना उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए 2008 में स्थापित एक अंतरराष्ट्रीय गैर-लाभकारी, बहु-हितधारक संगठन।

जीबीए का उपयोग बायोमास आपूर्ति श्रृंखलाओं को बढ़ाने और मजबूत करने के लिए किया जाना चाहिए और इसे कृषि अवशेषों से दूसरी पीढ़ी के इथेनॉल के उत्पादन के लिए कुशल प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को प्राथमिकता देनी चाहिए। इसे बायोएनर्जी परियोजनाओं के लिए स्थायी वित्तीय सहायता को बढ़ावा देना चाहिए और सतत विमानन ईंधन (एसएएफ) के लिए पायलट-स्तरीय उत्पादन सुविधाओं का प्रदर्शन करना चाहिए।

जैव ईंधन में जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में एक प्रमुख ऊर्जा स्रोत बनने की क्षमता है, हालांकि, उनकी व्यवहार्यता एक चिंता का विषय बनी हुई है। ग्लोबल बायोफ्यूल एलायंस एक हरित और स्वच्छ भविष्य का वादा करता है, लेकिन यह भविष्य में देखा जाएगा कि यह व्यवहार में कितना प्रभावी होगा। भारत जैसे देशों में कृषि अधिशेष की कमी के कारण जैव ईंधन एक

व्यवहार्य प्रमुख ऊर्जा स्रोत नहीं हो सकता है, लेकिन वे अभी भी टिकाऊ उत्पादन और उपभोग प्रथाओं के माध्यम से हरित भविष्य प्राप्त करने में एक प्रमुख चालक हो सकते हैं।

महिला आरक्षण विधेयक

सितंबर में, संसद में महिला आरक्षण विधेयक, नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित होने के साथ इतिहास रचा गया। सभी राजनीतिक दलों के लिए एक समावेशी राजनीति में महिलाओं की भूमिका के महत्व को स्वीकार करना एक अनिवार्यता है, यह महिलाओं से अपनी शक्तियों को पहचानने, नागरिकों के रूप में समान जिम्मेदारियां संभालने और अपनी नियति को परिभाषित करने का एक स्पष्ट आह्वान है। यह देश में महिला आंदोलन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

महिला आरक्षण की पृष्ठभूमि

महिलाओं के आरक्षण का विषय 1996 में पूर्व प्रधान मंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल से ही चर्चा में रहा है। हालाँकि, तत्कालीन सरकार के पास बहुमत नहीं था, इसलिए विधेयक को मंजूरी नहीं मिल सकी। 1998 - 2003 में, सरकार ने 4 मौकों पर विधेयक पेश किया लेकिन असफल रही। 2009 में विरोध के बीच सरकार ने बिल पेश किया। 2010 में एक और प्रयास किया गया जिसमें केंद्रीय मंत्रिमंडल और राज्यसभा दोनों ने इसे पारित कर दिया। ऐसी ही एक और कोशिश 2014 में भी की गई थी।

मुख्य विशेषताएं

- **राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली:** अनुच्छेद 239AA (दिल्ली के संबंध में विशेष प्रावधान) में संशोधन किया जाएगा।
- **जोड़े जाने वाले नए अनुच्छेद:** महिला आरक्षण विधेयक में अनुच्छेद 330ए, 332ए और 334ए भी पेश किए गए।
    - **अनुच्छेद 330ए और 332ए:** ये लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिला आरक्षण की स्थापना करेंगे।
    - **अनुच्छेद 334ए:** इसमें एक सूर्यास्त प्रावधान शामिल है जो 15 वर्षों के बाद इस सकारात्मक कार्रवाई नीति को धीरे-धीरे समाप्त कर देगा।
- **क्षैतिज महिला आरक्षण:** लोकसभा और विधानसभाओं में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटें आवंटित करने का प्रस्ताव है।
- **सीटों का चक्रण:** महिला विधायकों के लिए निर्दिष्ट सीटें किसी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के भीतर विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में चक्रानुक्रम द्वारा वितरित की जा सकती हैं।
- **अनुसमर्थन:** महिला आरक्षण विधेयक को आधे राज्यों द्वारा अनुसमर्थन की आवश्यकता है।

अधिनियम की जरूरत

- केंद्र सरकार के अनुसार, महिलाओं के पास लोकसभा में केवल 14.94% सीटें और राज्यसभा में 14.05% सीटें हैं। आजादी के बाद से लोकसभा में महिलाओं के प्रतिनिधित्व की प्रगति बेहद धीमी रही है। आज भी, कई राज्य विधानसभाओं में 10% से भी कम महिलाएँ सदस्य हैं। साथ ही, महिलाओं के खिलाफ अपराधों की उच्च दर, निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की कम भागीदारी जैसे मुद्दों पर भी ध्यान देने की जरूरत है। ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स, 2023 के अनुसार, भारत 146 देशों में से 127वें नंबर पर आता है। यदि रिपोर्ट की प्रगति दर का पालन किया जाए तो राजनीतिक सशक्तीकरण में लैंगिक अंतर को पाटने में 162 साल और लगेंगे।

चिंताएँ

- **समानता के अधिकार के विरुद्ध:** महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित करना संविधान की समानता की गारंटी के विरुद्ध होगा और इसलिए, यदि आरक्षण लागू किया गया, तो महिलाएं अपनी योग्यता के आधार पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम नहीं होंगी।
- **लैंगिक असमानताएँ:** यह सुझाव दे सकता है कि महिलाओं को उनकी योग्यता के आधार पर नहीं आंका जा रहा है।
- **महत्वपूर्ण चुनावी सुधारों पर कोई ध्यान नहीं:** यह राजनीति के अपराधीकरण और आंतरिक-पार्टी लोकतंत्र की स्थिति जैसे अधिक महत्वपूर्ण चुनावी सुधार मामलों से ध्यान हटा देता है।
- **कम प्रोत्साहन:** प्रत्येक चुनाव में आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों के वर्तन से एक सांसद को अपने निर्वाचन क्षेत्र के लिए काम करने का प्रोत्साहन कम हो सकता है।

निष्कर्ष

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, "महिलाओं के लिए 33% सीटें आरक्षित करने वाला कोटा भारत को उन 64 देशों की सूची में डाल देगा, जिन्होंने अपनी राष्ट्रीय संसदों में महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित की हैं। हालाँकि, यह आशा की जाती है कि इस तरह के आरक्षण को लागू करने से अंततः दुनिया भर की संसदों में महिलाओं का 50 प्रतिशत प्रतिनिधित्व प्राप्त हो सकेगा। महिला आरक्षण विधेयक को पहले भी भारत के राजनीतिक परिदृश्य में विरोध और बहस का सामना करना पड़ा है। यह तर्क दिया जाता है कि इससे प्रतीकात्मकता कायम रह सकती है, जबकि अन्य लोगों का मानना है कि राजनीति में महिलाओं के कम प्रतिनिधित्व को संबोधित करना आवश्यक है।

राजनीति में महिलाओं के लिए आरक्षण पितृसत्ता को चुनौती देने और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने में एक मूल्यवान उपकरण हो सकता है, लेकिन यह एक व्यापक रणनीति का हिस्सा होना

चाहिए जो एक अधिक समावेशी और न्यायसंगत समाज बनाने के लिए सांस्कृतिक मानदंडों, शिक्षा, आर्थिक सशक्तिकरण और सामाजिक परिवर्तन को संबोधित करता है। इसके अतिरिक्त, ऐसी नीतियों का प्रभाव भिन्न-भिन्न हो सकता है, और उनकी सफलता उनके डिज़ाइन और कार्यान्वयन सहित विभिन्न कारकों पर निर्भर करती है।

कावेरी जल विवाद

दक्षिण भारत के मध्य से होकर एक महत्वपूर्ण जीवन रेखा की तरह बहने वाली कावेरी नदी हमेशा से जीविका और जीवन शक्ति का प्रतीक रही है। यह अनेक क्षेत्रों की प्यास बुझाती है, शहरों की रगों में प्रवाहित होती है और उद्योग के पहियों को शक्ति प्रदान करती है। हालाँकि, उसका बहुमूल्य जल कर्नाटक और तमिलनाडु दोनों की नियति और अर्थव्यवस्था को नया आकार देने वाले एक अविश्वसनीय युद्ध का गवाह रहा है।

कावेरी जल विवाद

- **विवरण:** कावेरी नदी के पानी के बंटवारे को लेकर केरल और पुडुचेरी के साथ-साथ भारतीय राज्यों कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच विवाद।
- **मुद्दे:** जल आवंटन और उपयोग के अधिकार के मुद्दे, ऐतिहासिक समझौते, न्यायाधिकरण और अदालती फैसले इसके समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- **उत्पत्ति:** इसकी उत्पत्ति पहली बार 1892 में मद्रास और मैसूर रियासत के बीच औपनिवेशिक शासन के दौरान हुई थी।
- **1924:** मैसूर और मद्रास के बीच एक समझौता हुआ जो 50 वर्षों के लिए वैध रहा। इसलिए, 1974 में इसका क्रियान्वयन बंद हो गया।
- **1974:** तब से, कर्नाटक ने तमिलनाडु की सहमति के बिना, अपने चार नवनिर्मित जलाशयों में पानी भेजना शुरू कर दिया। इसके परिणामस्वरूप विवाद उत्पन्न हो गया।
- **कावेरी जल विवाद न्यायाधिकरण:** अंतर-राज्य जल विवाद अधिनियम, 1956 की धारा 4 के अनुसार, जून 1990 में कावेरी जल विवाद न्यायाधिकरण (CWDT) का गठन किया गया था।
- **फरवरी 2007:** 17 वर्षों के बाद, सीडब्ल्यूडीटी ने अपना अंतिम निर्णय जारी किया जिसमें प्रत्येक राज्य को वर्ष की विभिन्न अवधियों के दौरान मिलने वाले पानी की मात्रा निर्दिष्ट की गई।
- **2018:** सुप्रीम कोर्ट ने CWDT के फैसले को बरकरार रखा, कावेरी को राष्ट्रीय संपत्ति घोषित किया और कावेरी जल प्रबंधन योजना की स्थापना का आदेश दिया। बाद में, केंद्र सरकार ने 'कावेरी जल प्रबंधन योजना' की स्थापना की, जिसमें 'कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण' और 'कावेरी जल विनियमन समिति' शामिल हैं।

विवाद के पीछे का कारण

कारण	विवरण
हाल के मुद्दे	• कर्नाटक के जलाशय से 24,000 क्यूसेक पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए तमिलनाडु सुप्रीम कोर्ट गया। • कर्नाटक ने पहले पानी छोड़ने की सहमति वाली मात्रा से इनकार कर दिया था। • मेकेदातु बांध परियोजना: तमिलनाडु का तर्क है कि यह परियोजना अनधिकृत है और कावेरी जल विवाद न्यायाधिकरण और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन करते हुए उसके हितों को नुकसान पहुंचा सकती है।
कर्नाटक का रुख	• तमिलनाडु: यह 15 दिनों के लिए 10,000 क्यूसेक पानी छोड़ने की वकालत करता है। • कर्नाटक: यह समान 15-दिन की अवधि के लिए 8,000 क्यूसेक पानी छोड़ने का सुझाव देता है। यह जून से अगस्त तक कोडागु में 44% वर्षा की कमी को उजागर करता है। यह तमिलनाडु के संकट-साझाकरण फार्मूले की मांग को खारिज करता है।
निहितार्थ	• तमिलनाडु के किसान मेट्टूर जलाशय (20 टीएमसी, दस दिनों तक आपूर्ति करता है) में कम पानी के भंडारण के कारण कर्नाटक की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहे हैं।
अप्रभावी न्यायाधिकरण	• सरकार प्रत्येक विवाद के लिए न्यायाधिकरण बनाती है। • हालाँकि, ये न्यायाधिकरण अप्रभावी और तदर्थ होते हैं, और उनके निर्णयों का कोई कानूनी आधार नहीं है। • मौजूदा अंतर-राज्य नदी जल विवाद

	अधिनियम, 1956, विवादों को सुलझाने के लिए न्यायाधिकरणों पर निर्भर करता है।
जल आपूर्ति का मुद्दा	• जलवायु परिवर्तन, अनियमित वर्षा, घटते भूजल और जल-गहन फसल पैटर्न के कारण उत्पन्न संकट नदी विवादों को बढ़ाते हैं।

कावेरी नदी

- **विवरण:** कर्नाटक की सबसे बड़ी नदी
- **उद्गम:** कर्नाटक में पश्चिमी घाट की ब्रह्मगिरि पहाड़ियों में तालाकावेरी।
- **बाएँ तट की सहायक नदियाँ:** अर्कावती, हेमावती, शिमसा और हरंगी
- **दाहिने तट की सहायक नदियाँ:** लक्ष्मणतीर्थ, सुवर्णवती, नोयिल, भवानी, काबिनी और अमरावती

लंबे समय से चले आ रहे इस मुद्दे को हल करने के लिए न्यायाधिकरणों को फैसले लागू करने का अधिकार देने के लिए एक कानून पारित करने की जरूरत है। 2017 में, लोकसभा ने एकल स्थायी न्यायाधिकरण और मध्यस्थता समिति बनाने के लिए अंतर-राज्य नदी जल विवाद (संशोधन) विधेयक पारित किया, लेकिन कार्यान्वयन अभी तक नहीं हुआ है। कर्नाटक और तमिलनाडु दोनों में बड़े पैमाने पर जल संचयन की अनुमति जैसे संरक्षण प्रयास लंबे समय में मदद कर सकते हैं। विवाद समाधान के लिए अंतरराज्यीय परिषद और क्षेत्रीय परिषदों को मजबूत करने की भी तत्काल आवश्यकता है।

भारत कनाडा मुद्दा

हाल ही में, कनाडा सरकार ने कनाडा में एक प्रमुख सिख कनाडाई नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत पर भूमिका निभाने का आरोप लगाते हुए एक वरिष्ठ भारतीय राजनयिक को निष्कासित कर दिया। इसके बाद, भारत ने एक बयान जारी करके तुरंत जवाबी कार्रवाई की, जिसमें इस मुद्दे में किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया गया और एक वरिष्ठ कनाडाई राजनयिक को निष्कासित कर दिया गया।

भारत-कनाडा संबंध

- **राजनयिक संबंध:** भारत ने 1947 में कनाडा के साथ राजनयिक संबंध स्थापित किये।
- **आर्थिक सहयोग:** भारत और कनाडा के बीच द्विपक्षीय व्यापार सालाना 6 बिलियन डॉलर था, और कनाडा में भारतीय निवेश का मूल्य > 4 बिलियन डॉलर था। अप्रैल 2000 से मार्च 2023 तक लगभग 3,306 मिलियन डॉलर के कुल निवेश के साथ कनाडा भारत में 18वां सबसे बड़ा विदेशी निवेशक है।
- **CEPA हेतु वार्ता :** दोनों देश वस्तुओं, सेवाओं, निवेश और व्यापार सुविधा में व्यापार सहित एक व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (CEPA) के लिए तकनीकी वार्ता में लगे हुए हैं।
- **प्रवासी:** कनाडा दुनिया के सबसे बड़े भारतीय प्रवासियों में से एक की मेजबानी करता है, कनाडा में भारतीय मूल के 16 लाख लोग रहते हैं, जो कुल कनाडाई आबादी का 3% से अधिक बनाते है।
- **शिक्षा और नवाचार:** कनाडा में पढ़ रहे भारतीय छात्र अब कनाडा में अंतरराष्ट्रीय छात्रों की पूरी आबादी का लगभग 40% हैं।
- **बौद्धिक संपदा:** दोनों देश बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) के क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने पर सहमत हुए हैं।
- **सामरिक महत्व:** कनाडा की इंडो-पैसिफिक रणनीति के तहत भारत उसका एक महत्वपूर्ण भागीदार है।
- **विज्ञान और प्रौद्योगिकी:** IC-IMPACTS (भारत-कनाडा सेंटर फॉर इनोवेटिव मल्टीडिसिप्लिनरी पार्टनरशिप्स टू एक्सीलरेट कम्युनिटी ट्रांसफॉर्मेशन एंड सस्टेनेबिलिटी) कार्यक्रम के तहत जैव प्रौद्योगिकी विभाग स्वास्थ्य देखभाल, कृषि-बायोटेक और अपशिष्ट प्रबंधन में संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं को लागू करता है।
- **अंतरिक्ष:** इसरो और कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी (सीएसए) ने बाहरी अंतरिक्ष की खोज और उपयोग के क्षेत्र में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। ANTRIX ने कनाडा से कई नैनो उपग्रह लॉन्च किए हैं। इसरो ने 2018 में लॉन्च किए गए अपने 100वें सैटेलाइट PSLV (पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल) में, भारतीय अंतरिक्ष केंद्र श्रीहरिकोटा से कनाडाई पहला LEO (लो अर्थ ऑर्बिट) उपग्रह भी उड़ाया।

भारत-कनाडा संबंधों के लिए चुनौतियाँ

- **सांस्कृतिक संवेदनशीलताएँ:** कनाडा में कुछ समूह भारत से अलग एक स्वतंत्र सिख राज्य, खालिस्तान के विचार के प्रति सहानुभूति रखते हैं।
- **ऑपरेशन ब्लूस्टार वर्षगांठ परेड (जून 2023):** ब्रैम्पटन, ओंटारियो में, एक परेड में पूर्व प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी की हत्या का जश्न मनाया गया, खून से सना हुआ एक चित्र प्रदर्शित किया गया और दरबार साहिब पर हमले का बदला लेने की वकालत की गई।
- **खालिस्तान समर्थक जनमत संग्रह (2022):** खालिस्तान समर्थक संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) ने ब्रैम्पटन में खालिस्तान पर एक तथाकथित "जनमत संग्रह" आयोजित किया, जिसे महत्वपूर्ण समर्थन दिया गया।
- **वीज़ा नीतियाँ:** हाल के वर्षों में, ऐसी खबरें आई हैं कि भारतीय छात्रों को कनाडा में अध्ययन करने के लिए वीज़ा प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे भारत में असंतोष पैदा हुआ है और चिंताएँ बढ़ी हैं।
- **विभिन्न रुख:** हाल ही में, नई दिल्ली में जी20 बैठक के दौरान, कनाडा और भारत के बीच द्विपक्षीय वार्ता नहीं हुई, बल्कि वे अलग से मिले। कश्मीर में राजनीतिक स्थिति जैसे मुद्दों पर अलग-अलग राय के कारण राजनयिक संबंधों में तनाव आ गया है।
- **सांझ सवेरा पत्रिका (2002):** 2002 में, टोरंटो स्थित पंजाबी भाषा साप्ताहिक ने इंदिरा गांधी की हत्या का जश्न मनाते हुए, जिम्मेदार लोगों का महिमामंडन करते हुए एक कवर चित्रण के साथ पुण्यतिथि पर उन्हें प्रणाम किया।
- **कृषि व्यापार विवाद:** भारतीय डेयरी और पोल्ट्री उत्पादकों ने दालों और कैनोला तेल जैसे उत्पादों के कनाडाई निर्यात पर व्यापार संबंधी चिंताएँ व्यक्त की हैं।

खालिस्तान मुद्दा

- **विवरण:** वर्तमान पंजाब (भारत और पाकिस्तान दोनों) में एक पृथक, संप्रभु सिख राज्य के लिए लड़ाई।
- **आंदोलन के ख़िलाफ़ ऑपरेशन:** ऑपरेशन ब्लू स्टार (1984) और ऑपरेशन ब्लैक थंडर (1986 और 1988) के बाद भारत में इस आंदोलन को कुचल दिया गया।
- **मुद्दा:** यह सिख आबादी के कुछ वर्गों, विशेषकर कनाडा, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में सिख प्रवासियों के बीच सहानुभूति और समर्थन पैदा करता है।

आगे की राह

- **पंजाब का आर्थिक विकास:** भारत सरकार को पंजाब के आर्थिक विकास में निवेश करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसे संसाधनों, अवसरों और लाभों का उचित हिस्सा मिले।
- **प्रचलित मुद्दों को संबोधित करना:** सरकार को पंजाब को प्रभावित करने वाली बेरोजगारी, नशीली दवाओं के दुरुपयोग, पर्यावरणीय गिरावट और कृषि संकट की समस्याओं का भी समाधान करना चाहिए।
- **पीड़ितों के लिए न्याय:** भारत सरकार को खालिस्तान आंदोलन के दौरान हुई हिंसा और मानवाधिकारों के उल्लंघन के पीड़ितों और बचे लोगों के लिए न्याय सुनिश्चित करना चाहिए।
- **राजनयिक जुड़ाव:** दोनों देशों को चिंताओं और शिकायतों पर खुलकर चर्चा करने के लिए सरकार के विभिन्न स्तरों पर संचार सुनिश्चित करना चाहिए।

भारत और कनाडा दोनों को राजनीतिक रूप से विवादास्पद मुद्दों से आगे निकलकर आपसी सहयोग और सहभागिता के क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इस गतिशील साझेदारी में काफी संभावनाएं हैं और इसलिए, दोनों देशों को इससे प्राप्त अवसरों का लाभ उठाना चाहिए।

फाइव आइज़ एलायंस

कनाडा के प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा कनाडा की धरती पर खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को भारत सरकार से जोड़ने के हालिया आरोपों ने खुफिया जानकारी साझा करने वाले गठबंधन 'फाइव आइज़' (या FVEY) को सुर्खियों में ला दिया है। ऐसा माना जाता है कि इसने वह जानकारी प्रदान की जिससे कनाडा को "मदद" मिली।

'फाइव आइज़'

- **विवरण:** एक ख़ुफ़िया गठबंधन जिसमें ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूज़ीलैंड, यूनाइटेड किंगडम और अमेरिका शामिल हैं।
- **विस्तार:** एजेंसी ने बाद में अपने मुख्य समूह को 'नाइन आइज़' और 14 आइज़ गठबंधनों तक बढ़ा दिया, और अधिक देशों को सुरक्षा भागीदार के रूप में शामिल किया।
- **9 आइज़:** नीदरलैंड, डेनमार्क, फ्रांस और नॉर्वे
- **14 आइज़:** इसमें बेल्जियम, इटली, जर्मनी, स्पेन और स्वीडन शामिल हैं।
- **गठन:** गठबंधन की उत्पत्ति का पता द्वितीय विश्व युद्ध से लगाया जा सकता है। यूके और यूएस ने क्रमशः जर्मन और जापानी कोड को सफलतापूर्वक तोड़ने के बाद खुफिया जानकारी साझा करने का निर्णय लिया।
- **यूके-यूएसए (यूकेयूएसए) समझौता:** 1943 में, ब्रिटेन-यूएसए (ब्रूसा) समझौते ने यूके-यूएसए (यूकेयूएसए) समझौते (यूरोप में अमेरिकी सेनाओं का समर्थन करने के लिए दोनों देशों के बीच खुफिया जानकारी साझा करने के लिए) की नींव रखी।

मॉडल प्रश्न पत्र

1. हाल ही में भारत मण्डप (नई दिल्ली) में G-20 शिखर सम्मेलन का कौनसा संस्करण आयोजित हुआ?
   (a) 17वाँ (b) 18वाँ
   (c) 19वाँ (d) 20वाँ
2. भारत द्वारा किस देश के साथ JE-F-414 फाईटर इंजन निर्माण हेतु समझौता हुआ-
   (a) फ्रांस (b) इजरायल
   (c) जापान (d) अमेरिका
3. लिप्टाको-गौरमा चार्टर पर हस्ताक्षर करने वाला देश नहीं है-
   (a) माली (b) नाइजर
   (c) घाना (d) बुर्किना फासो
4. 43वाँ आसियान शिखर सम्मेलन 2023 कहाँ आयोजित हुआ-
   (a) नई दिल्ली (b) जकार्ता
   (c) गुजरात (d) दुबई
5. हाल ही में लिबिया (उत्तरी अफ्रीका) व उसके आस-पास के क्षेत्रों को किस चक्रवात द्वारा प्रभावित किया गया-
   (a) डेनियल (b) मिचौंग
   (c) बिपरजॉय (d) मोचा
6. नारी शक्ति वंदन अधिनियम के संबंध में असत्य कथन की पहचान करें-
   (a) यह 106वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा लागू हुआ।
   (b) इसके द्वारा केवल लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण दिया गया।
   (c) वर्तमान में यह 15 वर्ष के लिए लागू किया गया है।
   (d) उपरोक्त में से कोई नहीं।
7. यूनेस्कों के 45वें सत्र में किन भारतीय स्थलों को विश्व धरोहर सूची में शामिल हुए-
   (a) शांति निकेतन (b) होयसल मंदिर
   (c) केवल a (d) a और b दोनों
8. टाईम्स मैग्जीन के 'द इमर्निंग लीडर्स शेविंग द वर्ल्ड' सूची में शामिल नहीं है-
   (a) नंदिता वेंकटेशन (b) वीनू डेनियल
   (c) हरमनप्रीत कौर (d) सानिया मिर्जा
9. हाल ही में किस देश में विश्व के प्रथम पोर्टेबल अस्पताल का अनावरण किया गया-
   (a) भारत (b) अमेरिका
   (c) फिनलैण्ड (d) सिंगापुर
10. वीरांगना दुर्गावती अभ्यारण्य को हाल ही में 'बाघ अभ्यारण्य घोषित किया गया, यह किस राज्य से संबंधित है-'
    (a) उत्तरप्रदेश (b) हिमाचल
    (c) मध्यप्रदेश (d) झारखण्ड
11. प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का शुभारंभ किस तिथि को किया गया-
    (a) 15 सितम्बर (b) 17 सितम्बर
    (c) 19 सितम्बर (d) 21 सितम्बर
12. 'स्टेच्यू ऑफ वननेस' का अनावरण किस राज्य में किया गया-
    (a) राजस्थान (b) गुजरात
    (c) जम्मू कश्मीर (d) मध्यप्रदेश
13. 'कलिंग साहित्य उत्सव' का आयोजन कहाँ हुआ-
    (a) काठमांडू (नेपाल) (b) लुम्बिनी (नेपाल)
    (c) श्रावस्ती (बिहार) (d) कुशीनगर (बिहार)
14. 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' से संदर्भित उच्च स्तरीय कमेटी की अध्यक्षता किसके द्वारा की जा रही है-
    (a) अमित शाह (b) रामनाथ कोविंद
    (c) अर्जुनराम मेघवाल (d) संजय कोठारी
15. बांध सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन-2023 का आयोजन कहाँ हुआ-
    (a) गांधीनगर (गुजरात) (b) तारानगर (केरल)
    (c) RIC (राजस्थान) (d) नई दिल्ली

16. हाल ही में किस राज्य ने स्वच्छ भारत मिशन-2.0 के तक 100% ODF + का लक्ष्य हासिल किया-

(a) राजस्थान (b) कर्नाटक
(c) उत्तरप्रदेश (d) मध्यप्रदेश

17. केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी द्वारा नई दिल्ली में देश की प्रथम हाइड्रोजन चलित बस को हरी झंडी दिखाई गई, यह बस का निर्माता है-

(a) इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड
(b) भारतीय हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
(c) ऑलेक्ट्रा ग्रीन लिमिटेड
(d) रेल विकास निगम लिमिटेड

18. 'नुआखाई उत्सव' का संबंध किस राज्य से है-

(a) उत्तराखण्ड (b) पश्चिम बंगाल
(c) महाराष्ट्र (d) ओडिशा

19. 14 सितम्बर, 2023 को केन्द्र सरकार द्वारा किन राज्य/राज्यों के किसानों के लिए 'अफीम पोस्ट लाइसेंसिग नीति' की घोषणा की गई-

(a) राजस्थान (b) मध्यप्रदेश
(c) उत्तरप्रदेश (d) उपरोक्त सभी

20. अमेरिकी पत्रिका 'ग्लोबल फाइनेंस' द्वारा किसे शीर्ष केन्द्रीय बैंकर का दर्जा दिया गया-

(a) डॉ. रघुराम राजन (b) डॉ. उर्जित पटेल
(c) शक्तिकांत दास (d) a और b दोनों

21. हाल ही में कौनसा परमाणु ऊर्जा संयंत्र देश का प्रथम स्वदेशी परमाणु ऊर्जा संयंत्र बना-

(a) रावतभाटा (राजस्थान)
(b) काकरापार (गुजरात)
(c) कलपक्कम (तमिलनाडू)
(d) कुडनकुलम (तमिलनाडू)

22. राजस्थान ग्रीन हाइड्रोजन नीति 2023 कब लागू की गई-

(a) 14 सितम्बर, 2023 (b) 15 सितम्बर, 2023
(c) 16 सितम्बर, 2023 (d) 17 सितम्बर, 2023

23. राजस्थान बायोमास एवं वेस्ट टू एनर्जी नीति-2023 कब लागू की गई-

(a) 13 सितम्बर, 2023 (b) 19 सितम्बर, 2023
(c) 16 सितम्बर, 2023 (d) 20 सितम्बर, 2023

24. इंदिरा रसोई योजना (ग्रामीण) के संबंध में असत्य कथन की पहचान करों-

(a) इसका शुभारंभ 10 सितम्बर, 2023 को निवाई (टोंक) से हुआ।
(b) इसमें पूरे प्रदेश में 1000 ग्रामीण रसोई स्थापित होगी।
(c) वर्तमान में 400 ग्रामीण इंदिरा रसोईयों का शुभारंभ किया गया है।
(d) यह योजना 10000 से अधिक आबादी वाले ग्रामीण कस्बों में प्रारंभ होगी।

25. मुख्यमंत्री कामधेनु पशु बीमा योजना के संबंध में असत्य कथन का चयन करों-

(a) इसका प्रारंभ 10 सितम्बर, 2023 को भीलवाड़ा से हुआ।
(b) इसका उद्देश्य पशुपालकों को आर्थिक संबल प्रदान करना है।
(c) पशुपालन विभाग (राजस्थान) इसका नोड़ल विभाग है।
(d) इसमें प्रति परिवार 2-2 दुधारु गौ/भैंस वंश के पशुओं का अधिकतम 4000 तक का नि:शुल्क बीमा होगा।

26. डोल मेला का आयोजन कहाँ किया जाता है-

(a) शाहपुरा (b) बूंदी
(c) नाथद्वारा (d) माउंट आबू

27. हाल ही में राजस्थान में 'लाईम स्टोन' के भण्डार कहाँ मिले-

(a) खींवसर (नागौर) (b) राजगढ़ (अलवर)
(c) लाखेरी (बूंदी) (d) उपरोक्त सभी

28. 'विमुक्ति जनजातीय मुक्ति दिवस' कब मनाया जाता हैं-

(a) 30 अगस्त (b) 30 दिसम्बर
(c) 5 अगस्त (d) 31 सितम्बर

29. राजस्थान स्टेट फैकल्टी डवलपमेंट एकेड़मी की स्थापना कहाँ की गई-
(a) जोधपुर (b) उदयपुर
(c) कोटा (d) जयपुर

30. असत्य युग्म की पहचान करें-

	पैनोरमा	स्थल
(a)	बूंदा मीणा	बूंदी
(b)	महर्षि नवल	जोधपुर
(c)	देवराज जी	जैसलमेर
(d)	राजा हेमू	अलवर

31. राजस्थान की 'प्रथम खनन यूनिवर्सिटी' कहाँ स्थापित की गई-
(a) सीसताल (बारां) (b) किशनगढ़ (अजमेर)
(c) कोटा (d) नाथद्वारा (राजसमंद)

32. सुरपुरा एम्यूजमेंट पार्क का लोकार्पण कहाँ हुआ-
(a) उदयपुर (b) जोधपुर
(c) जयपुर (d) भीलवाड़ा

33. भारत का प्रथम सौर मिशन 'आदित्य-एल 1' में कितने पेलोड लगे है-
(a) 2 (b) 3
(c) 5 (d) 7

34. हाल ही में लांच हुए 'मून स्नाईपर मिशन' का संबंध किस देश से हैं-
(a) अमेरिका (b) जापान
(c) फ्रांस (d) EU

35. 'भारतीय तटीय सुरक्षा बल' द्वारा तटीय सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने और मछुआरों को जागरूक करने हेतु कौनसा ऑपरेशन लांच किया-
(a) सजग (b) सचेत
(c) खोज (d) प्रहार

36. वरुण युद्धाभ्यास किन-किन देशों के मध्य होता है-
(a) भारत-रूस (b) भारत-फ्रांस
(c) भारत-थाईलैण्ड (d) भारत-अफगानिस्तान

37. भारत में दुर्लभतम धातु वेनेडियम की खोज कहाँ की गई?
(a) काकरापारा (गुजरात)
(b) गांधीनगर (गुजरात)
(c) सूरत (गुजरात)
(d) खम्भात की खाड़ी (गुजरात)

38. देश की प्रथम सोलर सिटी का लोकार्पण कहाँ किया गया-
(a) सांचो नगर (मध्यप्रदेश) (b) लखनऊ (UP)
(c) इंदौर (मध्यप्रदेश) (d) गांधीनगर(गुजरात)

39. रेलवे बोर्ड की प्रथम महिला चेयरपर्सन किसे नियुक्त किया गया-
(a) रमा सिंह (b) जया वर्मा
(c) दिव्या चौहान (d) शिला जैन

40. 19वें एशियाई खेलों में भारतीय टीम के ध्वज वाहक थे-
(a) हरमनप्रीत सिंह (b) लवलीना बोरगोहेन
(c) नीरज चोपड़ा (d) a और b

41. डायमंड लीग-2023 में भालाफेंक प्रतियोगिता में नीरज चोपड़ा ने कौनसा पदक प्राप्त किया-
(a) सिल्वर (b) ब्रोंज
(c) गोल्ड (d) कोई नहीं

42. राजस्थान साहित्य अकादमी पुरस्कार के संबंध में असत्य युग्म का चयन करें-

	पुरस्कार	प्राप्तकर्त्ता
(a)	मीरां पुरस्कार	रतन कुमारी सांभारिया
(b)	सुधींद्र पुरस्कार	चेतन औदिच्य
(c)	रांगेय राघव पुरस्कार	पुरुषोत्तम पोमल
(d)	सुमन जोशी पुरस्कार (प्रथम कृति)	वेदव्यास

43. निम्न में से किन्हे रेमन मेगसेसे पुरस्कार से सम्मानित नहीं किया गया-
(a) डॉ. रवि कन्नर आर. (भारत)
(b) मीनाक्षी रक्षंद (बांग्लादेश)
(c) यूजेनिया लेमोस (तिमोर-लेस्ते)
(d) मरियम कोरोनेल फेरर (फिलीपींस)

44. राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कारों की घोषणा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर की जाती है, यह दिवस कब मनाया जाता है-
(a) 11 मई (b) 11 अगस्त
(c) 23 मई (d) 23 अगस्त

45. शांतिस्वरूप भटनागर पुरस्कार किस विषय से संबंधित है-

(a) शिक्षा (b) स्वास्थ्य
(c) विज्ञान (d) समाजसेवा

46. राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2023 से कितने शिक्षकों को सम्मानित किया गया-

(a) 70 (b) 75
(c) 80 (d) 47

47. ग्रामीण पर्यटन ग्राम पुरस्कार किसके द्वारा दिया जाता हैं-

(a) पर्यटन विभाग (राजस्थान सरकार)
(b) पर्यटन विभाग (भारत सरकार)
(c) ग्रामीण विकास मंत्रालय (राजस्थान सरकार)
(d) उपरोक्त सभी

48. हाल ही में पत्र सूचना कार्यालय (PIB) के पधान महानिदेशक किसे नियुक्त किया गया-

(a) सुरेश गोपी (b) राजनीश कुमार
(c) वीनू गुप्ता (d) मनीष देसाई

49. हिंदी सेवा पुरस्कार से किसे किन्हें सम्मानित किया गया-

(a) डॉ. फतेह सिंह भाटी
(b) डॉ. सत्यवीर सिंह
(c) डॉ. रामविलास
(d) b और c

50. राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस कब मनाया जाता है-

(a) 9 सितम्बर (b) 15 सितम्बर
(c) 16 सितम्बर (d) 27 सितम्बर

Answer Key

1.	(b)	2.	(d)	3.	(c)	4.	(b)	5.	(a)
6.	(b)	7.	(d)	8.	(d)	9.	(a)	10.	(c)
11.	(b)	12.	(d)	13.	(a)	14.	(b)	15.	(c)
16.	(c)	17.	(a)	18.	(d)	19.	(d)	20.	(c)
21.	(b)	22.	(c)	23.	(d)	24.	(d)	25.	(a)
26.	(b)	27.	(a)	28.	(c)	29.	(d)	30.	(c)
31.	(a)	32.	(b)	33.	(d)	34.	(b)	35.	(a)
36.	(b)	37.	(d)	38.	(a)	39.	(b)	40.	(d)
41.	(a)	42.	(d)	43.	(b)	44.	(a)	45.	(c)
46.	(b)	47.	(b)	48.	(d)	49.	(d)	50.	(b)

RAS-2021 RESULT

Samyak
An Institute For Civil Services

1st RANK

VIKRANT SHARMA

सम्यक् मार्गदर्शन=सर्वश्रेष्ठ परिणाम

सम्यक् ने पुन: रचा इतिहास, सम्यक् सितारों ने फहराया परचम

राजस्थान में पहली बार TOP 10 में 9 TOPPERS

650+ SELECTION

RANK 2 PRIYA BAJAJ

RANK 4 VISHWAJEET

RANK 5 BHARTI GUPTA

RANK 6 AKANKSHA DUBEY

RANK 7 KANCHAN CHOUDHARY

RANK 8 SHUBHAM SHARMA

RANK 9 NIDHI UDSARIA

RANK 10 SATYA NARAYAN

सिविल सेवा की तैयारी को समर्पित संस्थान

RAS | IAS | PSI

Online | Offline | Live From Classroom | Separate Batches For Hindi & English Medium

After Class 12th

IAS & RAS

3 YEARS INTEGRATED COURSE ALONG WITH GRADUATION

FEATURES

- Classes By Subject Experts
- Study Materials: Printed Booklets
- Regular Test Papers Pre & Mains
- Library Facility
- Online Course Free with Offline Course

राजस्थान में पहली बार IAS/RAS की तैयारी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ आवासीय कोचिंग

Samyak Gurukul
A Residential Coaching For Civil Services

KNOW MORE ABOUT GURUKUL SCAN QR CODE

GIT Campus, Sitapura Industrial Area, Jaipur

Contact : 7733800800

ONLINE COURSES AVAILABLE ON SAMYAK APP

- Live & Recorded Classes
- Personal Mentorship
- Test Series & Solution
- Toppers' Strategic Sessions

Download & Join
GET IT ON Google Play

Samyak
An Institute For Civil Services

NEAR RIDDHI-SIDDHI, GOPALPURA, JAIPUR

9875170111